- असम में हिंसा, मौके पर आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद
- 12

- बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर चार माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर
- 12

- ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल
- 13

- न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत
- 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.08

सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष तृतीया 02:47 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 21 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 152, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

मेरे भी बॉस : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। मोदी ने इस मौके पर कहा- अब नितिन नबीन मेरे भी बॉस हैं। ● एजेंसी

पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को नई दिल्ली में नितिन नबीन से मिलकर उन्हें बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा, नितिन नबीन का कुशल नेतृत्व, गहरा संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शी सोच पार्टी को नई ऊर्जा और स्पष्ट दिशा प्रदान करेगी।

ट्रंप की धमकियों से सहमे बाजार में 9.86 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को आक्रामक हथियार बनाने और लगातार धमकियां देने का बड़ा असर मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार पर पड़ा। सेंसेक्स 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट के साथ धड़ाम हो गया और निफ्टी भी 353 अंक टूट गया। इस भारी गिरावट से निवेशकों के 9.86 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

ट्रंप की धमकियों से वैश्विक स्तर पर लगातार तनाव बढ़ने के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली हुई। इससे सेंसेक्स में भारी गिरावट आई और वह 1.28 प्रतिशत फिसलकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 353 अंक यानी 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों ने इस भारी गिरावट का कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट जारी रहने को भी बताया। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस संकट को और गहरा कर दिया। बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 2.74 प्रतिशत और मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 2.52 प्रतिशत लुढ़क गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 9,86,093.96 करोड़ रुपये घटकर 4,55,82,683.29 करोड़ रुपये यानी 5.01 लाख करोड़ डॉलर रह गया। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,503 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई जबकि 780 शेयर चढ़कर बंद हुए और 119 अपरिवर्तित रहे।

● चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 1,066 अंक लुढ़का, निफ्टी में भी 353 अंकों की भारी गिरावट

अमेरिकी प्रशासन की ओर से टैरिफ को विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में आक्रामक और अप्रत्याशित तरीके से इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ी है जो वित्तीय बाजारों में तेज उतार-चढ़ाव पैदा कर रही है। - पोनमुडी आर, सीईओ एनरिच मनी

चीन, जापान, कोरिया में भी भारी गिरावट यूरोप के बाजारों में भी मचा हाहाकार

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में कारोबार के दौरान एक प्रतिशत से अधिक की कमजोरी देखी गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को अवकाश के कारण बंद रहे।

● शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 3,262.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,234.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप- 4 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार होने के बाद चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियां हटा लीं। सीएक्यूएम ने एक आदेश में कहा कि पहले, दूसरे और तीसरे चरण की पाबंदियां लागू रहेंगी। आदेश में कहा गया, ग्रैप के चौथे चरण की पाबंदियां हटा ली गई हैं। लोगों से अनुरोध है कि वे ग्रैप के पहले, दूसरे और चौथे चरण के तहत लागू पाबंदियों का सख्ती से पालन करें ताकि एक्यूआई और खराब न हो।

बेंगलुरु में 5.15 करोड़ के मादक पदार्थ जब्त

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में मंगलवार को अपराध नियंत्रण ब्यूरो (सीसीबी) की स्वापक रोधी शाखा ने 2.5 किलोग्राम एमडीएमए और 300 एक्स्टसी टैबलेट जब्त की। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 5.15 करोड़ रुपये है। पुलिस के मुताबिक, मराठाहल्ली थाना क्षेत्र के मुन्नेकोलाला इलाके में किराए के एक मकान से एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि वह इस मकान से ही मादक पदार्थों का व्यापार कर रहा था। आरोपी के खिलाफ हेन्नूर और कडुगोडी थानों में पहले से ही मादक पदार्थों की तस्करी के दो मामले दर्ज हैं।

चुनाव से ऐन पहले केरल-तमिलनाडु में राज्यपाल और सरकारों में बढ़ा टकराव

तमिलनाडु में अभिभाषण पढ़े बगैर चले गए रवि, केरल में राज्यपाल ने छोड़े कई अंश

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मंगलवार को यह कहकर राज्य विधानसभा के इस साल के पहले सत्र में सदन में अभिभाषण पढ़े बिना बाहर चले गए कि द्रमुक सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण में बहुत सी गलतियां हैं। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी आरोप लगाया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित भाषण के कई हिस्सों को नहीं पढ़ा। दोनों राज्यों में इसी साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति एक बार फिर गरमा गई है।

राज्यपाल के सदन से जाने के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह नियमों, परंपराओं का उल्लंघन करते हुए एक बार फिर सदन से बाहर चले गए हैं। उनका व्यवहार उनके उच्च पद के अनुकूल नहीं है और सदन और उसकी गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार परंपरागत संबोधन राज्य सरकार तैयार करती है और इसे राज्यपाल द्वारा पूरी तरह से पढ़ा जाना चाहिए।

चेन्नई में राज्यपाल के सदन से जाने के बाद एआईएडीएमके के विधायकों ने भी वाकआउट कर गए।

मेरा माइक बंद किया, राष्ट्रगान का हुआ अपमान: रवि

चेन्नई। विधानसभा में हुए घटनाक्रम के बाद लोकभवन ने बयान जारी कर दावा किया कि राज्यपाल आरएन रवि ने परंपरागत अभिभाषण पढ़ने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि उसमें कई अप्रमाणित दावे और भ्रामक बयान शामिल थे। लोकभवन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया। साथ ही, जनता को परेशान करने वाले कई मुद्दों को अनदेखा किया गया। राज्यपाल रवि परंपरागत अभिभाषण की शुरुआत में राष्ट्रगान बजाने की मांग कर रहे थे, जबकि राज्य सरकार का कहना है कि परंपरा के अनुसार शुरुआत में तमिल थाई वाज़्थु और अंत में राष्ट्रगान बजाया जाता है। लोकभवन की ओर से जारी 13 बिंदुओं वाले एक विवरण में यह भी आरोप लगाया गया कि राज्यपाल का माइक बार-बार बंद किया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

अभिभाषण की अनिवार्यता हटे : मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान में संशोधन के माध्यम से उन प्रावधानों को हटाने का प्रयास करेगी, जिनमें वर्ष की शुरुआत में राज्यपाल के अभिभाषण को अनिवार्य बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने एक प्रस्ताव भी पेश किया जिसमें कहा गया कि सदन राज्यपाल के परंपरागत संबोधन न पढ़ने के व्यवहार को स्वीकार नहीं करता है।

राज्यपाल ने केंद्र की आलोचना वाले अहम हिस्से नहीं पढ़े: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में मंगलवार को तब अभूतपूर्व स्थिति उत्पन्न हो गई जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सदन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन के तुरंत बाद आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल की ओर से अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा। विजयन ने कहा कि छोड़े गए अंशों में भाजपा-शासित केंद्र सरकार की राजकोषीय नीति की आलोचना करने वाले हिस्से और राजभवन में लंबित विधेयकों से संबंधित संदर्भ शामिल थे। विजयन के अनुसार, राज्यपाल ने दस्तावेज के 12वें पैरा का शुरुआती हिस्सा और 15वें पैरा के अंतिम हिस्से को नहीं पढ़ा। इसके अलावा, 157 पैरा और 72 पृष्ठों वाले नीतिगत भाषण के 16वें पैरा में राज्यपाल ने एक पंक्ति जोड़ी। विजयन ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर नीतिगत संबोधन को ही आधिकारिक संस्करण के तौर पर स्वीकार किया जाए।

अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद कर्नाटक डीजीपी निलंबित

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक सरकार ने डीजीपी के. रामचंद्र राव के महिलाओं के साथ अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोमवार को कई समाचार चैनलों ने भी यह वीडियो प्रसारित किया जिसमें राव महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे थे। सरकार ने राव की कहीं आवाजाही पर भी रोक लगा दी है और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने का आदेश दिया है।

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) की ओर से जारी एक आधिकारिक आदेश में सरकार ने कहा कि टेलीविजन चैनल और डिजिटल मीडिया मंचों पर प्रसारित वीडियो और समाचार में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अश्लील तरीके स व्यवहार करते हुए दिखाया गया है। इस कारण उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया है।

आदेश में कहा गया कि राज्य सरकार ने मामले की जांच की, जिसमें पाया गया कि अधिकारी का आचरण अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के नियम-3 का उल्लंघन है। सरकार प्रथमदृष्टया इससे संतुष्ट है कि जांच होने तक राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया जाए। उधर, राव ने वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा बताया है।

● सरकार ने जांच पूरी होने तक मुख्यालय छोड़ने पर भी लगाई रोक

सोने की तस्करी में पकड़ी गई रान्या के सौतेले पिता हैं राव

राव कन्नड़ अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव के सौतेले पिता हैं, जिस पर व्यवसायी तरुण राजू और आभूषण व्यापारी साहिल जैन से मिलकर 12.56 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना अवैध तरीके से दुबई से भारत लाने की साजिश रचने का आरोप है। रान्या को तीन मार्च 2025 को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था और उसके पास से 14.8 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था जो दुबई से तस्करी करके लाया गया था। रान्या फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में है।

जांच में आरोपों की पुष्टि हुई तो बर्खास्त करेगी सरकार

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में वीडियो वायरल होने के मामले की जांच के बाद डीजीपी के. रामचंद्र राव को बर्खास्त भी किया जा सकता है। गृह मंत्री ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निलंबन एक तात्कालिक कदम था। अब जांच होगी और जांच के बाद अन्य पहलुओं का भी पता चलेगा और उसके अनुसार अगली कार्रवाई की जाएगी।

जनवरी के लिए पंचायतों को 900 करोड़ की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनवरी के लिए 900 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह राशि पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत जनरल ग्रांट के रूप में जिला पंचायतों, ब्लॉक पंचायतों और ग्राम पंचायतों को दी जाएगी। इसका शासनादेश जारी कर दिया गया है।

विशेष सचिव आलोक दीक्षित की ओर से पंचायती राज निदेशक को भेजे गए शासनादेश के अनुसार यह धनराशि स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति एवं समनुदेशन से जारी की जाएगी। कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी माह के लिए यह किस्त स्वीकृत की गई है। धनराशि निदेशक, पंचायती राज के निवर्तन पर रखी जाएगी, जिसे तय शर्तों के अनुसार संबंधित पंचायतों के खातों में सीधे अंतरित किया जाएगा। यह वितरण पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार किया जाएगा। इस निर्णय से प्रदेश की पंचायतों को विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों के पूरा होने की उम्मीद है। पंचायतें इस धनराशि का उपयोग स्वच्छता, रखरखाव, स्थानीय अधोसंरचना और अन्य जनहित कार्यों में कर सकेंगी।

● पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति पर जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायतों को धनावंटन

● कुल 10,800 करोड़ रुपये की वार्षिक व्यवस्था में से जनवरी के लिए किस्त स्वीकृत

पंचायतों में वितरण

● जिला परिषद/जिला स्तरीय पंचायतें: 135 करोड़ रुपये ● ब्लॉक पंचायत/मध्यवर्ती स्तरीय पंचायतें: 135 करोड़ रुपये ● ग्राम पंचायतें: 630 करोड़ रुपये

पारदर्शिता व सख्त शर्तें

शासन ने निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि को निदेशक पंचायती राज किसी भी दशा में बैंक खाते में नहीं रखेंगे। कोषागार से धन आहरित कर सीधे पंचायती राज संस्थाओं के खातों में भेजी जाएगी। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सभी खातों के आईएफएससी कोड सही हों। आहरण के एक सप्ताह के भीतर उससे संबंधित पूरी सूचना, बाउचर संख्या और तिथि सहित ब्योरा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यह भी कहा गया है कि धन का उपयोग केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा, जिसके लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है।

घर में एक ही परिवार के 5 सदस्यों के शव मिले

सहारनपुर, एजेंसी

सहारनपुर जिले के सरसावा थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से मंगलवार सुबह एक दंपती समेत परिवार के पांच लोगों के शव पुलिस ने बरामद किए हैं।

सहारनपुर के एसएसपी आशीष तिवारी के मुताबिक सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि सरसावा की कौशिक विहार कॉलोनी में एक अमीन समेत परिवार के पांच सदस्यों के शव उन्हीं के मकान के एक कमरे में मिले हैं। मृतकों में अमीन के पद पर कार्यरत अशोक राठी (40), उसकी पत्नी अजिंता (37), मां विद्यावती (70), पुत्र कार्तिक (16) और देव (13) शामिल हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां अशोक राठी के शव की बगल में तीन लोडेड पिस्टल भी मिलीं। अशोक राठी सहित सभी के सिर पर गोली लगी थी जो बहुत पास से मारी गई थी। एसएसपी के मुताबिक पूरे क्षेत्र की सीसीटीवी फुटेज की जांच के साथ मामले की छानबीन की जा रही है। मौके से बरामद तीनों पिस्टल देसी हैं। वह लाइसेंसी हैं या नहीं, इसकी जांच कराई जा रही है।

एसएसपी ने बताया कि अशोक राठी को पिता की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में अमीन की नौकरी मिली थी और वह नकुड़ तहसील में कार्यरत था। उसके दोनों बेटे दसवीं और 11वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। पुलिस ने अशोक राठी के घर को सील कर दिया है ताकि किसी भी स्तर पर जांच प्रभावित न हो पाए।

● सभी के सिर पर लगी थी गोली, मौके पर 3 लोडेड पिस्टल भी बरामद

इजराइल ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय पर चलाया बुलडोजर

यरुशलम, एजेंसी

इजराइल के अधिकारियों ने पूर्वी यरुशलम में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय को बुलडोजर से गिराना शुरू कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने कहा कि इजराइली सेना ने कार्यालय के कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर लिए और उन्हें शेख जर्राह इलाके में स्थित इमारत से जबरन बाहर निकाल दिया।

संयुक्त राष्ट्र ने 'एक्स' पर कहा, यह न केवल यूएनआरडब्ल्यूए और उसके परिसर पर अभूतपूर्व हमला है, अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र के विशेषाधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है। इजराइल लंबे समय से यह कहकर यूएनआरडब्ल्यूए पर निशाना साधता रहा है कि वह फिलिस्तीन समर्थक है। उस पर हमास से संबंध रखने का भी आरोप लगाया है जिसे संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने पूरी तरह नकार दिया है। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई उस नए कानून के तहत की गई है जिसके तहत आतंकवादी समूहों और हमास से संबंध रखने के आरोप में संगठन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

● कर्मचारियों के उपकरण जब्त कर इमारत से जबरन बाहर निकाला

● संरा ने बताया अभूतपूर्व हमला, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा

प्रयागराज। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के नोटिस का हवाला देते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को नोटिस जारी कर 24 घंटे में ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा है। जवाब में उन्होंने कहा है कि शंकराचार्य वह है जिसे बाकी तीन पीठों के शंकराचार्य मान्यता देते हैं।

उन्होंने दावा किया है कि बाकी दो पीठ द्वारका पीठ और शृंगेरी पीठ के शंकराचार्य उन्हें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में उनके साथ स्नान भी कर चुके हैं। जब दोनों शंकराचार्य यह कह रहे हैं कि वह शंकराचार्य हैं तो और किस प्रमाण की आवश्यकता है कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं। उन्होंने कहा, क्या अब प्रशासन तय करेगा कि वह शंकराचार्य हैं कि नहीं।

फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केस दर्ज कर आरोपपत्र भी कर सकती है दाखिल, सीबीआई की पूर्वानुमति की भी जरूरत नहीं

केंद्रीय कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच कर सकती है राज्य पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में व्यवस्था दी कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के अपराधों के मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत राज्य पुलिस के अधिकारी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर आरोप पत्र दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि राज्य पुलिस को केंद्र सरकार के किसी कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले सीबीआई की पूर्व अनुमति की भी आवश्यकता नहीं है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों की जांच राज्य

एजेंसी, केंद्रीय एजेंसी या कोई भी पुलिस एजेंसी इस शर्त के साथ कर सकती है कि पुलिस अधिकारी विशेष रैंक का हो। पीठ ने अधिनियम की धारा 17 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह धारा राज्य पुलिस या राज्य की किसी विशेष एजेंसी को केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और कदाचार से संबंधी मामलों को दर्ज करने या जांच करने से नहीं रोकती है। पीठ ने कहा, सुविधा और काम के दोहराव से बचने के लिए सीबीआई को केंद्र के कर्मचारियों के खिलाफ जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह राज्य के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो पर राज्य सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ जांच करने जिम्मेदारी है।

आवारा कुत्तों के मामले में मेनका गांधी का बयान अवमानना

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी की आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अपने आदेशों की आलोचना करने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने अदालत की अवमानना की है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि उदारता के कारण वह पूर्व मंत्री के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। न्यायमूर्ति मेहता ने मेनका के वकील से पूछा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के रूप में मेनका गांधी ने आवारा कुत्तों की समस्या को खत्म करने के लिए बजट में आवंटन कराने में क्या मदद की। पीठ ने कहा कि कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराने के संबंध में उसकी टिप्पणी व्यंग्य नहीं, बल्कि गंभीर थी। अदालत ने 13 जनवरी को कहा था कि वह राज्यों को कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए भारी मुआवजा देने को कहेगी और ऐसे मामलों के लिए कुत्तों को खाना देने वालों को जवाबदेह ठहराएगी।

समाचारपत्रों को नहीं रोक सकते निर्बाध चलेंगी पंजाब केसरी की प्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए कि ''समाचारपत्रों को रोका नहीं जा सकता'' पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि वह पंजाब केसरी अखबार के प्रकाशन के खिलाफ कोई कदम न उठाए। कोर्ट ने मौखिक उल्लेख के बाद समाचारपत्र समूह की याचिका पर तत्काल सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि हिंदी दैनिक के प्रिंटिंग प्रेस निर्बाध रूप से काम करते रहेंगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने कहा कि समाचार पत्र समूह की याचिका पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसला सुनाए जाने के बाद भी उसका अंतरिम आदेश एक सप्ताह तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले समाचार पत्र समूह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने इसे असाधारण मामला बताते हुए आरोप लगाया कि पंजाब सरकार के खिलाफ समाचारों के बाद राज्य ने उत्पीड़न का अभियान शुरू कर दिया।

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 21 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

बदायूं में रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एंटी करप्शन टीम ने बदायूं के तहसील बिसौली में तैनात लेखपाल सतीश चंद्र शर्मा को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। आरोपी लेखपाल बदायूं जिले के थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के निवासी ओमप्रकाश से वर्ष 2015 में आवंटित आबादी के प्लॉट पर कब्जा दिलाने के एवज में अवैध धनराशि की मांग कर रहा था। शिकायत मिलने पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बरेली इकाई ने निरीक्षक इस्तियाक वारसी के नेतृत्व में ट्रैप की योजना बनाई। मंगलवार को टीम ने फैजगंज बेहटा क्षेत्र के बाहर नव-निर्मित गौशाला के पास से लेखपाल को रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। एंटी करप्शन अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और रिश्वतखोरी में संलिप्त किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रति सरकार प्रतिबद्ध : नरेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक, आत्मनिर्भर और बाधारहित जीवन देने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। यह बात पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने योजना भवन, लखनऊ में आयोजित दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में कही। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, विधायकों और बोर्ड सदस्यों द्वारा दिव्यांगजनों के हित में कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे गए, जिन पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नीतिगत निर्णय लिए गए। मंत्री कश्यप ने कहा कि सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक समयबद्ध, निष्पक्ष और बिना किसी बाधा के पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि पेंशन भुगतान या अन्य लाभों में किसी भी प्रकार की देरी और लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रुपये प्रतिमाह (12,000 रुपये वार्षिक) भरण-पोषण पेंशन दी जा रही है, जबकि वर्ष 2017 से पहले यह राशि मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी।

प्रोजेक्ट टाइगर-एलीफेंट को 23.19 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : वन्यजीव संरक्षण को मजबूती देने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र प्रायोजित "प्रोजेक्ट टाइगर एंड प्रोजेक्ट एलीफेंट" योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केंद्रीय सहायता की प्रथम किस्त के उपयोग हेतु कुल 23 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह धनराशि राजस्व एवं पूंजीगत मदों में पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय की जाएगी। शासन के उप सचिव विनय कुमार पाठक की ओर से प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष को भेजे गए शासनादेश में बताया गया है कि यह स्वीकृति वित्त विभाग की अनुमति के क्रम में दी गई है। धनराशि प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के निवर्तन पर रखी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस वित्तीय स्वीकृति से प्रदेश में बाघ और हाथी संरक्षण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा और रोजगार प्रशिक्षण के लिए 102.33 स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, महिला-बाल कल्याण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए दो अलग-अलग शासनादेशों के माध्यम से महत्वपूर्ण धनराशि स्वीकृत की है। इन आदेशों से जहां आईसीडीएस (एकीकृत बाल विकास सेवा) के तहत पोषण एवं सेवाओं को गति मिलेगी, वहीं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-83 के तहत 82.04 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई है। यह धनराशि केन्द्र प्रायोजित आईसीडीएस योजना के लिए एसएनए (सिंगल नोडल एजेंसी) खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इसमें केन्द्रांश 49.22 करोड़ और राज्यांश 32.81 करोड़ रुपये शामिल है। दूसरे शासनादेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) योजना के लिए 20.29 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। यह राशि 100% केन्द्रांश पर आधारित है और अनुदान संख्या-13 के तहत एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से जारी की जाएगी।

अप्रैल से जुलाई तक कराए जाएंगे टीईटी, टीजीटी और पीजीटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ प्रयागराज

- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने जारी किया कैलेंडर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (यूपीईएसएससी) ने लंबे इंतजार के बाद शिक्षक भर्ती परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद टीईटी, टीजीटी, पीजीटी और सहायक आचार्य भर्ती परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा की गई। जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच परीक्षाएं होंगी।

आयोग के अनुसार, लंबे समय से अटकी भर्ती प्रक्रिया को गति देने के लिए परीक्षाएं चरणबद्ध ढंग से कराई जाएंगी। सभी परीक्षाएं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की जाएंगी। परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों को समय से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी परीक्षाएं निर्धारित समय पर कराई जाएंगी और किसी भी तरह की अफवाहों से बचने के लिए अभ्यर्थी केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें।

परीक्षा की संभावित तिथियां

- सहायक आचार्य (विज्ञापन संख्या-51) : 18-19 अप्रैल 2026
- प्रवक्ता पीजीटी (विज्ञापन संख्या-02/2022) : 9-10 मई 2026
- प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक टीजीटी (विज्ञापन संख्या-01/2022) : 3-4 जून 2026
- यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी 2026) : 2, 3 और 4 जुलाई 2026

तीन साल बाद यूपी में टीईटी

- यूपी में आखिरी बार टीईटी परीक्षा 21 जनवरी 2022 को हुई थी। इससे पहले 28 नवंबर 2021 को प्रस्तावित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी। इसके बाद प्रशासनिक कारणों से परीक्षा लगातार टलती रही, जिससे लाखों अभ्यर्थी असमंजस में थे। अब परीक्षा कैलेंडर जारी होने से अभ्यर्थियों में तैयारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

बिना टीईटी पास शिक्षक योग्य नहीं

- सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर स्पष्ट किया है कि बिना टीईटी उत्तीर्ण किए कोई भी शिक्षक योग्य नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उनके लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर उन्हें इस्तीफा या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, जिन शिक्षकों की सेवा में पांच वर्ष से कम समय बचा है, उन्हें इस शर्त से राहत दी गई है। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों पर यह आदेश लागू होगा या नहीं, इस पर निर्णय बड़ी पीठ करेगी। इस फैसले का असर देशभर में करीब 10 लाख और अकेले यूपी में लगभग 2 लाख शिक्षकों पर पड़ने का अनुमान है।

लविवि में समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सार्वजनिक स्थलों की खराब स्थिति पर एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने डीन छात्र कल्याण अधिष्ठाता को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन का ध्यान गेट संख्या 1 से कैशियर कार्यालय तक सड़क के किनारे लगे वृक्षों के चबूतरे पर आकृष्ट किया जिनमें टूटफूट हो रही है। छात्रों ने अपने ज्ञापन में कहा कि टैगोर लॉन की अधिकांश सीटें पूरी तरह उखड़ी हुई हैं और जगह-जगह मिट्टी और गंदगी फैली हुई है।

विधायी संस्थाओं में पारदर्शिता अपरिहार्य

लोकसभा अध्यक्ष ने दिया जनता के प्रति जवाबदेही तय करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधायी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के स्पष्ट मानक, पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बदलते समय के साथ विधायिका को नवाचार, प्रौद्योगिकी और दक्ष मानव संसाधन के माध्यम से स्वयं को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देशभर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को एक-दूसरे से साझा किया जाना चाहिए, ताकि विधायी कार्य अधिक प्रभावी, नागरिक-केंद्रित और परिणामोन्मुख हो सके। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा द्वारा विभिन्न राज्यों की अच्छी विधायी परंपराओं और प्रक्रियाओं को अपनी कार्यप्रणाली में शामिल करने के प्रयासों की सराहना की। बिरला ने कहा कि विधायकों की शैक्षणिक योग्यता, पेशेवर अनुभव और सामाजिक पृष्ठभूमि को पहचानकर यदि उनका रचनात्मक उपयोग किया जाए, तो विधायी चर्चाओं की गुणवत्ता और निर्णयों की प्रभावशीलता कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शी और कुशल विधायी प्रक्रियाओं के लिए डिजिटल तकनीक और आधुनिक आईटी टूल्स का उपयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। ई-विधान, डिजिटल रिकॉर्ड, लाइव प्रसारण और नागरिक सहभागिता जैसे उपाय विधायिकाओं को जनता के और करीब लाते हैं। इससे जनता का विश्वास भी मजबूत होता है।

तीन प्रमुख विषयों पर हुआ विचार-विमर्श

- सम्मेलन के दूसरे दिन तीन अहम विषयों पर पूर्ण सत्रीय चर्चा की गई। पहला विषय था—पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग। दूसरा—विधायकों की क्षमता-वृद्धि के माध्यम से कार्यकुशलता में सुधार और लोकतांत्रिक शासन को और सुदृढ़ करना। तीसरा—जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही। इन सत्रों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति में गहन विचार-विमर्श हुआ, जबकि चर्चा का संचालन राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने किया।

संसद-विधानसभाओं में समन्वय की जरूरत

- राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने विधायी संस्थाओं की कार्यकुशलता बढ़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एआई के प्रभावी और विश्वसनीय उपयोग के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। साथ ही संसद और राज्य विधायिका के बीच अधिक समन्वय पर बल देते हुए कहा कि इससे संस्थागत ज्ञान और अनुभव का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा।

सचान की पुत्री-दामाद को दिया आशीर्वाद

- लोकसभा अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान के राजकीय आवास (माल एवेन्यू) पहुंचकर उनकी पुत्री राशि सचान एवं दामाद सीवेन्द्र सचान को नवविवाहित जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने सुख, समृद्धि और सफल दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए परिवार से आत्मीय संवाद किया, जबकि मंत्री राकेश सचान ने उनका स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भोज के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्री और अन्य पदाधिकारी।

प्रदेश में बनेगा एक गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एएम ग्रीन ग्रुप और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच हुआ एमओयू

- 25 अरब डॉलर का निवेश, ग्रेटर नोएडा बनेगा ग्लोबल एआई हब
- वैश्विक स्तर की एआई और एसपीसी जरूरतें होंगी पूरी

अमृत विचार: प्रदेश को वैश्विक डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। एएम ग्रीन ग्रुप ने इन्वेस्ट यूपी के साथ एक ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 1 गीगावॉट क्षमता का अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो वैश्विक स्तर की एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एसपीसी) जरूरतों को पूरा करेगा।

यह एमओयू विश्व आर्थिक मंच, दावोस में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना समेत वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और एएम ग्रीन ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में हुआ। इस परियोजना में लगभग 25 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 2 लाख करोड़ रुपये) का निवेश प्रस्तावित है, जो अब तक देश के सबसे बड़े डेटा सेंटर निवेशों में से एक माना जा रहा है। परियोजना का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसकी पहली क्षमता वर्ष 2028 तक शुरू होने की संभावना है, जबकि 2030 तक पूर्ण 1 गीगावॉट क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। एएम ग्रीन ग्रुप के चेयरमैन अनिल चलमालसेट्टी ने कहा कि एआई आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह एक निर्णायक तकनीक होगी। वहीं, एएम ग्रीन के प्रेसिडेंट महेश कोल्ली ने कहा कि एक गीगावॉट कंप्यूट क्षमता को 24×7 ग्रीन पावर के साथ जोड़कर कंपनी वैश्विक एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर का एक नया और टिकाऊ मॉडल तैयार कर रही है।

एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग को मिलेगी गति

- इस डेटा सेंटर में लगभग पांचलाख अत्याधुनिक हाई-परफॉर्मेंस चिपसेट्स लगाए जाएंगे। यह केंद्र वैश्विक हाइपरस्केलर्स, फ्रंटियर एआई लैब्स, बड़े उद्यमों और भारत की सॉवरेन एआई पहलों को बड़े पैमाने पर और तेज गति से कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराएगा। एएम ग्रीन का यह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर हब ऊर्जा, हेल्थकेयर, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, मीडिया, गेमिंग और सरकारी क्लाउड सेवाओं जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई आधारित समाधानों के विकास में मदद करेगा।

निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनेगा यूपी

- इस परियोजना से प्रदेश में हजारों उच्च-कुशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, कूलिंग टेक्नोलॉजी और एआई एप्लिकेशन डेवलपमेंट का एक मजबूत स्थानीय इकोसिस्टम विकसित होगा। साथ ही, यह परियोजना राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नई गति देगी।

कार्बन-फ्री ऊर्जा से संचालित होगा डेटा सेंटर

- परियोजना की एक बड़ी विशेषता यह है कि इसे 24×7 कार्बन-फ्री ग्रीन एनर्जी से संचालित किया जाएगा। एएम ग्रीन ग्रुप अपनी अक्षय ऊर्जा विशेषज्ञता के तहत पवन, सौर और पम्प्ड स्टोरेज समाधानों का उपयोग करेगा। इससे यह डेटा सेंटर न केवल तकनीकी रूप से उन्नत होगा, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ डिजिटल अर्थव्यवस्था का भी उदाहरण बनेगा।

यमुना को बचाने के लिए 500 किलोमीटर पदयात्रा करेंगी जल सहेलियां

अमृत विचार, लखनऊ : बुन्देलखंड क्षेत्र में पिछले एक दशक से जल संरक्षण के लिए काम कर रहीं जल सहेलियां 29 जनवरी को पंचनद, जालौन- इटावा से यमुना यात्रा शुरू करेंगी। लखनऊ के प्रेस क्लब में संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बताया कि क्षेत्र की 6 सूखी नदियों को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ हजारों तालाबों को बचाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कार्यों की सराहना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी की जा चुकी है। जल सहेलियां लगभग 500 किलोमीटर से अधिक की यमुना यात्रा पर निकल रही हैं। यह यात्रा 29 जनवरी को पचनद से शुरू होकर दिल्ली तक जाएगी। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को यमुना नदी के प्रति जागरूक करना, उसके संरक्षण, अविरलता और निर्मलता के महत्व को समझाना तथा समाज को इस अभियान से जोड़ना है।

25 जिलों में एक साथ हुआ सीएम युवा हेल्प डेस्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश के 25 जिलों में मंगलवार को एक साथ 'सीएम युवा हेल्प डेस्क' का आयोजन किया गया, जिसने युवाओं में उद्यम स्थापित करने को लेकर उत्साह और भरोसा पैदा किया। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में यूपीकॉन के माध्यम से संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना और एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़े युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस व्यापक आयोजन के दौरान युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना (सीएम युवा योजना) के तहत उपलब्ध सुविधाओं, ऋण व्यवस्था और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। महज कुछ ही घंटों में 1072 इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों ने योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जो यह दर्शाता है कि सरकार की नीतियों से प्रेरित होकर युवा अब स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

सीएम युवा हेल्प डेस्क में जानकारी लेते युवक और युवतियां। अमृत विचार

45 पॉलीटेक्निक में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वीकृत हुई 159.01 करोड़ की पहली किस्त, 318.03 करोड़ का प्रावधान
- टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग तकनीकी शिक्षा को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

अमृत विचार: प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को उद्योगोन्मुख और आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। शासन ने टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड (टीटीएल) के सहयोग से प्रथम चरण में चयनित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापना के निर्माण कार्यों को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके लिए पहली किस्त के 159.01 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए गए हैं।

संयुक्त सचिव प्रभाकर चंद्र मिश्र की ओर निदेशक प्राविधिक शिक्षा को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, ये परियोजना तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित की जाएगी। इससे पहले सरकार द्वारा 14 नवंबर 2025 को मानकीकृत लागत 706.75 लाख रुपये प्रति संस्थान तय की जा चुकी है। कुल मिलाकर इस योजना के लिए 318.03 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके सापेक्ष पहली किस्त के रूप में यह धनराशि अवमुक्त की गई है।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां, वैधानिक अनापत्तियां और पर्यावरणीय क्लियरेंस प्राप्त किए जाएंगे। परियोजना की गुणवत्ता, मानकों और समयबद्धता की जिम्मेदारी निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश की होगी। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की पूरी जवाबदेही भी विभागीय स्तर पर तय की गई है।

इन जिलों में बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

- पहले चरण में लखनऊ, कानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, जालौन (उरई), महोबा, बांदा, हमीरपुर, औरैया, हरदोई, गोंडा, मैनपुरी, बरेली, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर, अमरोहा, बिजनौर, शामली, बुलंदशहर, हाथरस, वाराणसी, चंदौली, आजमगढ़, बलिया, संत कबीरनगर, सोनभद्र, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, झांसी, बदायूं, शाहजहांपुर, लखीमपुर-खीरी, अयोध्या, अमेठी, मुरादाबाद, फिरोजाबाद, गाजीपुर, जौनपुर, मऊ, गोरखपुर, देवरिया और मिर्जापुर सहित 45 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों को शामिल किया गया है। प्रत्येक संस्थान के लिए लगभग 3.53 करोड़ की पहली किस्त जारी की गई है।

उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण

- इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से छात्रों को नई और उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे सीधे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकें। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से तैयार पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक लैब, मशीनरी और प्रशिक्षण ढांचा विकसित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

यूपी दिवस विशेष | योगी सरकार के श्रम, रोजगार, निवेश और सामाजिक सुरक्षा मॉडल से बदली तस्वीर

उत्तर प्रदेश में अब पलायन नहीं, 'परावर्तन' का दौर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी को कभी रोजगार की तलाश में पलायन करने वाले राज्यों में गिना जाता था, आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकास, आत्मनिर्भरता और समावेशी समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है। बीते पौने नौ वर्षों में लागू नीतियों का असर अब जमीन पर साफ दिख रहा है। युवाओं और श्रमिकों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रदेश छोड़ने की मजबूरी नहीं रही। उलटे, पहले बाहर गए अनेक लोग अब अवसरों की तलाश में वापस लौट रहे हैं। पलायन का स्थान 'परावर्तन' ने ले लिया है।

औद्योगिक निवेश, एमएसएमई विस्तार, सेवायोजन मेलों और कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार बने हैं। बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक गिरावट आई है और लाखों युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्र में काम मिला है। सेवायोजन विभाग के सेवामित्र पोर्टल पर 53 हजार से अधिक कुशल कामगार पंजीकृत होकर सीधे रोजगार से जुड़ रहे हैं। घर के पास अवसर मिलने से कामकाजी पलायन में निर्णायक कमी आई है।

- रोजगार सृजन से लगा पलायन पर ब्रेक, निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर बने विकास की रीढ़

इन्वेस्ट यूपी के सिंगल-विंडो सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाओं और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, एयरपोर्ट्स, औद्योगिक व डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और लॉजिस्टिक्स हब्स ने उद्योगों को जिलों तक पहुंचाया।

आज प्रदेश में 30 हजार से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हैं, 2017 से पहले यह संख्या इसकी आधी भी नहीं थी। नतीजतन, स्थानीय स्तर पर स्थायी नौकरियां बनीं और युवाओं को अपने गृह जनपदों में अवसर मिले। योगी सरकार ने रोजगार के साथ सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी। पंजीकृत श्रमिकों और कोविड काल में निराश्रित बच्चों के लिए हर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां 100-100 बालक-बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा मिल रही है। इससे श्रमिक परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।

दुर्घटना, मृत्यु और दिव्यांगता पर आर्थिक संबल

- सरकार ने मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया है। कार्यस्थल पर मृत्यु पर 5 लाख रुपये, स्थायी दिव्यांगता पर 3 लाख रुपये, आंशिक दिव्यांगता पर 2 लाख रुपये, पंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना से मृत्यु पर 5 लाख रुपये, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये और 25,000 रुपये अंत्येष्टि सहायता समेत अपंजीकृत श्रमिक की दुर्घटना/मृत्यु पर 1.25 लाख रुपये की मदद के प्रावधानों ने असुरक्षा की भावना को काफी हद तक समाप्त किया है।

पेंशन, बैंकिंग और परिवार सुरक्षा

- प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, अटल पेंशन, मातृत्व-शिशु-बालिका मदद, निर्माण कामगार सहायता योजनाओं से लाखों लाभान्वित हैं। कन्या विवाह सहायता योजना के तहत दो बालिकाओं के विवाह पर 55,000-61,000 रुपये तक सहायता मिलती है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 9.52 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। गंभीर बीमारी में सरकारी अस्पतालों में 100% व्यय प्रतिपूर्ति से श्रमिक परिवारों पर आर्थिक बोझ घटा है।

न्यूज ब्रीफ

महिला की हत्या में दोषी को उम्र कैद कीसजा

कानपुर देहात। करीब साढ़े तीन साल पहले रिंद नदी के किनारे अज्ञात महिला का शव मिला था। इस संबन्ध में 6 नवंबर 2022 को हत्या का मुकदमा कायम किया गया। जांच के क्रम में आरोपी अरुण कुमार दोहरे पुत्र लालाराम दोहरे निवासी ग्राम रसवल रावत, थाना रसूलाबाद का नाम प्रकाश में आया। एडीजे चार की न्यायालय में साक्ष्यों के बाद अरुण कुमार को दोष सिद्ध हुआ। इसके बाद उसे आजीवन कारावास की सजा व 40 हजार के अर्थदंड से दंडित किया गया।

कल डुबकी गांव में लगेगा रोजगार मेला

कानपुर देहात। गुरूवार को डुबकी गांव के कुंज बिहारी लाल मेमोरियल महाविद्यालय में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि मिशन रोजगार अभियान के अन्तर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा पुरुष और महिला बेरोजगार अभ्यर्थियों के लिए एक दिवसीय रोजगार मेले कॅरियर काउंसलिंग का आयोजन किया जा रहा है। इसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

मेघजल बी टीम ने ट्रॉफी पर किया कब्जा

रसूलाबाद। मेघजल ग्राम में गत 7 जनवरी को प्रारंभ हुए क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में मंगलवार को मेघजल बी टीम ने कमेटी की टीम को 43 रनों से शिकस्त देकर ट्राफी पर कब्जा किया और 11 हजार रुपए पुरस्कार के पाए। इस क्रिकेट टूर्नामेंट के मंगलवार को हुए फाइनल मैच में कमेटी की टीम और मेघजल बी टीम के बीच मुकाबला होना था। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए मेघजल बी टीम ने निर्धारित 10 ओवरों के मैच में 6 विकेट खोकर 147 रन बनाए। इसके जवाब में उतरी कमेटी की टीम के खिलाड़ियों को मेघजल बी टीम के बालरों ने 104 रनों पर ढेर कर दिया और मैच 43 रन से जीत लिया।

बालिका दिवस पर होंगे कार्यक्रम

कानपुर देहात। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना में राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी रेनू यादव ने बताया कि अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार के मार्गदर्शन में 22 जनवरी को बैडमिंटन प्रतियोगिता होगी। 23 को कबड्डी व सपनों की उड़ान (पतंगबाजी) प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक बालिकाएं और महिलाए जिला क्रीडा अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण करा सकती हैं।

भूमि विकास बैंक के चुनाव में भाजपा की जीत तय

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया हुई। कुल चार नामांकन कराए गए। भूमि विकास बैंक अकबरपुर, भूमि विकास बैंक झींझक, भूमि विकास बैंक डेरापुर और भूमि विकास बैंक अमरौधा में अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के समर्थित प्रत्याशी पहुंचे। उनका निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा। हालांकि आधिकारिक घोषणा बाकी है।

अमरौधा में अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पाल ने धूमधाम के साथ कराया नामांकन। अमृत विचार

- अकबरपुर से राम राज द्विवेदी, अमरौधा से कमलेश पाल, झींझक से विनोद दुबे और डेरापुर से महेश भदौरिया ने भरा पर्चा
- चार जगहों पर सिर्फ भाजपा के ही प्रत्याशी, जीत की आधिकारिक घोषणा भर बाकी

अकबरपुर भूमि विकास बैंक में रामराज द्विवेदी ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कराया। अकबरपुर विकासखंड में कार्यालय में उन्होंने पर्चा दाखिल किया। इस दौरान राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला सहित डॉक्टर सतीश शुक्ला, मदन पांडेय, मलखान सिंह चौहान, अनूप सिंह जादौन, रूरा नगर पंचायत के चेयरमैन रामजी गुप्ता, राम जी मिश्रा, शिव विलास मिश्रा और जिला मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा नामांकन के दौरान मौजूद रहे। उधर, अमरौधा में अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पाल ने नामांकन किया। यहां भी केवल एक ही नामांकन दाखिल हुआ। नामांकन के दौरान पूर्व मंत्री सतीश पाल, पूर्व जिलाध्यक्ष राहुल अग्निहोत्री, श्याम सिंह सिसोदिया, सौरभ मिश्रा, नीरज पांडेय, सत्यम सिंह चौहान, स्वतंत्र पासवान आदि थे।

दूसरी तरफ, झींझक भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष के लिए विनोद दुबे ने पर्चा भरा। यहां भी केवल एक ही नामांकन दाखिल हुआ। विधायक पूनम संखवार सहित जिला महामंत्री बबलू शुक्ला, केपी सिंह, श्याम मोहन दुबे, बब्बन शर्मा आदि उपस्थित थे। इसी तरह, डेरापुर में भूमि विकास बैंक के लिए अध्यक्ष प्रत्याशी के रूप में महेश भदौरिया ने भाजपा से नामांकन किया। यहां भी केवल एक ही नामांकन दाखिल हुआ।

नामांकन के दौरान सत्येंद्र भदौरिया, बंसलाल कटियार आदि मौजूद रहे। चारों भूमि विकास बैंक में अध्यक्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी का केवल यही एक ही नामांकन दाखिल हुआ। इससे भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित है।

माती में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते रैपालपुर गांव के ग्रामीण। अमृत विचार

शिवली में ग्रामीणों ने लगाई गुहार जलभराव से बचाए सरकार

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः क्षेत्र के रैपालपुर गांव के समीप से डीएफसीसी रेलवे लाइन निकल जाने से पानी के निकास बंद हो गए है। इससे कई वर्षों से गांव में जलभराव होने के कारण परेशानियां उठानी पड़ रही है। बरसात के समय होने वाले जलभराव से निजात दिलाने के लिए ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन माती जाकर सौंपा है। ग्रामीण नरेश कुमार मिश्रा, रामप्रकाश गुप्ता, अशोक पाठक, शिवम त्रिवेदी, सपना, उमा देवी, सोनी सिंह, राधाकृष्ण, गोपाल कृष्ण आदि ने बताया कि कि डीएफसीसी रेलवे लाइन सन 20 में बनाई गई थी। उस समय अधिकारियों ने जलभराव से निपटने के आश्वासन दिया था। हालाकि धरातल पर कुछ नही हुआ।

ठिलिया पर चूड़ी ले जा रहे किशोर को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, मौत

विसधन रोड पर हुआ हादसा, पीछे से आए ट्रैक्टर ने मारी किशोर दुकानदार को टक्कर

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मंगलवार को ठिलिया पर चूड़ी लगाकर बेचेने जा रहे रहीम नगर निवासी एक किशोर को पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसकी असामायिक मौत पर उसके परिवार में कोहराम मच गया है। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया है। घटना की सूचना पाकर कस्बा प्रभारी प्रमोद कुमार मौके पर पहुंच गए हैं और किसोर को सीएससी ले जाया गया है जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मयंक।

रोती बिलखती मयंक की मां। मौके पर जमा लोगों की भीड़। अमृत विचार

- किशोर की मौत के बाद परिजनों में कोहराम, पुलिस ने कब्जे में लिया शव

मंगलवार को रहीम नगर रसूलाबाद निवासी कमल कठेरिया का पुत्र मयंक 15वर्ष ठिलिया पर चूड़ी लगाकर गांव गांव बेचने जा रहा था। रसूलाबाद विसधन रोड पर एक गेस्ट हाउस व धान मिल के समीप पीछे से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने उसके टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार किशोर अपनी साइड पर ठिलिया लिए जा रहा था चालक ने ही नियंत्रण खोकर उसके टक्कर मार दी।

बताया गया कि किशोर का बड़ा भाई विशाल चूड़ी बेचने का काम करता है। वह कानपुर सामान लेने गया था। इस पर मयंक ठिलिया लेकर उन्हें बेचने जा रहा था। उसकी असामायिक मौत की सूचना पाकर उसके परिवार में कोहराम मच गया। उसकी दादी छोटी बिट्टी ,बाबा सोनेलाल, मां गोमती ,पिता कमल कठेरिया, भाई विशाल व आकाश ,चाचा दीपू ,विमल ,सूरज व चंदन का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर कस्बा प्रभारी प्रमोद कुमार मौके पर पहुंच गए और किशोर को एम्बुलेंस से लेकर सीएचसी रसूलाबाद गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत बताया। उसके पंचनामा आदि की कार्रवाई की जा रही है।

ईको पार्क में शनिवार को लगेगी प्रदर्शनी मिलगी योजनाओं की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार। 24 जनवरी को आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन को लेकर मंगलवार को विकास भवन में बैठक का आयोजन हुआ। सीडीओ विधान जायसवाल के साथ-साथ जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी इसमें उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

बताया गया कि ईको पार्क माती में जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन होगा। सभी विभागीय अधिकारियों को शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप समस्त तैयारियां समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर प्रदेश की उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत एवं विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है, अतः इसे पूरी गरिमा, अनुशासन एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित किया जाए। बैठक में अवगत कराया गया कि

उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन को लेकर हुई बैठक में बना तैयारियों का मसौदा।

- उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन को लेकर हुई बैठक, तैयारियों पर चर्चा

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय स्टाल/प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिनके माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, नवाचारों एवं उपलब्धियों की जानकारी आम नागरिकों को दी जाएगी। स्टालों में स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, कृषि, समाज कल्याण, कौशल विकास सहित अन्य विभागों की योजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, चेक एवं अन्य लाभों का वितरण किया जाए, जिससे योजनाओं का वास्तविक लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचे और जनमानस में शासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो। उन्होंने यह भी कहा कि लाभार्थी वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित होनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप "विकसित उत्तर प्रदेश, विकसित भारत" की थीम पर समस्त कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। कार्यक्रमों में प्रदेश की प्रगति, औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे, सामाजिक उत्थान तथा सांस्कृतिक पहचान को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया जाए। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोक कला एवं स्थानीय प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया।

पाइप लाइन डालने के बाद जरूर कराएं रोड रेस्टोरेशन:सीडीओ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचा। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जनपद में संचालित कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में हुई। इसमें विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा पूर्ण किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता, जल निगम को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करें तथा उसकी रिपोर्ट समयदृसमय पर

- जनपद में संचालित कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा

प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे सभी कार्यों में मानक एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यदायी संस्थाओं की प्रगति धीमी है, श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाएं और निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिन ग्रामों में पाइप से जल आपूर्ति का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां तत्काल सत्यापन कराया जाए तथा पाइप लाइन बिछाने के पश्चात रोड रेस्टोरेशन का कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए कि पाइप लाइन डालने के उपरांत सड़क मरम्मत (रोड रेस्टोरेशन) का कार्य अनिवार्य रूप से किया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संस्थाएं कार्य प्रगति में तेजी लाएं तथा कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्ध रूप से पूर्ण करें। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि जिन कार्यदायी संस्थाओं की कार्य प्रगति संतोषजनक नहीं पाई जाएगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम सहित संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

तल्हुआपुर गोली कांड में आधा दर्जन युवकों पर एफआईआर

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः मंगलपुर थाना क्षेत्र के तल्हुआपुर में दो मोटर साइकिल सवार युवकों द्वारा सोमवार की शाम अवैध असलहा से फायरिंग किए जाने से एक युवक के पैर में गोली लगी थी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस ने हत्या के प्रयास में तीन नामजद सहित छह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

थाना क्षेत्र के तल्हुआपुर गांव निवासी राहुल तिवारी ने बताया कि वह सोमवार की शाम करीब सवा चार बजे दुकान पर गुटखा लेने जा रहा था। इसी दौरान जमौरा की तरफ से दो मोटरसाइकिल पर आए आधा दर्जन लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते उसे रोक लिया। इसके बाद गाली गलौज शुरू कर दी व झगड़ा करने लगे। उसने विरोध किया तो हमलावरों में से एक ने दूसरे हमलावर नीरज की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आज बढ़िया मौका है इसे मार दो।

इस पर नीरज ने अवैध तमंचा निकालकर जान से मारने की नीयत से उसके ऊपर फायर कर दिया। एक गोली उसकी जांघ में लगी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बलियापुर निवासी नीरज, गौरव यादव व सत्यम यादव व तीन अज्ञात के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

पशुओं के टीकाकरण के लिए कल से प्रारंभ होगा अभियान

कानपुर देहात। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुबोध कुमार ने बताया कि 22 जनवरी से 10 मार्च तक राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम के तहत खुरपका-मुंहपका रोग टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। जिलेभर को 6 लाख 66 हजार 939 वैक्सीन पशुओं के टीकाकरण के लिए प्राप्त हो गई हैं। सीवीओ ने बताया कि जिले के 10 ब्लाको में प्रत्येक गोवंशीय और महिषवंशीय पशुओं में आठ माह से ऊपर गर्मित एवं चार माह से कम आयु के बच्चे को छोडकर टीका लगाया जाएगा। चयनित वैक्सीनेटर एवं पशु मित्र द्वारा गांव गांव जाकर टीकाकरण का कार्य निःशुल्क किया जाएगा ।

निस्तारित शिकायतों के साथ अपलोड करें फोटो ग्राफ

संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को आईजीआरएस संबंधी बैठक हुई। इमसें प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए।

आईजीआरएस के साथ-साथ मुख्यमंत्री संदर्भ, सीएम हेल्पलाइन, जनप्रतिनिधियों के संदर्भ तथा तहसील दिवस के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक शिकायत के निस्तारण के दौरान संबंधित अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ता से अनिवार्य रूप से संवाद स्थापित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या को समझते हुए उसका समुचित समाधान किया जा सके। सभी निस्तारित शिकायतों में फोटोग्राफ, वीडियो अथवा अन्य ग्राफिक साक्ष्य (एविडेंस) अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएं, ताकि निस्तारण की सत्यता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकताओं में से एक है और इसका उद्देश्य त्वरित राहत प्रदान करना है।

तैयारी

आगामी दिनों में होने वाले आयोजनों को लेकर डीएम ने जारी किए निर्देश

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रोशनी से नहाएंगी सरकारी इमारतें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः मंगलवार को डीएम जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस, गणतंत्र दिवस एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर राज्य की सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संविधान के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन करते हुए इन कार्यक्रमों का आयोजन पूर्ण गरिमा, अनुशासन एवं भव्यता

डीएम कपिल सिंह ने आयोजनों को लेकर जारी किए निर्देश। अमृत विचार

के साथ सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त शासकीय भवनों, कार्यालयों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर समुचित एवं आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की जाए। विशेष रूप से उन्होंने कहा कि 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर सभी शासकीय भवनों को प्रकाश से सजाया जाए। साथ ही उन्होंने सभी कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया कि अपने-अपने कार्यालय परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने 26 जनवरी के कार्यक्रमों के संबंध में स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में नियत समय पर ध्वजारोहण सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी कार्यक्रम समयबद्ध ढंग से संपन्न हों, इसके लिए पूर्व से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर जनपद के विद्यालयों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रभात फेरी, चित्रकला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन कराएं। उन्होंने कहा कि आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, संविधान की मूल भावना तथा मतदान के महत्व से अवगत कराया जाए। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी को महिला एवं पुरुष साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा ।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि रैली के दौरान सुरक्षा, यातायात एवं चिकित्सा व्यवस्था के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं, ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ढाई दर्जन लोगों का लिया ब्लड सैंपल

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार। एनजीटी के निर्देश पर रनियां के चार अलग-अलग वार्डों में लोगों की जांच की जा रही है। मंगलवार को दूसरे दिन बजरंग नगर वार्ड में 30 घरों को चिन्हित कर इसमें रहने वाले 30 लोगों के खून के नमूने संकलित किए गए हैं। बुधवार को तीसरे दिन अंबेडकर नगर वार्ड में सैंपल लिए जाएंगे।

रनियां औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित केमिकल फैक्ट्रियों द्वारा ख़ानचंद्रपुर इलाके में खुलेआम अवैध रूप से करीब 90 हजार मीट्रिक टन क्रोमियम वेस्ट डंप किया गया था। बीते लगभग ढाई दशक से ये रसायनिक कचरा पानी के संपर्क में आया और इसने भू-गर्भ जल प्रदूषित कर दिया। पानी के नमूने में क्रोमियम की पुष्टि के बाद एनजीटी के निर्देश पर ख़ानचंद्रपुर व इसके

- क्रोमियम वेस्ट डंप के कारण दूषित हो गया है इलाके का पानी
- एनजीटी के निर्देश पर बंद कराए गए हैं हैंडपंप, की जा रही स्वास्थ्य जांच

खून के सैंपल लेते टीम के डाक्टर। अमृत विचार

मजरों में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप हटा दिए गए। हालांकि लंबे समय तक प्रदूषित पानी के सेवन से लोग बीमार होने लगे और खून की जांच में इनके शरीर में भी क्रोमियम व मरकरी मानक से अधिक मिलने से हड़कंप मचा हुआ है।

गंभीरता से लेते हुए एनजीटी ने आस-पास के चार वार्डों में भी लोगों की जांच के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को पीएचसी प्रभारी डा विशाल भसीन के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने कुल 30 लोगों के खून के नमूने संकलित किए। जिसमें 21 पुरुष व 9 महिलाएं शामिल हैं। डा विशाल भसीन ने बताया कि बुधवार को तीसरे दिन अंबेडकर नगर वार्ड में नमूने संकलित किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

महिला का खोया हुआ पर्स वापस करता पुलिसकर्मी। अमृत विचार

पुलिस ने ऑटो में छूटा पर्स वापस दिलाया

बिटूर। बिटूर थाना क्षेत्र के मन्धना में गुजैनी निवासी स्वीटी अपनी बहन के साथ चौबेपुर के गबड़हा स्थित अपने मायके जा रही थीं। मंधना पुलिस चौकी के पास ऑटो से उतरने के बाद स्वीटी ने देखा कि उसका पर्स ऑटो में ही छूट गया है। उसने चौकी में बैठे हेड कांस्टेबल ब्रजमोहन से गुहार लगाई। इस पर मंधना चौकी इंचार्ज सौरभ प्रताप सिंह और हेड कांस्टेबल ब्रजमोहन ने तुरंत मंधना चौराहे पर लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किया और जिस ऑटो से स्वीटी उतरती हुई दिखाई दी। फुटेज के आधार पर पुलिसकर्मियों ने ऑटो को रामनगर गांव के पहले रोक लिया। पर्स में मोबाइल, लगभग 1500 नकद और जरूरी कागजात थे। इस तरह बिटूर पुलिस ने मात्र 20 मिनट में महिला का खोया हुआ पर्स वापस किया।

किसान के पट्टे की भूमि पर कब्जा, मुकदमा दर्ज

शिवराजपुर। क्षेत्र के बहरमापुर गांव निवासी हिमांशू ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी पट्टे की भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध तरीके से कब्जा कर पक्का निर्माण शुरू कर दिया है। प्रार्थी के अनुसार, उनकी भूमि की पैमाइश कर क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा कब्जा दिलाया गया था, लेकिन कुछ लोगों ने जबरदस्ती कब्जा कर लिया है। हिमांशू ने आरोप लगाया है कि पवन कुमार, कमल कुमार, प्रमोद कुमार पुत्रगण स्व. लक्ष्मी नारायण, रेखा पत्नी पवन कुमार, पूजा पत्नी कमल कुमार, सरवन, भागीरथ और रंजीत पुत्रगण स्व. दिवारीलाल, प्रभु नाथ, संगीता पत्नी प्रभुनाथ ने महिलाओं को आगे कर उनके साथ गाली-गलौज और झगड़ा किया है। थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुक़दमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

सुरेंद्र दीक्षित का अध्यक्ष बनना तय

मंगलवार को हुए नामांकन में एकमात्र पर्चा दाखिल होने से भाजपा अधिकृत प्रत्याशी का रास्ता साफ

भूमि विकास बैंक चुनाव

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। चौबेपुर- शिवराजपुर भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद चुनाव के लिए मंगलवार को भाजपा समर्थित प्रत्याशी सुरेंद्र दीक्षित द्वारा एकमात्र नामांकन पत्र दाखिल किया गया। किसी अन्य प्रत्याशी के मैदान में न आने से सुरेंद्र का निर्विरोध निर्वाचित होना तय है।

चौबेपुर- शिवराजपुर भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से सुरेंद्र दीक्षित को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया गया था। चुनाव के लिए मंगलवार को हुई नामांकन प्रक्रिया में क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर के साथ प्रत्याशी सुरेंद्र दीक्षित मंधना से वाहन जुलूस के साथ ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे। जहां दोपहर करीब 12:00 बजे उन्होंने पीठासीन अधिकारी तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के लिए निर्धारित समय 3:00 बजे तक किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा पर्चा दाखिल न किए जाने से भाजपा समर्थित प्रत्याशी का निर्विरोध अध्यक्ष बनना तय हो गया, और अब मात्र औपचारिक घोषणा होना ही बाकी है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक 21 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 22 जनवरी को नामांकन पत्रों की वापसी की तिथि निर्धारित है। यदि कोई परिवर्तन न हुआ तो 27 जनवरी को औपचारिक रूप से चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने जाते भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र दीक्षित।

- नामांकन के दौरान जिलाध्यक्ष और विधायक समेत बड़ी संख्या में मौजूद रहे भाजपाई

इस मौके पर भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान, क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर, ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला, भार्गवी नारायण पांडे, दिनेश अवस्थी, रवी दीक्षित, जिला पंचायत सदस्य गोपाल दीक्षित, सांसद प्रतिनिधि रवी बाजपेई, गुड्डू सिंह, मोहित शुक्ला गीता गुप्ता, अमिताभ त्रिपाठी व संतोष समेत बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

रामशंकर कटियार का एक मात्र नामांकन

बिल्हौर। स्थानीय भूमि विकास बैंक (बिल्हौर और ककवन क्षेत्र) के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी और पूर्व जिलाध्यक्ष रामशंकर कटियार ने मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। विपक्षी खेमे से किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा पर्चा न भरने के कारण उनका निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है। बिल्हौर विकासखंड कार्यालय में नामांकन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान, सांसद प्रतिनिधि रवि बाजपेई, ब्लॉक प्रमुख सिपाही लाल कठेरिया और पूर्व जिला महामंत्री जयप्रकाश कटियार समेत भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। उप जिलाधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित ने बताया कि मंगलवार को केवल रामशंकर कटियार का ही नामांकन प्राप्त हुआ है। प्रशासनिक कार्यक्रम के अनुसार, बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। चूंकि मैदान में कोई अन्य उम्मीदवार नहीं है, इसलिए गुरुवार को आधिकारिक रूप से उनके निर्वाचन की घोषणा कर दी जाएगी। रामशंकर कटियार के निर्विरोध निर्वाचन की खबर से समर्थकों में खुशी की लहर है।

20 वर्षों बाद अध्यक्ष पद पर होगा भाजपा समर्थित प्रत्याशी का कब्जा

चौबेपुर। चौबेपुर-शिवराजपुर भूमि विकास बैंक अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव नामांकन में एकमात्र भाजपा प्रत्याशी का पर्चा दाखिल होने से कार्यकर्ताओं में भारी खुशी नजर आई। गौरतललब है कि उक्त पद पर वर्ष 2005 में सपा समर्थित प्रत्याशी शैलेंद्र यादव विजयी हुए थे। 2010 में किसी कारणवश चुनाव स्टे हो जाने के बाद वर्ष 2015 में सपा शासन काल के दौरान पुनः शैलेंद्र यादव ही अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 2020 में कोरोना काल के चलते यह चुनाव स्थगित कर दिया गया। परिणामस्वरूप विगत 20 वर्षों से इस पद पर सपा समर्थित प्रत्याशी का ही कब्जा था।

घाटमपुर में अपने समर्थकों के साथ नामांकन पत्र दाखिल करतीं सुमन लता।

सुमन लता बनेंगी सहकारी विकास बैंक की अध्यक्ष

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में उत्तर प्रदेश सहकारी विकास बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष पद के लिये भारतीय जनता पार्टी से घोषित प्रत्याशी सुमन लता सचान ने अपना नामांकन पत्र उप जिला निर्वाचन अधिकारी अविचल प्रताप सिंह को सौंपा। तय समय तक कोई भी अन्य नामांकन न होने से सुमन लता का निर्विरोध अध्यक्ष बनना तय है। इससे सैकड़ों कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

इस दौरान विधायक घाटमपुर सरोज कुरील, जिला महामंत्री भाजपा कानपुर ग्रामीण वेदव्रत सचान, भाजपा किसान मोर्चा के संयोजक संदीप बाजपेई, भाजपा नेता विजय सचान, उमेश द्विवेदी, चंद्रभान सिंह परिहार सांसद प्रतिनिधि, शिवम भदौरिया, सत्यम चौहान, मनीष तिवारी, राकेश चौधरी रोहित पांडे, पवन सिंह, सोनू सिंह, ओम जी तिवारी, अमित तिवारी, बाबू सिंह सचान बरिपाल, रणवीर सिंह सजेती, पंकज सिंह मौजूद रहे।

विद्यालय में खिड़की तोड़कर की चोरी

शिवराजपुर। बीरामऊ गांव के संविलियन प्राथमिक विद्यालय में शीतकालीन अवकाश के दौरान मौका देखकर विद्यालय की खिड़की को तोड़कर चोर हजारों रुपये का सामान उठा ले गए। 17 जनवरी को विद्यालय खुलने पर वारदात की जानकारी हुई।

प्रधानाध्यापक सुनीता शुक्ला ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि विद्यालय के शिक्षक शीतकालीन अवकाश होने के कारण स्कूल में ताला बंद करके चले गए थे। 17 जनवरी को स्कूल खुलने पर देखा कि चोरों ने विद्यालय की खिड़की को तोड़कर स्टोर रूम व रसोई घर के तालों को तोड़कर वहां रखा हजारों रुपये का सामान पार कर दिया है। इस मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि स्कूल में चोरी की तहरीर मिली है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

फांसी के फंदे से लटकता मिला मासूम का शव

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में कैबिनेट मंत्री के कॉलेज में 9 वर्षीय मासूम का शव कमरे में फांसी के फंदे पर लटकता मिला है। चौकीदार ने घटना की सूचना पुलिस और परिजनों को दी। घटना के बाद से मृतका की नानी लापता है।

कानपुर के बाबूपुरवा निवासी मंजीत ने बताया कि उनकी पत्नी लक्ष्मी की पहली शादी से एक बेटी वैष्णवी उर्फ रानी थी, जो अपनी नानी ममता के साथ घाटमपुर स्थित बंद पड़े मंत्री राकेश सचान के बाबा बैजनाथ डिग्री कॉलेज में रहती थी। मंजीत ने बताया कि वह रक्षा बंधन में कॉलेज आए थे, तब वैष्णवी काफी खुश थी। उन्होंने बताया कि सोमवार को देर रात कॉलेज के चौकीदार कामता का फोन आया और उन्हें बेटी के फांसी के फंदे पर लटकने की सूचना मिली, जिसपर वह पत्नी के साथ कॉलेज पर पहुंचे। चौकीदार ने घटना की सूचना फोनकर पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की।

घटना के बाद से किशोरी की नानी ममता कॉलेज से लापता है। मंजीत ने बताया कि उन्होंने कई बार अपनी सास ममता को फोन मिलाया लेकिन वह लगातार स्विच ऑफ बताता रहा। पुलिस घटना की जांच पड़ताल करने साथ लापता नानी की तलाश कर रही है।

नाबालिग को अगवा कर किया दुष्कर्म, चचेरे भाई गिरफ्तार

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार देर रात शौच के लिए घर के बाहर निकली किशोरी को पड़ोस में रहने वाले आरोपी चचेरे भाइयों ने अगवा कर लिया। अपने घर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। भोर पहर किसी तरह छूट कर घर पहुंची किशोरी ने परिजनों को जानकारी दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की।

एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 13 वर्षीय बेटी कक्षा 7 की छात्रा है। सोमवार देर रात वह शौच के लिए घर के बाहर गई थी। देर तक वापस न आने पर उन्होंने घर वालों को जानकारी दी। तो सभी लोग किशोरी की तलाश में जुट गए, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। भोर पहर लगभग तीन बजे बदहवास हालत में घर पहुंची किशोरी ने आपबीती सुनाई। आरोप है कि शौच के लिए निकली उनकी बेटी को पड़ोस में रहने वाले फैसल पुत्र फिरोज खान व आहद पुत्र छोटे खान (आपस में चचेरे भाई) दोनों ने बेटी को दबोच लिया और उसका मुंह बंद कर अपने घर घसीटकर ले गए। वहां दो मंजिल पर बने कमरे में बारी-बारी से दोनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। सुबह किसी तरह छूटकर रोते हुए घर पहुंची बेटी ने उन्हें घटना की जानकारी दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और दोनों आरोपितों को पकड़कर कोतवाली ले गई। पुलिस ने मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू की

> 13 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का मामला जानकारी में आया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से मुकदमा पंजीकृत कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। दोनों अभियुक्त आपस में चचेरे भाई है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।
>
> -एमएस काशिम अबीदी (डीसीपी पश्चिम)

माता फूलमती देवी मंदिर में हुआ भंडारा

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के पतारा के बारा दौलतपुर गांव स्थित माता फूलमती देवी मंदिर में हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। हवन में हजारों श्रद्धालुओं ने आहुतियां डालीं वहीं हवन के बाद हुए भंडारे में भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम आयोजक अजय सचान ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी माता फूलमती मैया के दरबार में हवन पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह सारा आयोजन भक्तजनों के सहयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया है। इस मौके पर महावीर सिंह, लालू सैनी, सोनू सिंह, गोविंद सचान, नितिन सचान, गोविंद सचान, नितिन सचान मनोज सिंह सुनील आदि रहे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जा रहा कि मेरे पुत्र शुभम कुमार पुत्रवधू शालू सुमित कुमार व पुत्रवधू मुस्कान का चालचलन खराब हो गया है। वह अपने ससुरलीजनो के बहकावे में आकर उसके व उसके पति के साथ मारपीट करते हैं। हमने उनसे संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई उनसे लेनदेन व कानूनी कार्रवाई करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगें। मेरा कोई लेना देना नहीं होगा। **सुनीता देवी पत्नी सुघर सिंह निवासी रेल मंडी कचौरा रोड जसवंत नगर इटावा**

सूचना

सूचित किया जाता है की मकी मैं ABDUL HAMEED JHABBOO से नाम बदल कर ABDUL HAMEED रख लिया है अब भविष्य में मैं अपने बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाऊं निवासी H NO 185 ग्राम व पोस्ट चिरा रुदौली बाराबंकी का रहने वाला हूं।

सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2011 अनुक्रमांक 2232519 तथा इंटरमीडिएट वर्ष 2013 अनुक्रमांक 2227676 का प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है। **अभिषेक सिंह पुत्र भीम सिंह, ग्राम – यहिया कमालपुर पोस्ट– करतोरा अकबरपुर अम्बेडकरनगर**

सूचना

मेरे सर्विस नं0 15423110X BADGUJAR LAXMAN'R RANK HAV- कमाण्ड अस्पताल सी0सी0 लखनऊ में कार्यरत हूँ। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम त्रुटिवश NAITIK (नैतिक) अंकित हो गया है। जबकि सही व वास्तविक नाम NAITIK LAXMAN BADGUJAR है।

सूचना

मैने अपना नाम AARNA से बदलकर AARNA SINGH KARKI रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। D/O ATUL SINGH KARKI 239 SAINIK NAGAR R A I B A R E L I R O A D LUCKNOW-226025 (U.P.)

सूचना

सूचित करना है कि मेरा नाम केदार नाथ उर्फ गप्पू है मेरी एलआईसी शाखा गोण्डा मे पालिसी संख्या–215327989 में मुझे केदार नाथ उर्फ गप्पू के नाम से जाना व माना जाये, दोनो नाम मेरे ही हैं। **केदारनाथ उर्फ गप्पू, पुत्र स्व0 राम प्रसाद मो0 -मेवातियान पो0 सिटी. नगर कोतवाली गोण्डा (उ0प्र0)**

तालाब के पास से अतिक्रमण हटाती जेसीबी। अमृत विचार

प्रशासन ने तालाब से हटाया अतिक्रमण

बाचीपुर गांव का मामला

संवाददाता, शिवराजपुर

- सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं : एसडीएम

अमृत विचार। क्षेत्र के बाचीपुर गांव में मंगलवार को तालाब की जमीन पर अवैध तरीके से अस्थायी कब्जों को प्रधान की शिकायत पर हटाया गया। तालाब में बने सभी अस्थाई कब्जे ध्वस्त करा दिए गये।

ग्राम प्रधान विवेक कटियार की शिकायत के बाद प्रशासन ने तालाब की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। पूर्व में ही तहसील प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया था, लेकिन उन्होंने जमीन खाली नहीं की थी। प्रशासन ने गांव पहुंच कर तालाब से अतिक्रमण हटवा दिया। वहीं एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने कहा कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

करंट की चपेट में आने से मजदूर की गई जान

चौबेपुर। क्षेत्र के दरियापुर बंगलन गांव में मंगलवार दोपहर एक फार्म हाउस में टीन शेड लगाने के दौरान लोहे के पाइप में करंट उतरने से मजदूर की मौत हो गई।

गूवा गार्डन, कल्यानपुर निवासी बउआ शर्मा (45) अविवाहित था और दारियापुर बंगलन गांव स्थित एक भट्ठे पर अपनी मां व भाइयों गोपाल व राजू के साथ रहकर मजदूरी करता था। इधर कुछ दिनों से वह यहां के पूर्व प्रधान राम बहादुर के निर्माणाधीन फार्म हाउस पर काम कर रहा था। मंगलवार दोपहर छत पर टीन शेड लगाने के दौरान वह पाइप उठाकर ले जा रहा था। तभी लगभग 20 फुट लंबा पाइप ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन से छू गया। करंट की चपेट में आए बउआ को साथी मजदूर हैलट अस्पताल लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों द्वारा मुआवजे की मांग किए जाने पर पूर्व प्रधान ने मजदूर परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत हुई है।

सपाइयों ने 2027 चुनाव के लिये कसी कमर

बिल्हौर। विधानसभा चुनाव या आगामी सांगठनिक मजबूती के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने बिल्हौर क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में बिल्हौर सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव और सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की।

बैठक के दौरान सपा विधानसभा अध्यक्ष विनय यादव और रचना सिंह गौतम ने संयुक्त रूप से जोनल अध्यक्षों और सेक्टर अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान सभी पदाधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्र की वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) सौंपी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी अब सीधे अपने निर्धारित बूथों पर जाकर काम शुरू करें और मतदाता सूची का गहनता से अवलोकन कर नए वोट बनवाने और विसंगतियों को दूर करने पर ध्यान दें। साथ ही पार्टी की नीतियों और विचारधारा को सीधे जन-जन तक पहुंचाएं। वहीं सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने कहा कि चुनाव की जीत का रास्ता बूथ से होकर गुजरता है। यदि हमारा सेक्टर और बूथ स्तर का कार्यकर्ता मजबूत है, तो हमारी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पूरी ताकत से क्षेत्र में जुटने का आह्वान किया।

मित्र के साथ कपट नहीं करना चाहिए : रामानंद त्रिपाठी

कानपुर देहात। मंगलपुर क्षेत्र के चंदकुरा स्थित श्री सिद्ध बाबा मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के आखिरी दिन आचार्य रामानंद त्रिपाठी ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाते हुए कहा कि बचपन में कृष्ण और सुदामा एक साथ पढ़ते थे। दोनों में गहरी मित्रता थी। एक बार गुरु माता ने दोनों को लकड़ी लाने के लिए जंगल भेजा। चलते समय गुरु माता ने सुदामा को चने दिये जिसे सुदामा ने उन चनों को अकेले खा लिया। सुदामा ने मित्र के साथ छल और कपट किया जिससे उन्हें निर्धन होना पड़ा। कृष्ण मथुरा के राजा बन गए। आचार्य ने कहा कि जो भगवान से मित्रता कर लेता है उसके जीवन में सब कष्ट दूर हो जाते हैं। इस मौके पर शशिकांत त्रिपाठी, राना सिंह, गुड्डू सिंह, शिव कुमार, आदित्य मिश्र, कृष्ण मुरारी, मान सिंह, राम कुमार आदि रहे।

कार्यालय नगर पंचायत कुरारा–हमीरपुर

पत्रांक:– 582/न0पं0कु0/ई–टेण्डर/2025–26 दिनांक – 20/01/2026

ई–निविदा सूचना

नगर पंचायत कुरारा जनपद हमीरपुर को वित्तीय वर्ष 2024–25 में पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना अनुदान सं0– 37 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजना के अन्तर्गत प्राप्त द्वितीय किश्त की धनराशि से कार्यालय आदेश पत्रांक सं0 552 दिनांक 07.01.2026 के तहत नगर में मार्ग प्रकाश व्यवस्था के अन्तर्गत अवशेष निम्नांकित कार्य कराये जाने हेतु http://etender.up.nic.in द्वारा निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। कार्यो की सम्पूर्ण जानकारी / शर्ते ई–प्रोक्योरमेण्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं व कार्यालय कार्य दिवसों में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

ऑनलाइन निविदा प्रपत्र जमा करने की प्रारम्भ तिथि एवं समय	27.01.2026 समय अपरान्ह 2:00 बजे से
ऑनलाइन निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	27.01.2026 समय सायं 5:00 बजे तक
तकनीकी निविदा प्रपत्र की हार्ड कॉपी जमा तिथि एवं समय	06.03.2026 समय अपरान्ह 1:00 बजे तक
ऑनलाइन तकनीकी (टेक्निकल) निविदा खोलने की तिथि एवं समय	07.03.2026 समय अपरान्ह 2:00 बजे
फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि एवं समय	तकनीकी निविदा खोलने के उपरान्त

Email- nagarpanchayatkurara53@gmail.com, Mobile No.- 9451035881

कार्य का विवरण

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	ऑगणन की धनराशि (लाखरू0 में)	जमानत 2 प्रति के अन्तर्गत	टेण्डर मूल्य जी0एस0टी0 व यू0पी0 इले0 को देय शुल्क सहित	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6
1	नगर पंचायत कुरारा में मार्ग प्रकाश व्यवस्था हेतु पोल सहित स्ट्रीट लाइट के अधिष्ठापन का कार्य।	59.95	119900.00	7100.00	02 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कुरारा
(हमीरपुर)

अध्यक्ष
नगर पंचायत कुरारा
(हमीरपुर)

चिकित्सा के क्षेत्र से | अनुसंधान में राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के लिए निदान और उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता

आईआईटी रुड़की ने अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने किफ़ायती स्वास्थ्य सेवा, महामारी की तैयारी और स्वदेशी जैवप्रौद्योगिकी नवाचार की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है जिसके अंतर्गत एक अगली पीढ़ी का एंटीबॉडी खोज मंच विकसित किया है, जहां राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व की बीमारियों के लिए निदान और उपचारों को रूपांतरित करने की क्षमता है।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किया गया यह महत्वपूर्ण अनुसंधान एक अति विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित है। यह मंच संक्रामक रोगों, कैंसर, स्वप्रतिरक्षी विकारों और उभरते रोगजनकों सहित व्यापक लक्ष्यों के विरुद्ध अत्यधिक स्थिर और उच्च आसक्ति एंटीबॉडी की तीव्र पहचान को सक्षम बनाता है। खोज समयसीमा को उल्लेखनीय रूप से कम करके यह नवाचार स्वास्थ्य प्रतिक्रिया में विशेष रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान एक महत्वपूर्ण अंतर को संबोधित करता है। आईआईटी रुड़की के जैवविज्ञान और जैवअभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार ने बताया कि, यह कार्य उस विज्ञान के प्रति आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो प्रत्यक्ष रूप से समाज की सेवा करता है। भारत के भीतर एक सार्वभौमिक, उच्च विविधता एंटीबॉडी खोज प्रणाली विकसित करके, हम तेज़ रोग प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय क्षमताओं को सुदृढ़ कर रहे हैं और उन जनसंख्याओं के लिए किफ़ायती निदान और उपचारों के विकास को गति दे रहे हैं जिन्हें इसकी अधिक आवश्यकता है।

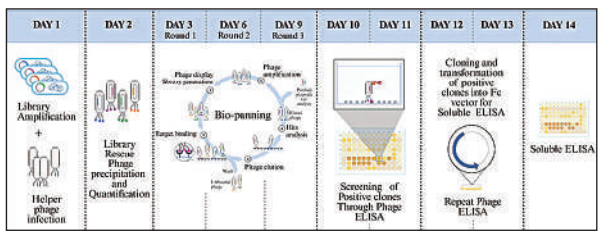

अनुसंधान की यह खास बात

- यह अनुसंधान संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ सुदृढ़ रूप से संरेखित है, विशेष रूप से एसडीजी 3 (अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और अवसंरचना) तथा एसडीजी 17 (लक्ष्यों के लिए साझेदारियां) के साथ। यह विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए प्रासंगिक है, जहां समय पर और लागत-प्रभावी स्वास्थ्य समाधानों तक पहुंच एक सतत चुनौती बनी हुई है।

- अति-विशाल, उच्च विविधता एकल डोमेन एंटीबॉडी (नैनोबॉडी) लाइब्रेरी के विकास से संबंधित यह अनुसंधान

> यह विकास दर्शाता है कि कैसे मौलिक अनुसंधान, अनुवादात्मक उद्देश्य और उद्योग सहयोग के साथ मिलकर तात्कालिक सामाजिक चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। आईआईटी रुड़की ज़िम्मेदार और प्रभावशाली स्वास्थ्य नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने वाले समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। -प्रो. के के पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की

सुविचार

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, बुधवार, 21 जनवरी 2026

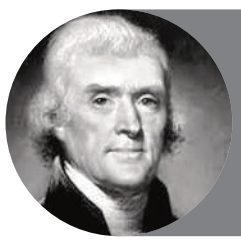

"मैं भाग्य में बहुत विश्वास करता हूं, और मैं पाता हूं कि जितनी मेहनत करता हूं, उतना ही भाग्य मिलता है।"

-थॉमस जेफरसन

कानपुर के प्रमुख समाचार

- छठवीं मंजिल से कूद पीएचडी छात्र ने दी जान-II
- ट्रेड वार की आशंका से बाजार में मचा हाहाकार -III
- मुंगेरीलाल के सपनों के समान टर्मिनल से उड़ान भर रहे विमान -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

कुशाग्र हत्याकांड: तीनों आरोपी दोषी करार, कल आएगा सजा पर फैसला

एडीजे कोर्ट में मौजूद कुशाग्र की मां फफककर रो पड़ीं, बोलीं- फांसी की सजा होने पर ही मिलेगा इंसाफ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। दसवीं के छात्र कुशाग्र कनोडिया का अपहरण और हत्या के मामले में मंगलवार को कोर्ट ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया है। एडीजे-11 सुभाष सिंह की अदालत ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और दोस्त आर्यन उर्फ शिवा को दोषी ठहराते हुए सजा पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट अब 22 जनवरी को सजा पर फैसला सुनाएगी। कोर्ट में मौजूद कुशाग्र की मां फफककर रो पड़ीं और बोलीं, हत्यारों को फांसी होने पर ही आत्मा को शांति मिलेगी।

शहर के इस बहुचर्चित अपहरण एवं हत्याकांड के मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए। 13 जनवरी को मामले की आखिरी सुनवाई हुई थी। घटनाक्रम के अनुसार 30 अक्टूबर 2023 को कोचिंग जाते समय 16 वर्षीय कुशाग्र कनोडिया की अपहरण के बाद हत्या की गई थी। हत्या में कुशाग्र की ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और प्रभात के दोस्त शिवा गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मंगलवार को कुशाग्र मां सोनिया, पिता मनीष, चाचा सुमित कनोडिया, मामा अभिषेक अग्रवाल, बाबा संजय कनोडिया कोर्ट पहुंचे, जहां आरोपियों को दोषी ठहराए जाने का आदेश सुनकर रोने लगे। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि 42 कागजात पेश हुए और 240 पेज की जिरह हुई। पुलिस ने विवेचना के दौरान साक्ष्य के तौर पर 112 चीजें जुटाईं।

अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान सीसीटीवी कैमरे के फुटेज दिखाए गए, जिसमें तीनों आरोपी कुशाग्र का अपहरण कर ले जाते दिखे। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर तीनों को अपहरण व हत्या में दोषी ठहराया गया। एडीजीसी भास्कर मिश्र और अधिवक्ता देवेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इस फैसले पर कोई अफसोस नहीं है। यह निर्णय नजीर बनेगा। कोर्ट में मौजूद युवा अधिवक्ता इसके आदेश की कॉपी जरूर पढ़ें। इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

अपहरण से पहले बुक की थी नई कार : कुशाग्र के जन्मदिन 13 अक्टूबर 2021 से उसके अपहरण व हत्याकांड की प्लानिंग हुई। जन्मदिन में रचिता अपने प्रेमी प्रभात को लेकर आई थी। कुशाग्र की मां के अनुसा प्रभात पहली बार घर आया था। इसके बाद प्रभात ने देखा कि बेटा कब कोचिंग व स्कूल जाता था। सारी जानकारियां लीं। फिरौती वसूलकर प्रभात व रचिता हिमाचल प्रदेश में बस जाना चाहते थे। अपहरण से पहले दोनों ने जरीब चौकी स्थित शोरूम में नई कार बुक की थी। फिरौती की रकम मिलते ही कार उठानी थी। दस्तावेज शोरूम में जमा करा दिए थे।

दोषी करार दिए जाने के बाद कोर्ट से जेल जाती ट्यूशन टीचर। अमृत विचार

ट्यूशन टीचर का प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसका साथी शिवा गुप्ता। अमृत विचार

30 अक्टूबर 2023 को कोचिंग जाते समय अपहरण करने के बाद की गई थी हत्या

26 महीने बाद अदालत में ट्यूशन टीचर, उसका प्रेमी और दोस्त दोषी करार दिए गए

14 गवाह अभियोजन पक्ष की ओर से मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश हुए

कुशाग्र कनोडिया। फाइल फोटो

स्कूटी से कोचिंग के लिए निकला था कुशाग्र

- आचार्यनगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का बेटा कुशाग्र जयपुरिया स्कूल में हाईस्कूल का छात्र था। 30 अक्टूबर की शाम करीब चार बजे वह स्कूटी से कोचिंग के लिए निकला था। रास्ते में उसे ट्यूशन टीचर रचिता का प्रेमी प्रभात मिला। उसे बहलाकर साथ ले गया। वहां से निकलने के बाद दोनों ओमनगर इंद्रकुटी हाता स्थित प्रभात के घर पहुंचे। प्रभात के पीछे हेलमेट पहने कुशाग्र चल रहा था। वहीं सटे हुए कमरे में रचिता थी। घर पहुंचते ही रचिता भी आई। प्रभात उसे लेकर एक कमरे में गया, जहां उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी।

हत्यारों को दोषी करार दिए जाने पर बिलख पड़ी कुशाग्रा की मां। अमृत विचार

30 लाख रुपये मांगी थी फिरौती

पहले पेज में लिखा कि मैं नहीं चाहता आपका त्योहार बर्बाद हो। मेरे हाथ में पैसे रखो और लड़का एक घंटे बाद आपके पास होगा। इसके बाद गुमराह करने के लिए आखिर में लिखा अल्लाह हू अकबर। पत्र में लिखा था कि लड़के की स्कूटी और मोबाइल दोनों आपके घर के समीप होटल सिटी क्लब के सामने है। आपसे बोल रहा हूं कि घबराओ नहीं, अल्लाह पर भरोसा रखो। दूसरे पेज पर लिखा आपसे निवेदन है कि आप यह बात पुलिस, न अपनी फैमिली, न ही अपने अगल-बगल में बताएं, कि हमने कुशाग्र को किडनैप किया है। आपके पास दो या तीन दिन का समय है। जल्दी से 30 लाख का इंतजाम कर लो। अगर बात फैली तो जिम्मेदार आप होंगे। पैसे लेकर रात दो बजे कोकाकोला चौराहा पर मिलो। मैं पैसे लेने आऊंगा, जैसे ही पैसे मेरे पास आएंगे, ठीक एक घंटे बाद लड़का आपके पास होगा। पैसे का इंतजाम हो जाए तो घर पर चारों तरफ पूजन वाले झंडे लगा देना। मैं देख लूंगा इसके बाद आपको फोन करूंगा। इसके साथ होशियारी न करने के लिए आगाह किया। लिखा मेरी नजर आपके घर पर ही होगी। बिल्कुल भी घबराओ नहीं, आपका लड़का बिल्कुल सही सलामत घर पहुंच जाएगा। इसकी जिम्मेदारी आपके ऊपर है।

तीनों पर हुई थी गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई

- तीनों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने प्रभात की निशानदेही पर कुशाग्र का शव प्रभात के घर के बाहर कमरे से बरामद किया था। मार्च 2024 को तीनों पर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की। गैंग लीडर प्रभात शुक्ला को बनाया गया। मुकदमा एडीजे-11 की कोर्ट में ट्रायल पर था। मामले में 14 गवाह पेश किए गए। सीसीटीवी फुटेज, सबूत, कुशाग्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, पंचायतनामा और अन्य दस्तावेज कोर्ट के सामने आए।

एक घंटे में प्रभात को आठ बार किया फोन

- अदालत में तीनों आरोपियों को दोषी करार दिए जाने के बाद एडीजीसी भास्कर मिश्र ने बताया कि हत्या करने के बाद कुशाग्र का मोबाइल फोन लेकर प्रभात शुक्ला जरीब चौकी गया था, जिसे पुलिस ने तेजाब मिल कैंपस से बरामद किया था। अपहरण और हत्या करने के बाद जब शिवा गुप्ता फिरौती का लेटर कुशाग्र के घर में डालने गया था, तब ट्यूशन टीचर रचिता ने एक घंटे में प्रेमी प्रभात शुक्ला को आठ बार फोन कॉल किया था।

शहर में आज

- **दिवस :** सिंधु इंटरनेशनल स्कूल बर्रा-2 में वीर हेमू कालानी का बलिदान दिवस पर कार्यक्रम सुबह 11 बजे।
- **पुण्यतिथि :** शास्त्री नगर हेमू कालानी पार्क में हेमू कॉलानी की पुण्यतिथि सुबह 11 बजे।
- **दिवस :** विकास भवन सभागार में जनपद स्तरीय किसान दिवस का आयोजन सुबह 11 बजे।
- **समारोह :** वीएसएसडी कॉलेज में संस्थापक दिवस पर समारोह का आयोजन 12 बजे।
- **कथा :** पंचवटी विनायकपुर अमित फार्मेसी के पास श्रीमद् भागवत कथा सुबह साढ़े चार बजे से साढ़े नौ बजे तक।
- **कार्यक्रम :** होटल प्रिंसटीन जीटी रोड में आदित्य बिरला ग्रुप द्वारा एक विशेष कार्यक्रम शाम सात बजे।

सिटी ब्रीफ

विकास भवन में आज किसान दिवस मनेगा

कानपुर। उप कृषि निदेशक डॉ. आरएस वर्मा ने बताया कि इस माह के तीसरे बुधवार को आयोजित होने वाला जनपद स्तरीय किसान दिवस दिनांक 21 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे से विकास भवन सभागार में आयोजित किया जाएगा।

सेंट्रल स्टेशन पर स्नेचर गिरफ्तार

कानपुर। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि दोपहर 1.25 बजे मुरे कंपनी पुल के आगे शातिर अभियुक्त राकेश कुशवाहा निवासी ललितपुर को चोरी के मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। मोबाइल की कीमत 1,10,000 रुपये आंकी गई है।

कपली गांव में अवैध प्लाटिंग की ध्वस्त

कानपुर। केडीए के प्रवर्तन जोन-2ए के अंतर्गत जोनल प्रभारी संदीप मोदनवाल की अगुवाई में मंगलवार को कपली गांव में दो बीघा क्षेत्रफल में राज कुमार व अन्य द्वारा किए गए अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण अभियान में प्रभारी अधिकारी, अवर अभियंता अनीश यादव व प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। जोनल प्रभारी के मुताबिक अवैध प्लाटिंग को चिन्हित किया जा रहा है, ताकि नियामानुसार कार्यवाही करते हुए ध्वस्तीकरण कराया जा सके।

चेकिंग में 264 बेटिकट यात्री मिले, जुर्माना भरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के निर्देशन में भीमसेन समेत विभिन्न स्टेशनों पर बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम के लिए रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें 264 यात्रियों को बेटिकट पकड़ा गया।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि बिना टिकट, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले, धुम्रपान करने वाले, गंदगी फैलाने वाले यात्रियों की धरपकड़ के लिए जांच अभियान चलाया गया। दिन भर में 264 यात्रियों से 1 लाख 58 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। चेकिंग के दौरान ट्रेन में अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्री इधर उधर छिपते नजर आए। स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल रहा। जांच के दौरान विशेष तौर पर गाड़ियों में महिला कोच, दिव्यांग कोच की जांच करते हुए अनाधिकृत यात्रियों को शिफ्ट भी किया गया I इस अभियान का नेतृत्व सहायक वाणिज्य प्रबंधक आरके वर्मा एवं मुख्य वाणिज्य निरीक्षक रामकेश द्वारा किया गया। चेकिंग स्टाफ में साजिद अनवर, सय्यद ताज अब्बास, अजेन्द्र कुमार, रूपेंद्र, श्री मुकेश कुशवाहा, विकास श्रीवास्तव शामिल रहे।

यात्रियों की चेकिंग करता दस्ता।

भ्रष्टाचार उजागर

गरीब बेटियों के हाथ पीले करने में खेल, फर्म ब्लैकलिस्टेड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 11 दिसंबर 2025 को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सामने आई अव्यवस्था पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जांच के बाद आयोजन कराने वाली फर्म नेशनल फेडरेशन ऑफ फार्मर्स प्रोक्योरमेंट, प्रोसेसिंग एंड रिटेलिंग कोऑपरेटिव्स ऑफ इंडिया लिमिटेड को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और उस पर आगामी पांच वर्षों तक किसी भी सरकारी विभाग में काम करने पर रोक लगा दी गई है।

मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने बताया कि कार्यक्रम के दिन अव्यवस्थाएं सामने आने पर अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय संयुक्त जांच समिति का गठन किया गया था। जांच समिति की रिपोर्ट में आयोजन से जुड़ी कई गंभीर कमियां सामने आईं, जिनके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। फर्म की सिक्योरिटी मनी भी जब्त कर ली गयी है।

सामूहिक विवाह के सभी बिलों का भुगतान रोक दिया गया है, कटौती करने के बाद ही फर्म को भुगतान किया जाएगा। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के अनुमोदन के बाद आयोजनकर्ता फर्म को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं में लापरवाही और गड़बड़ी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- आयोजक फर्म को पांच साल के लिए काली सूची में डाला गया
- जिला समाज कल्याण अधिकारी पर पहले ही हो चुकी कार्रवाई
- आयोजनकर्ता फर्म का भुगतान रोका, लाखों रुपये वसूली होगी

पुराना ई-टेंडर निरस्त

- संयुक्त जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि फर्म द्वारा की गई व्यवस्थाएं कुल आवश्यकता की तुलना में केवल लगभग 45 प्रतिशत ही थी। इसी लापरवाही के कारण सामूहिक विवाह कार्यक्रम वैवाहिक जोड़ों तथा उनके परिजनों को बैठने, भोजन और जलपान के लिए भटकना पड़ा और अव्यवस्था हुई। फर्म द्वारा बिल प्रस्तुत करने पर कमियों के सापेक्ष कटौती करने के बाद ही भुगतान किया जाएगा। शेष 398 सामूहिक विवाहों के लिए पुराना ई-टेंडर निरस्त कर दिया गया है।

दीवार घड़ी में खेल, 1.40 लाख की कटौती

- जांच में उपहार सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए हैं। एम/एस नेशनल को-ऑपरेटिव कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई दीवार घड़ियां निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। दीवाल घड़ी वितरण में 1 लाख 40 हजार रुपये की गड़बड़ी सामने आने पर रकम संबंधित फर्म के भुगतान से सीधे काटी जाएगी।

सामूहिक विवाह में इस तरह किया गया खेल

- 635 जोड़ों के लिए जारी कार्यादेश के बावजूद व्यवस्थाएं नाकाफी थीं।
- 12,342 के सापेक्ष 2100 से 2300 लोगों के लिए ही भोजन की व्यवस्था की।
- सामूहिक विवाह समारोह में खाने की व्यवस्था तय मेनू के अनुसार नहीं था।
- समारोह में बैठने, जलपान को लेकर परिजनों को परेशानी उठानी पड़ी।
- पूजन सामग्री और आयोजन प्रबंधों में भी भारी कमी सामने आई।
- तय संख्या के मुकाबले वेदियां और फोटोग्राफर की संख्या कम रही।
- जयमालाओं, लड्डू और ड्राई फ्रूट्स में भी कमियां मिलीं।
- पंडाल छोटा रहा और कुर्सियों की संख्या जरूरत से काफी कम थी।
- एलईडी स्क्रीन, सजावट, बैनर और स्टैंडी जैसी व्यवस्थाएं अधूरी रहीं।

नई पहल

चटक धूप ने सर्दी से दिलाई राहत, दिन में 25 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा

धूप संग खुला आसमान, बढ़ गया तापमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बीते दो दिनों से निकल रही चटक धूप ने सुबह के कोहरे के साथ दिन में ठंड कम कर दी है। इसके चलते अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री ज्यादा है। हालांकि न्यूनतम तापमान अभी एक अंक में ही 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। यह भी सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है।

इसके चलते वातावरण में गलन का अहसास कम हो गया है, वर्ना पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाओं ने आमजन का बुरा हाल कर रखा था। शहर में मंगलवार की सुबह से मौसम साफ रहा। कोहरा भी नहीं पड़ा। हवा की रफ्तार भी करीब दो किलोमीटर प्रतिघंटा ही रही। आसमान पर छिटपुट बादल नजर आए। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले 48 घंटों में नमी के कारण सुबह और रात के समय हल्की धुंध या कोहरे का सामना करना पड़ सकता है।

दिन में बादल छाने से तापमान घट सकता है और सर्दी महसूस हो सकती है, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के कारण गलन पैदा करने वाली हवाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। अभी बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन दो दिन बाद कहीं-कहीं बूंदाबांदी होने के आसार हैं। मौसम के करवट लेने के बावजूद चिकित्सकों ने दिल, बीपी और श्वांस के मरीजों को सावधानी बरतने की सलाह दी है।

चिड़ियाघर के बाड़े में मस्ती करता शेर। अमृत विचार

प्राणि उद्यान में वन्य जीवों ने की मस्ती बाड़े में लगाई दौड़

- प्राणि उद्यान में मंगलवार को खुशनुमा मौसम की झलक देखने को मिली। पशु अगर बाड़े से बाहर आकर चहलकदमी करते दिखे तो पक्षियों का कलरव भी चारों तरफ मनमोहक छटा बिखेरता नजर आया। हालांकि छुट्टी का दिन नहीं होने के कारण लोगों की भीड़ ज्यादा नहीं रही, फिर भी बड़ी संख्या में लोग छोटे बच्चों को लेकर पहुंचे, इनमें कुछ स्कूलों के समूह भी शामिल रहे। शेर और बाघ अपने बाड़े से बाहर आकर गुनगुनी धूप में आराम फरमाते रहे। हिरन इधर से उधर कुलांचे भरते दिखे। जिराफ धूप में खड़े रहे, तो हाथी दर्शकों को देखकर बार-बार सूंड़ ऊपर उठाकर अभिवादन करते नजर आए। हिप्पो बच्चों के आवाज लगाने पर पानी से बाहर आने की कोशिश करता रहा।

हाईवे की निगरानी करेंगे एआई कैमरे

कानपुर। अपने महानगर से चार हाईवे गुजरते हैं, इन हाईवे पर तमाम ऐसे वाहन चालक हैं जो सड़क किनारे वाहन खड़ा कर देते हैं और कोहरे में ऐसे वाहन दिखाई नहीं देते और बड़ा हादसा हो जाता, लेकिन अब ऐसे वाहनों पर नजर रखने के लिए एआई का सहारा लिया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी के मुताबिक रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मिनिस्ट्री पायलट प्रोजेक्ट के तहत सेंसर वाले एआई कैमरे लगाने की शुरुआत शहर के तीन नेशनल हाईवे से की जाएगी। इसको लेकर मंत्रालय की ओर से दिशा निर्देश जारी हो चुका है। 2026 में देश भर के एक्सप्रेसवे पर सफर को सुरक्षित बनाने के लिए एआई आधारित घटना प्रबंधन प्रणाली (एआईएमएस) लागू की गई है। इन कैमरों की मदद से ओवरस्पीडिंग और रांग साइड चलने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की जा सकेगी। एआरटीओ प्रवर्तन मानवेंद्र सिंह का कहना है कि हादसों पर अंकुश लगाने के लिए उपाय हो रहे हैं।

अरौल और मकनपुर में रुकेंगीं ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वसंत पंचमी मेले के अवसर पर 21 जनवरी से 3 फरवरी तक अरौल मकनपुर स्टेशन पर कई ट्रेनों को ठहराव देने की घोषणा की गई है। गाड़ी संख्या 15037 (कासगंज-कानपुर अनवरगंज) दोपहर 12.50 बजे आएगी 12.52 बजे जाएगी।

गाड़ी संख्या 15038 (कानपुर अनवरगंज-कासगंज) सायं 4.36 बजे आएगी, 4-38 बजे जाएगी। गाड़ी संख्या 15083 (छपरा-फर्रुखाबाद) प्रातः 10.52 बजे आएगी और 10.54 बजे जाएगी। गाड़ी संख्या 15084 (फरुखाबाद-छपरा) दोपहर 3.56 बजे आएगी, 3.58 बजे जाएगी। गाड़ी संख्या 14117 (प्रयागराज-भिवानी) सायं 7.44 बजे आएगी, 7.46 बजे जाएगी। गाड़ी संख्या 14118 (भिवानी-प्रयागराज) प्रातः 7.46 बजे आएगी, 7.48 बजे जाएगी।

कामाख्या-रोहतक ट्रेन प्रतिदिन चलेगी: अमृत भारत एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15671/15672 कामाख्या-रोहतक-कामाख्या (साप्ताहिक) गाड़ी गोविंदपुरी होते हुए प्रतिदिन संचालित होगी। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 15671 कामाख्या से 30 जनवरी एवं गाड़ी संख्या 15672 रोहतक से 1 फरवरी से रोज संचालित होगी। इस ट्रेन में स्लीपर 7, सामान्य 10, रसोईयान 1 डिब्बा होगा। गाड़ी संख्या 15671 कामाख्या से रात 10 बजे चलेगी। किशनगंज प्रातः 6.25 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) दूसरे दिन प्रातः 4.05 बजे, दिल्ली दोपहर 1 बजे, रोहतक दोपहर 2.45 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 15672 रोहतक से रात 10.10 बजे रवाना होगी। दिल्ली रात 11.55 बजे, गोविंदपुरी प्रातः 6.25 बजे, न्यू कूच बिहार दूसरे दिन प्रातः 6.05 बजे, कामाख्या दोपहर 12.35 बजे पहुंचेगी।

जोधपुर से गुवाहाटी के लिए कल विशेष ट्रेन चलेगी

कानपुर। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 22 जनवरी को विशेष ट्रेन संचालित करने की घोषणा की है। इस गाड़ी में स्लीपर 8, जनरल 4, पार्सल यान 2 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 04835 जोधपुर से रात 3.30 बजे, मकराना प्रातः 6 बजे, जयपुर प्रातः 9 बजे, भरतपुर 11.50 बजे, ईदगाह जंक्शन दोपहर 12.55 बजे, टूंडला दोपहर 2.30 बजे, गोविंदपुरी सायं 7.10 बजे, प्रयागराज रात 9.50 बजे, दीन दयालय उपाध्याय रात 3.05 बजे, पटना प्रातः 6.10 बजे, न्यू बरौनी 9.15 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी 5.20 बजे, रंगिया रात 3 बजे, गुवाहाटी प्रातः 6.30 बजे पहुंचेगी।

सिटी ब्रीफ

पनकी में गेट फांदकर फैक्ट्री गोदाम से चोरी

कल्याणपुर। पनकी स्थित गोदाम का मेनगेट फांद कर घुसे चोर करीब साढ़े तीन लाख का माल पार कर ले गए। गोदाम के सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हुई। एक सप्ताह बाद पनकी ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। काकादेव के सर्वोदय नगर निवासी एसके जैन का पनकी इंडस्ट्रियल एरिया में थर्मो डायनामाइक सर्विस के नाम से गोदाम है। गोदाम मैनेजर दीपक दास ने बताया की बीते 12 जनवरी कि देर रात मेनगेट फांद कर गोदाम के अंदर दाखिल हुई चोर कॉपर वायर बंडल, स्टैंकेर मशीन चार्जर, इनवर्टर सेट, पीतल व ताम्बे के स्पयेर पाट्र्स समेत लगभग साढ़े तीन लाख रूपये का माल पार कर ले गए। इस दौरान एक युवक मेनगेट के बाहर गाड़ी लेकर खड़ा रहा। जो साथियों के बाहर आते ही गाड़ी में माल रखकर साथियों समेत वहां से फरार हो गया। यह पूरी घटना गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि गोदाम के मैनेजर दीपक दास की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

लाखों की सरिया चोरी करने में तीन गिरफ्तार

कल्याणपुर। सरिया कारोबारी की दुकान में चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को जेल भेजा है। मामले में पांच आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। स्वरूप नगर निवासी सरिया कारोबारी मनोज कुमार जैन की कल्याणपुर में दुकान है। गत दस जनवरी की रात चोरों ने दुकान के बाहर रखी कई कुंतल सरिया पार कर दी थी। इस दौरान चोरों ने शटर का भी ताला तोड़ दुकान के अंदर रखा माल भी पार कर ले गए थे। पीड़ित कारोबारी की तहरीर पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की थी। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने रनिया से चोरी की 30 कुंतल सरिया बरामद कर, मौके से विसायकपुर रनिया निवासी अखिलेश कुमार गुप्ता, रवि गुप्ता व पनकी रोड कल्याणपुर निवासी आयुष शुक्ला को धर दबोचा। डीसीपी वेस्ट एस. एम. कासिम आबिदी ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल बरामद कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश भी की जा रही है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

छठवीं मंजिल से कूद पीएचडी छात्र ने दी जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी में मंगलवार को विज्ञान के एक शोध (पीएचडी) छात्र ने छठी मंजिल से कूदकर जान दे दी। 29 दिसंबर को बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र जय सिंह मीणा ने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली थी। मूलरूप से राजस्थान के रहने वाला शोष छात्र पत्नी के साथ परिसर में ही रहता था। पत्नी के अनुसार वह एंजाइटी से पीड़ित थे।

राजस्थान के चुरू विद्यासर गिरिवरसर निवासी रामप्रताप ईश्वराम का 25 वर्षीय बेटा स्वरूप ईश्वराम आईआईटी से विज्ञान में पीएचडी कर रहा था। काफी समय से एंजाइटी से पीड़ित होने के कारण वह पत्नी मंजू और दो साल की बेटी के साथ आईआईटी कैंपस के न्यू एसबीआरए बिल्डिंग के कमरा नंबर एए 21 में रहते थे। कल्याणपुर पुलिस के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे स्वरूप ईश्वराम ने छठवीं मंजिल से छलांग लगा दी। पता चलने पर हड़कंप मच गया। उसे आईआईटी की एंबुलेंस से पास के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां शाम को इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी मंजू के अनुसार बीमारी के कारण तनाव में रहते थे। परिजनों को घटना की जानकारी देने के साथ पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि छात्र अवसाद में था। उसका इलाज चल रहा था। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पत्नी के साथ शोध छात्र स्वरूप ईश्वराम। अमृत विचार

- न्यू एसबीआरए बिल्डिंग के कमरा नंबर एए 21 में पत्नी व बच्ची के साथ रहता था
- पत्नी बोलीं, एंजाइटी से पीड़ित होने के कारण काफी समय से चल रहा था इलाज

आईआईटी में आत्महत्या करने वाले छात्र

- 19 दिसंबर 2023-शोध सहायक स्टाफ डॉ. पल्लवी चिल्का
- 10 जनवरी 2024-एमटेक छात्र विकास मीणा
- 18 जनवरी 2024-पीएचडी छात्रा प्रियंका जायसवाल
- 10 अक्टूबर 2024-पीएचडी छात्रा प्रगति
- 10 फरवरी 2025-पीएचडी रिसर्च स्कालर अंकित यादव
- 25 अगस्त 2025-साफ्टवेयर डेवलपर दीपक चौधरी
- 01 अक्टूबर 2025-बीटेक अंतिम वर्ष का छात्र धीरज सैनी
- 29 दिसंबर 2025-बीटेक अंतिम वर्ष छात्र जयसिंह मीणा

22 दिन पहले जयसिंह ने दी थी जान

- बीते माह में 29 दिसंबर को बीटेक फाइनल ईयर के छात्र जयसिंह मीणा ने आत्महत्या की थी। चार साल का बीटेक बैक लगने के कारण पूरा नहीं हो सका था। छात्र के परिजनों ने आरोप लगाया था कि उनका बेटा हार नहीं मान सकता था। एक दिन पहले ही उसने बातचीत की थी और बहुत खुश था। आईआईटी प्रशासन पर परिजनों ने सवाल उठाए भी उठाए थे।

ऑनलाइन निवेश पर 15.81 लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही में शेयर मार्केट में निवेश व मुनाफे के लालच में आकर कारोबारी ने 15.81 लाख रुपये गवां दिए। फेसबुक पर ऑनलाइन निवेश का विज्ञापन देखकर कारोबारी साइबर शातिरों के झांसे में आए व निवेश करना शुरू कर दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने ऑनलाइन निवेश कंपनी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

आनंदपुरी निवासी कारोबारी आकाश ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले उन्होंने फेसबुक पर ऑनलाइन प्लेटफार्म सेठचेन डाट काम का एक विज्ञापन देखा था। जिसमें टैग किया गया था कि शेयर मार्केट में निवेश पर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने विज्ञापन खोलकर उसकी पूरी प्रक्रिया समझी और अगस्त 2024 से निवेश करना शुरू कर दिया। शुरुआत में उन्होंने छोटी रकम निवेश की। इस पर उन्हें ठीक मुनाफा भी मिला।

भरोसा बढ़ने पर उन्होंने अपना और पिता रमेश चंद्र तिवारी का 15.81 लाख रुपये निवेश कर दिया। मुनाफा होने पर उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की, लेकिन रकम नहीं निकली। ऑनलाइन आरोपियों से संपर्क किया तो उन्होंने और रकम निवेश करने को कहा। इस पर अपनी निवेश की रकम मांगी तो आरोपियों ने उन्हें ब्लाक कर दिया। जूही थानाप्रभारी केके पटेल ने बताया कि साइबर ठगी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

- फेसबुक पर विज्ञापन देख झांसे में आए कारोबारी ने शेयर मार्केट में किया निवेश
- ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने निवेश कंपनी के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

आतंकवाद-मनी लांड्रिंग में फंसाने की धमकी देकर आठ लाख ठगे

- **कानपुर।** साइबर ठगों ने सेवानिवृत्त एयरफोर्स कर्मी को व्हाट्सएप कॉल कर आतंकवाद व मनी लांड्रिंग में फंसाने की धमकी और आठ लाख रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर व चकेरी थाने में शिकायत की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। सनिगवां के विश्वकर्मानगर निवासी रमाशांकर शर्मा एयरफोर्स से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने बताया कि बीती 27 नवंबर को उनके पास एक व्हाट्सएस कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को लखनऊ पुलिस विभाग का बताकर कहा कि आतंकवादियों की मदद व मनी लांड्रिंग की है। उनपर कार्रवाई की जाएगी। यह सुनकर पीड़ित घबरा गए। फिर आरोपी ने कहा कि अगर जेल जाने से बचना है तो आठ लाख दे दो। उन्होंने आरटीजीएस के जरिए आरोपियों के बताए खाते में 8 लाख रुपये भेज दिए। रकम भेजने के बाद उन्हें किसी प्रकार का नोटिस नहीं आया। इस पर ठगी का अहसास हुआ। रमाशंकर ने बताया कि घबराने के कारण उनके दिमाग ने काम नहीं किया, जिससे झांसे में आ गए। इसके बाद उन्होंने साइबर क्राइम में शिकायत की। चकेरी थाना प्रभारी अजयप्रकाश मिश्र ने बताया कि साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

तीन थानों के बीच उलझी ट्रांसपोर्टर की मौत की जांच

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह साफ नहीं, बिसरा सुरक्षित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- काकादेव, कल्याणपुर और पनकी थाने की पुलिस झाड़ रही पल्लू
- एक-दूसरे के थाना क्षेत्र की घटना बताकर जांच से खींच रहे हाथ

अमृत विचार। काकादेव के सर्वोदयनगर स्थित रीजेंसी में ट्रांसपोर्टर की मौत की जांच में तीन थानाक्षेत्रों की पुलिस एक दूसरे पर पल्ला झाड़ रही है। काकादेव, कल्याणपुर और पनकी पुलिस सीमा में उलझी है। काकादेव पुलिस ने कहा कि ट्रांसपोर्टर को रीजेंसी में भर्ती कराया गया था। मामला कहीं और का है। कल्याणपुर पुलिस बोली ट्रांसपोर्टर की पनकी में महिला मित्र के घर पर तबियत बिगड़ी थी। वहीं पनकी पुलिस का कहना है कि अब तक उनके पास कोई नहीं आया है।

कानपुर देहात जनपद के रनियां थाना क्षेत्र के जैनपुर निवासी 40 वर्षीय मनीष यादव का इलाके में ही ट्रांसपोर्ट है। परिवार में पत्नी अनामिका, बेटी पायल और दो बेटे करन, अर्जुन हैं। बड़े भाई सुनील कुमार ने बताया कि रविवार शाम मनीष चित्रकूट जाने की बात कहकर कार से निकला था। सोमवार तड़के साढ़े तीन बजे उनके पास अंजान नंबर से एक युवती का फोन आया। उसने मनीष की हालत गंभीर बताई और कहा कि वह रीजेंसी में भर्ती हैं। फिर दूसरे नंबर से कॉल आई और जल्द पहुंचने के लिए कहा। परिजन रीजेंसी पहुंचे तो वहां एंबुलेंस में मनीष का शव मिला। हॉस्पिटल के बाहर ही मनीष की कार खड़ी थी। गार्ड से बातचीत में पता चला कि युवक और युवती उसे अस्पताल लाए थे, लेकिन बाद में दोनों चले गए। जानकारी पाकर काकादेव पुलसि पहुंची और सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें युवक-युवती दिखे।

सुनील के अनुसार कार में मनीष के दोनों मोबाइल स्विचऑफ मिले। उसके खाते से ट्रांजेक्शन भी हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से बिसरा सुरक्षित किया गया है। काकादेव थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि मामला कल्याणपुर का है, उनके पास कोई शिकायत नहीं आई है।

महिला मित्र का फोन लगातार स्विचऑफ

- कल्याणपुर थाना प्रभारी राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि जांच में सामने आया है कि ट्रांसपोर्टर पनकी निवासी महिला मित्र के घर जन्मदिन पार्टी में शामिल होने आया था, जहां उसकी तबियत बिगड़ गई। महिला मित्र उसे पनकी के अस्पताल ले गई, जहां भर्ती न होने पर रीजेंसी लाए और छोड़कर भाग निकली। ट्रांसपोर्टर की महिला मित्र का मोबाइल बंद है। घटना पनकी थाना क्षेत्र की है। वहीं पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि प्रकरण की जानकारी नहीं है, कोई तहरीर नहीं मिली है।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- हिस्ट्रीशीटर के साथी ने युवक को बंधक बना पीटने का वीडियो किया था वायरल
- एसटीएफ ने अर्रा स्थित गेस्ट हाउसा से दबोचकर इनामी को पुलिस के हवाले किया

अमृत विचार। बर्रा पुलिस को चकमा देकर भागा हिस्ट्रीशीटर एसटीएफ के हत्थे चढ़ गया। उस पर 50 हजार के इनामी था। एसटीएफ ने उसे अर्रा स्थित सिद्धी विनायक गेस्ट हाउस के पास से पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। थाने से भागने के 4 दिन बाद पुलिस पर फायरिंग मामले में भी वांछित था।

मूलरूप से कानपुर देहात के मंगलपुर बाघ निवासी हिस्ट्रीशीटर विपिन ठाकुर उर्फ विपिन टेढ़ी बर्रा आठ एफ-ब्लाक में रहता है। एसटीएफ ने मंगलवार उसे दबोचा। पुलिस के अनुसार आठ नवंबर को हिस्ट्रीशीटर के साथी को कमरे में बंधक बनाकर कपड़े उतरवाकर पीटने का वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें युवक के सीने पर पैर रखकर उसका गला दबाया जा रहा था। सभी आरोपी नशे में धुत थे और वीडियो खुद हिस्ट्रीशीटर ने बनवाया था। पीड़ित ने बाद में खुद एक वीडियो वायरल कर आपसी विवाद बताकर कार्रवाई से मना किया था। इसके बावजूद पुलिस ने संज्ञान लिया व आरोपी की तलाश शुरू की। 13 नंवबर को बर्रा पुलिस हिस्ट्रीशीटर के गुर्गे विपिन टेढ़ी को पूछताछ के लिए थाने लेकर आई थी, लेकिन वह रात में पुलिस को चकमा देकर थाने से फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। 17 नवंबर की शाम पुलिस को पता चला कि दामोदरनगर स्थित वरदान गैलेक्सी गेस्ट हाउस के पास अभिषेक कारतूस, अंशुल यादव, वैभव तिवारी, अंकित, अटल बाजपेई समेत करीब 20 युवक मारपीट की योजना बना रहे है। थाना प्रभारी रवींद्र कुमार श्रीवास्तव फोर्स के साथ पहुंचे तो आरोपियों ने पथराव व फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में तीन आरोपियों को दबोचा गया था, जबकि बाकी फरार होने में सफल हुए थे। फायरिंग में ही विपिन टेढ़ी वांछित था और 50 हजार का इनाम था। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी पर बर्रा व गोविंद नगर में गैंग्स्टर समेत 16 मुकदमे दर्ज हैं।

बिना ओटीपी, पासवर्ड के खाते से 5.73 लाख पार

- **कानपुर।** नवाबगंज में साइबर शातिर ने मोबाइल हैककर पीड़ित के खाते व क्रेडिट कार्ड से 5.73 लाख रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने बैंककर्मियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। आजादनगर निवासी नीरज दीक्षित के अनुसार उनका एचडीएफसी बैंक पनकी में बैंक खाता है। बीती 30 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर रुपये निकलने का मैसेज आया। जिस पर उन्होंने बैंक की शाखा में जाकर प्रबंधक से जानकारी ली। कहा यह कैसे हो सकता है। जब उन्होंने न किसी को पासवर्ड बताया और न ओटीपी साझा की थी। आरोप है कि उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट 50 हजार रुपये होने के बावजूद लिमिट बढ़ाई गई। उसके बाद उनकी अनुमति के बिना तीन लाख और 1.10 लाख रुपये के लोन कराकर निकाले गए। उनकी और बच्चों की एफडी तोड़कर रकम निकाली। उनके साथ 5.73 लाख ठगी हुई। इस में साइबर ठगों के साथ बैंक कर्मियों की मिलीभगत है। उन्होंने पुलिस और बैंक कर्मियों से शिकायत की। नवाबगंज थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

दरवाजों में कुंडी, दुकानदार के घर चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परिवार समेत साढ़ की बेटी के निकाह में शामिल होने उन्नाव गए थे परचून दुकानदार

अमृत विचार। जूही में शातिर चोरों ने परचून दुकानदार के बंद मकान को निशाना बनाया और नकदी-जेवर समेत पांच लाख का माल ले गए। चोरों ने योजना बनाकर चोरी की। आसपास के कई मकानों के गेट में बाहर से कुंडी लगा दी। इसके बाद इतमिनान से ताले तोड़े और चोरी की। चोरी का पता चलने पर पड़ोसी ने दुकानदार को सूचना दी। दुकानदार साढ़ की बेटी के निकाह में शामिल होने परिवार समेत उन्नाव गया था। मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच के बाद सीसीटीवी कैमरे खंगाले।

परमपुरवा निवासी मो. शोएब की मकान में ही परचून की दुकान हैं। परिवार में पत्नी शबा परवीन, बेटे मो. उमर, मो. जुबैर व बेटी जुमैरा हैं। शोएब के अनुसार 21 जनवरी को उनके साढ़ की बेटी का निकाह है, इसलिए परिवार समेत घर में ताला लगाकर सोमवार को उन्नाव के रहीमाबाद गए थे। मंगलवार सुबह घर के सामने रहने वाले नसीर ने अपना गेट खोलने का प्रयास किया तो बहार से बंद मिला।

इस पर उन्होंने रिश्तेदार की मदद से दरवाजा खुलवाया और बाहर निकले। तभी उन्होंने देखा कि उनके मकान का दरवाजा खुला है। सोचा आ गए होंगे, इसलिए आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। चोरी का शक होने पर उन्होंने पड़ोस में रहने वाले उनके बुआ के बेटे जीशान को सूचना दी। जीशान ने घर पहुंचकर देखा तो अंदर कमरों के भी दरवाजों के ताले टूटे मिले। कमरों में सामान बिखरा था।

इसके बाद नसीर ने उन्हें फोन कर चोरी की जानकारी दी। मौके पर पहुंचने पर अलमारियों के लॉकर टूटे मिले। उसमें रखे तीन तोला सोने के जेवर, दो जोड़ी चांदी की पायल और 60 हजार रुपये गायब थे। जूही थानाप्रभारी केके पटेल ने बताया कि चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश में टीमें लगी है।

अधिवक्ताओं से समर्थन मांगने पहुंचे पूर्व अपर महाधिवक्ता। अमृत विचार

पूर्व अपर महाधिवक्ता ने समर्थन में मांगे वोट

कानपुर। बार काउंसिल उप्र के चुनाव में सदस्य पद के उम्मीदवार एवं पूर्व अपर महाधिवक्ता इमरान उल्ला खान ने डीएवी लान में आयोजित कार्यक्रम में अधिवक्ताओं से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता हितों के लिए वे हमेशा संघर्ष करते हैं। समर्थन मिला और वे जीते तो निश्चित रूप से उनके हितों के लिए उन्हें मजबूती मिलेग। इस अवसर पर विधायक नसीम सोलंकी, विधायक मोहम्मद हसन रूमी, पूर्व विधायक हाजी इरफान सोलंकी, एडवोकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के ज्वाइंट सेक्रेट्री पं. आशू शर्मा, राजेश तिवारी, अमरेश गुप्ता, कुश वर्मा, डॉ. रिजवान अली, जमालुद्दीन जुनैदी आदि रहे।

रेलवे ट्रैक पर मिले शव की शिनाख्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

वृक्षराज।

- खाना खाकर टहलने निकला था, परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका

अमृत विचार। पनकी में इंडस्ट्रियल एरिया साइट-दो झांसी लाइन पर दालमिल कर्मी ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। रविवार परिजनों संग खाना खाने के बाद कुछ देर में लौटकर आने की बात कहकर निकला था। सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा, दूसरे दिन परिजनों ने शव की शिनाख्त की।

फतेहपुर के गाजीपुर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर निवासी रामनारायण का 21 वर्षीय बेटा वृक्षराज पनकी साइट-तीन स्थित दालमिल में नौकरी करता था। वह मिल कंपाउंड के क्वार्टर में बड़े भाई नीरज, भाभी जानकी के साथ रहता था। नीरज के अनुसार वह करीब 5-6 साल से दालमिल में नौकरी कर रहे हैं। रविवार दोपहर सभी ने साथ में खाना खाया था। वृक्षराज उनके दोनों बच्चों आशिया, आरोह को गोद में बैठकर खाना खिला रहा था, फिर खुद खाया। उनकी भाभी ने उससे कहा कि बच्चों को संभाल लो, तब तक वह काम निपटा लें।

इस पर वह बाहर चल गया, बोला 10 मिनट में आ रहे हैं। उसका मोबाइल चार्जिंग पर लगा था। कई घंटे बाद देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो तलाश शुरू की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। इस पर सोमवार सुबह वह पनकी चौकी गए और भाई के लापता होने की सूचना दी। हुलिया बताने पर पुलिस ने मोबाइल पर वृक्षराज की फोटो दिखाई तो परिजन पहचान गए। परिजनों के अनुसार उसे कोई परेशानी नहीं थी। कोई अनहोनी हुई है। पनकी थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि सोमवार दोपहर वह 2.22 बजे दालमिल गेट के सामने कैमरे में कैद हुआ। अन्य कैमरों में भी अकेला दिखा है।

जांच में सामने आई हकीकत | 593 वाहन चालकों की जांची गई सेहत और आंख, 463 बीमार मिले

कमजोर नजर वाले सड़क पर भर रहे रफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

आरटीओ आफिस में सोमवार को कैंप लगाकर की जांच की गई थी। अमृत विचार

75 चालकों की आंखें मिलीं कमजोर, फिर भी ड्राइविंग के लिए परफेक्ट

307 हाई ब्लडप्रेशर और 81 लोग डायबिटीज की बीमारी से ग्रस्त मिले

> जिन चालकों की आंखें कमजोर मिलीं, उनमें ज्यादातर चश्मा लगाने थे। किस चालक की रोशनी कितनी कमजोर मिली, यह तो स्वास्थ्य शिविर के डाक्टर ही बता पाएंगे।
> -राहुल श्रीवास्वत, आरटीओ प्रवर्तन

अमृत विचार। संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय कंपाउंड में सोमवार को लगे स्वास्थ्य शिविर में कुल 593 चालकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया, जिसमें 307 चालक उच्चरक्त चाप के शिकार मिले। 81 चालकों को शुगर थी, जबकि 75 चालक ऐसे मिले, जिनकी आंखों की रोशनी कमजोर थी। इन आंकड़ों को देखने के बाद ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्या बीमार और कमजोर आंखों वाले चालक वाहन चला रहे हैं।

कानपुर नगर जनपद में आए दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है। यदि संभागीय परिवहन विभाग के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो कैंप में जांच के दौरान 593 में से 463 चालक बीमार मिले। सिर्फ 130 चालक ही ऐसे थे, जो स्वस्थ पाए गए। स्वास्थ्य कैंप में जिन चालकों की आंखें कमजोर मिली हैं, उनकी आंखें कितनी कमजोर थीं, कितनी दृश्यता थी, क्या हाईवे पर वाहन चलाने योग्य हैं या नहीं, आदि जैसे कई प्रश्न हैं, जो सड़क हादसों को लेकर चिंता में डालते हैं। क्योंकि जिनकी आंखें कमजोर मिलीं, उन्हें भी जाने दिया गया, न तो उनका पता नोट किया गया और न ही उनका ड्राइविंग लाइसेंस देखा गया। सिर्फ जांच की खानापूरी की गई।

कहीं हादसों की वजह यही बीमारियां तो नहीं!

बीते वर्ष का आंकड़ा देखें तो आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कई बड़े हादसे हुए, जिनमें स्लीपर ज्यादा हैं। इन बसों में 50 से अधिक यात्रियों की जान चुकी है। जांच में यही आता है कि चालक को झपकी लग गई और हादसा हो गया। प्रश्न ये उठता है कि कहीं बीमारी के कारण तो चालक को झपकी नहीं आई।

रोडवेज बस चालकों की भी आंखें कमजोर

- शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर कुछ माह पूर्व नेत्र रोग शिविर लगाया गया था, जिसमें कई चालकों की आंखें कमजोर मिली थीं, लेकिन परिवहन निगम ने उन्हें भी दवाएं देकर पल्ला झाड़ लिया। बताते चलें कि कानपुर परिक्षेत्र में 600 से अधिक बसे हैं जबकि पूरे प्रदेश में 12000 से अधिक बसें दौड़ रही हैं। कानपुर में लगभग 1200 औरप यूपी में लगभग 25000 चालक हैं।

लोक निर्माण विभाग के लिपिकों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोक निर्माण विभाग की ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के दौरान प्रहरी एप पर हुए साइबर हमले की जांच अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। लेकिन मामले में विभाग के ही लिपिकों पर शक गहरा रहा है। एप में छेड़छाड़ के मामले पर लिपिकों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, बीते दिनों विभाग के प्रांतीय खंड दो में तैनात एक लिपिक का नाम काफी सुर्खियों में रहा और एक जेई से साठगांठ करके गड़बड़ी के आरोप लगते रहे हैं। वहीं, विभाग पुलिस को आईपी एड्रेस तक उपलब्ध नहीं करा रहा है।

लोक निर्माण विभाग में 28 नवंबर को घाटमपुर और कानपुर देहात के सिकंदरा, भोगनीपुर व रसूलाबाद क्षेत्रों में लगभग चार करोड़ रुपये के सड़क कार्यों के लिए टेंडर जारी हुए थे। मामले में वरद इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर दुर्गेश सिंह चौहान का आरोप है कि प्रहरी एप पर छह टेंडरों के लिए दस्तावेज अपलोड किए थे। इसके लिए करीब 40 लाख रुपये की फीस उनके खाते से आनलाइन कटी, लेकिन बोली की अंतिम प्रक्रिया शुरू होते ही एप से उनके सभी दस्तावेज गायब हो गए और फर्म खुद प्रक्रिया से बाहर हो गई। आरोप है कि यह एक सुनियोजित साइबर हस्तक्षेप है, ताकि उनकी फर्म को टेंडर से बाहर किया जा सके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी मुख्यालय के साथ डीसीपी पूर्वी के कार्यालय में शिकायत देकर साइबर सेल से जांच की मांग की है। दुर्गेश का कहना है कि तकनीकी कारणों से लंबे समय से तमाम फर्म की लॉगिन आईडी के पासवर्ड बदले नहीं गए हैं। लिपिकों और साइबर टीम को पासवर्ड की जानकारी रहती है।

आईटी सेल में अटकी जांच

- मामले में लोक निर्माण विभाग मुख्यालय ने आईटी सेल को जांच के निर्देश दिए, लेकिन मुख्यालय की आईटी सेल के प्रभारी अधीक्षण अभियंता चंद्रशेखर भी मामले की जांच अभी तक नहीं कर सकें हैं। वहीं, पुलिस को भी मामले में तकनीकी सहयोग नहीं मिल पा रहा है। पुलिस द्वारा मांगा गया डाटा तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है।

पुलिस ने एनआईसी से मांगी मदद

- पुलिस ने राष्ट्रीय सूचना तकनीकी विज्ञान केंद्र (एनआइसी) को पत्र भेजकर छेड़छाड़ के लिए प्रयोग हुए आइपी एड्रेस की जानकारी मांगी है। क्योंकि लोक निर्माण विभाग के प्रहरी एप में दो बार संदिग्ध लागिन किया गया था। इन लागिन के पीछे किस आइपी एड्रेस का उपयोग किया गया, इसकी जानकारी विभागीय इंजीनियर उपलब्ध नहीं करा सके हैं।

ग्रुप से जोड़कर महिला से 27.50 लाख रुपये ठगे

- **कानपुर।** साइबर ठगों ने निवेश के नाम पर महिला से 27.50 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने मामले की शिकायत की। कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू की है।

कोतवाली के शिवाला निवासी नीलम शर्मा के अनुसार बीती नवंबर माह फेसबुक पर उन्हें 48 इलारा कैप्टल कनेक्ट नाम का ग्रुप दिखा। जिसमें जुड़ने के बाद सान्या नामक महिला ने व्हाट्सएप पर वीआई 599 ग्रुप में जोड़ा और इलारा प्रो नाम से ऑनलाइन खाता खोला। ग्रुप में निवेश कर मुनाफा कमाने की जानकारी दी। झांसे में आकर उन्होंने एक दिसंबर से 16 दिसंबर 2025 तक करीब 27.50 लाख रुपये निवेश किए। जिसके बाद उनके खाते में मुनाफे समेत करीब 76 लाख रुपये दिखने लगा। रुपये निकालने का प्रयास किया तो उन्हें आईपीओ में 34 लाख रुपये अतिरिक्त निवेश करने के बाद से ही निकासी की जानकारी दी गई।

बिजनेस की ग्रोथ के लिए जीएसटी रिफॉर्म जरूरी

बजट से उम्मीद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट से व्यापारियों और उद्यमियों ने जीएसटी रिफॉर्म की उम्मीद लगा रखी है। उनका कहना है कि ऐसा होने पर ही बिजनेस में ग्रोथ आ सकती है। इसी तरह धारा 129 के जटिल प्रावधानों के कारण प्रक्रिया कठिन है और कई बार छोटी तकनीकी गलतियों पर भी बड़ी कार्रवाई हो जाती है। इसलिए धारा 129 को सरल और व्यावहारिक बनाया जाए, ताकि ईमानदार उद्यमियों को बेवजह परेशान न होना पड़े और कारोबार सुचारु रूप से चल सके।

- **टैक्स निर्धारण पर भ्रम और विशेषज्ञों की निर्भरता होनी चाहिए कम**

शहर के उद्यमियों का साफ कहना है कि बजट में जीएसटी निर्धारण को सरल बनाने की बड़ी जरूरत है। कर निर्धारण की जटिल प्रक्रिया की वजह से उन्हें काफी परेशानी उठानी पड़ती है। बजट में इस तरह के प्रावधान होने से उद्यमियों की आर्थिक विशेषज्ञों पर निर्भरता कम हो सकेगी। हालांकि जीएसटी में काफी सुधार हुए हैं, लेकिन कर निर्धारण प्रक्रिया अभी भी पेचीदा है।

काफी सतर्कता के बाद भी कई बार तीन से चार साल पुरानी नोटिस जारी हो जाती है। इसके बाद उद्यमियों को विभाग के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जटिल प्रक्रिया होने के चलते ही भ्रम में कई बार स्थितियां यहां तक खराब हो जाती है कि उद्यमी का बैंक अकाउंट तक सीज हो जाता है।

- **धारा 129 के जटिल प्रावधानों में राहत देकर प्रक्रिया को सरल बनाएं**

यहां तक कि 20, 50 या फिर 500 रुपये के बकाया पर भी कई बार औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमियों को नोटिस का सामना करना पड़ता है। यदि इस बार बजट में जीएसटी निर्धारण को आसान बना दिया जाए तो उद्यमियों को परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

जीएसटी निर्धारण में काफी सहूलियत के बाद भी अभी भी कई पेंच हैं। जिन्हें इन बजट में दूर किए जाने की काफी जरूरत है। इससे उद्यमियों की परेशानी कम होगी और उनका ज्यादा ध्यान अपने कारोबार को बढ़ाने में होगा। इससे सरकार को राजस्व भी अधिक हासिल होगा।

–अमन घई, उद्यमी

जीएसटी का कठिन निर्धारण हर उद्यमी के लिए परेशानी खड़ा करता है। इससे आर्थिक विशेषज्ञों पर निर्भरता बढ़ जाती है। तमाम प्रयास के बाद भी इसमें कई बार खामियां सामने आती है। जिससे उद्यमियों को नोटिस का सामना करना पड़ता है।

–सुशील मोहन टकरू, उद्यमी

सरकार उद्यमियों के लिए काफी कुछ कर रही है। जीएसटी स्लैब पर सरकार ने कुछ माह पहले बड़े कदम उठाये थे। अब बजट में सरकार की ओर से यदि जीएसटी निर्धारण की जटिलताएं कम कर दी जाए तो काफी राहत मिल सकेगी।

–संदीप अरोड़ा, उद्यमी

जीएसटी के निर्धारण पर विभाग और आर्थिक विशेषज्ञ दोनों ही भ्रमित हो जाते हैं। इस भ्रम में अक्सर उद्यमी परेशान होता है। छोटे उद्यमियों के लिए तो टैक्स का निर्धारण और कठिनाई भरा है। बजट में इस ओर सरकार को ध्यान देने की जरूरत है।

–पुनीत गुप्ता, उद्यमी

छावनी परिषद कंपाउंड में बनेगा उम्दा जिम भवन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सांसद रमेश अवस्थी ने किया भूमि पूजन, 49 लाख खर्च होंगे**

अमृत विचार। छावनी परिषद आफिस और आवासीय कंपाउंड में जिम बिल्डिंग का भूमि पूजन एवं शिलान्यास सांसद रमेश अवस्थी ने किया। यह भवन 49 लाख रुपये की लागत से तैयार होगा।

छावनी परिषद की ओर से निर्मित होने वाले भवन में महिलाओ व पुरुषों के लिये अलग-अलग ब्लाक बनेंगे, जिसमें जिम के सम्पूर्ण एवं आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था होगी। इस अवसर पर सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि जिम ऐसा बननी चाहिए, जिसमें सभी उपकरण हों और सभी सुविधाओं से युक्त हो। प्राइवेट जिम से भी अच्छा भवन होना चाहिए। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के दक्षिण जिलाध्यक्ष श्री शिवराम सिंह, विद्यायक मोहम्मद हसन रूमी, नामित सदस्य लखन लाल ओमर, मुख्य अधिशाषी अधिकारी स्टीफेन पीडी, संयुक्त मुख्य अधिशाषी अधिकारी कलूल हजारिका, वंदना सिन्हा, रोहित तिवारी चितरंजन यादव, अमित यादव इन्द्रा, अनीता, प्रमोद गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

एक वर्ष बढ़ा कार्यकाल: नामित सदस्य लखन लाल ओमर ने बताया कि छावनी परिषद सदन का कार्यकाल एक वर्ष बढा दिया गया है। अब यह सदन 11फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेगा। अंतिम बार चुनाव 10 जनवरी 2015 को हुए थे।

सिटी ब्रीफ

3497 लाभार्थियों के खातें में पहुंचे रुपये

कानपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत बीएलसी घटक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से सिंगल क्लिक के माध्यम से 3497 लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में एक लाख रुपये प्रति लाभार्थी भेजी, ताकि वह आवास निर्माण का कार्य शुरू करा सकें। डूडा परियोजना अधिकारी के मुताबिक यह योजना पूर्ण रूप से निशुल्क है, यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार का सुविधा शुल्क मांगता है तो डूडा विकास भवन में संपर्क करे

निर्वाचन बोर्ड का गठन

कानपुर। कानपुर कपड़ा कमेटी की प्रबंधकारिणी की बैठक कार्यालय में हुई, जिसमें प्रधान सचिव दीपक कुमार गुप्ता ने बताया कि सर्वसम्मति से सत्र 2025-27 के लिए तीन सदस्यीय निर्वाचन बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्य नारायण् सिंहानिया, सहायक निवार्चन अधिकारी करुणेश कुमार मिश्रा व सहायक निवार्चन अधिकारी राधेश्याम माहेश्वरी शामिल हैं।

20 छात्र-छात्राओं का फार्मेसी कंपनी में चयन

कानपुर। सीएसजेएमयू कैंपस के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभाग में मंगलवार को फार्मेसी कंपनी ने प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। बीफार्म व एम फार्म के अंतिम वर्ष के 45 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया। कंपनियों ने 35 में से 20 छात्र-छात्राओं को चयन के बाद नियुक्ति पत्र निर्गत किए। इस दौरान डॉ. शशि किरण मिश्रा, डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, डॉ. पल्लवी तिवारी आदि रहे।

ट्रेड वार की आशंका से बाजार में मचा हाहाकार

अमृत विचार: शेयर बाजार में गिरावट की सबसे बड़ी वजह बढ़ती ग्लोबल अनिश्चितता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीनलैंड को लेकर कड़े रुख से दुनिया भर में हलचल है। ट्रंप ने अपने कदम का विरोध करने वाले यूरोपीय देशों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यूरोपीय संघ भी जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इसी कारण ट्रेड वॉर शुरू होने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में निवेशक रिस्क को लेकर परेशान हैं। इस माहौल में उनकी निगाहें एक फरवरी को पेश होने वाले यूनियन बजट पर टिकी हुई हैं। निवेशकों को डर है कि सरकार फिसकल डेफिसिट कम करने के लिए सरकारी खर्चों में कटौती ना कर दे। इसके चलते लोग इक्विटी में निवेश के बजाय सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश की तरफ भाग रहे हैं। परिणामस्वरूप मंगलवार को सोना डेढ़ लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का स्तर पार कर गया, जबकि चांदी के भाव भी सवा तीन लाख रुपये प्रति किलो के करीब पहुंच गए।

शहर में निवेशकों को लगा 2500 करोड़ का झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर मार्केट में इस सप्ताह हाहाकार मचा हुआ है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी बाजार में जबरदस्त बिकवाली देखने को मिली, जिसके चलते शहर के निवेशकों को करीब 2500 रुपये का झटका लग गया। मंगलवार को सेंसेक्स 1,065.71 अंक या 1.28 फीसदी लुढ़ककर 82,180.47 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 353 अंक या 1.38 फीसदी नीचे जाकर 25,232.50 पर बंद हुआ। बाजार में सबसे ज्यादा मार मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स पर पड़ी। इन दोनों इंडेक्स में दो फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

वित्तीय सलाहकार राजीव सिंह ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार से अपना पैसा तेजी से निकाल रहे हैं। जनवरी माह के 20 दिनों में अब तक 29,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली हो चुकी है। भारतीय रुपये की कमजोरी और हाई वैल्यूएशन के कारण भी विदेशी निवेशक भारत के बजाय सुरक्षित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इसी तरह घरेलू मोर्चे पर भी निवेशक सोना-चांदी में निवेश को तरजीह दे रहे हैं। इसके चलते अनुमान लगाया जा रहा है कि कानपुर में बीते दो दिनों में निवेशकों को करीब 4500 करोड़ की चपत लगी है।

- **बिकवाली और मिडकैप व स्मॉलकैप इंडेक्स पर पड़ी मार से लगातार दूसरे दिन निवेशकों का छूटा पसीना**

सोना-चांदी की कीमतों में सुनामी से सहमा सराफा

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर सराफा बाजार में सोमवार को सोना 1,52,000 का 10 ग्राम और चांदी 3,22,000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई, जो 24 घंटे में दोनों कीमती धातुओं में तेजी का नया रिकार्ड है। एक दिन में सोने के भाव 4,100 और चांदी में 21,000 रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इससे सराफा बाज़ार में अनिश्चितता और अस्थिरता का माहौल है। सहालग सिर पर हैं, और लगातार बढ़ती कीमतों से कारोबारियों को गहनों की बुकिंग वर्तमान दर पर करने में हिचकिचाहट हो रही है। छोटे कारोबारियों को बड़े थोक कारोबारी उधार सोना-चांदी देने से कतरा रहे हैं।

आम आदमी के लिए मांगलिक कार्य के लिए तय बजट बहुत ऊपर निकल गया है। उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि वैश्विक हालात, टैरिफ वॉर के कारण दोनों धातुओं की कीमत ऊंचाई के नए रिकार्ड बना रही हैं। चांदी कारोबारी विकास ओमर का कहना है कि बाज़ार में ऐसी अस्थिरता कभी नहीं रही। काशी ज्वैलर्स के निदेशक श्रेयांश कपूर का कहना है कि निवेशक सतर्क रहें, और विशेषज्ञ सलाह पर जरूर विचार करें। सोने और चांदी के भाव में ऐसी तेज़ी कभी नहीं रही और अब बाज़ार का पैटर्न भी बदल रहा है।

अस्थिरता-अनिश्चितता के कारण

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को खरीदने के प्रस्ताव और यूरोपीय देशों पर 10 से 25 फीसदी तक दंडात्मक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने की धमकी।
- अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ता विवाद और ईरान, वेनेजुएला तथा रूस-यूक्रेन संघर्ष की समस्या।
- भारतीय रुपये की कमजोरी, साल 2026 की शुरुआत से रुपया कमजोर होकर 91 प्रति डॉलर के आसपास है।
- शेयर बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता से निवेशकों के लिए सोना-चांदी सुरक्षित पनाहगाह।
- एआई डेटा सेंटर, सोलर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों में चांदी का भारी उपयोग और आपूर्ति में कमी।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा रिजर्व के रूप में सोने की खरीद।

अवैध वसूली में केस्को का बाबू मो.रेहान निलंबित

कानपुर। शहर के हीरामन का पुरवा निवासी पापिया पुत्र छंगा के घर पर नौ जुलाई 2025 को केस्को टीम ने बिजली चोरी पकड़ी थी, जिसपर जुर्माना लगाया गया था। शमन और राजस्व निर्धारण शुल्क जमा करने के लिए उपभोक्ता बिजली विभाग में कार्यरत कार्यकारी सहायक मोहम्मद रेहान के संपर्क में आया।

उपभोक्ता का आरोप है कि इसी दौरान आरोपी बाबू ने उससे अवैध रूप से आर्थिक वसूली की, जिसके बाद उपभोक्ता ने मामले की शिकायत की। अधीक्षण अभियंता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बाबू के काम में शिथिलता पाई और उसके खिलाफ जांच और कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए। जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला ने बताया कि कमेटी में शामिल सहायक अभियंता बिलिंग सेकंड ओपी वर्मा और सहायक लेखाकार बिलिंग सेकंड प्रतीक कुमार ने मामले की जांच की और बाबू रेहान का स्थानातरण किया गया, ताकि जांच प्रभावित न हो। जांच में दोषी पाए जाने पर बाबू मोहम्मद रेहान को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही 33 केवी इलेक्ट्रिकल सेफ्टी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सर्किट हाउस में बैठक करते कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह।

कृषकों की आय दोगुनी करने पर विचार मंथन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह ने सर्किट हाउस में अफसरों संग समीक्षा बैठक की**

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत किसानों को 11 लाख रुपये तक का ऋण मात्र 3 से 5 प्रतिशत की न्यूनतम ब्याज दर पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे किसान आधुनिक तकनीक अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

मंगलवार को कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक सर्किट हाउस में हुई जिसमें सदस्य ने जनपद के किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए कृषि, पशुपालन, सिंचाई/नलकूप, मत्स्य पालन एवं उद्यान विभाग से संबंधित सभी योजनाओं का किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य केवल वित्तीय सहायता प्रदान करना ही नहीं, बल्कि कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में सतत विकास सुनिश्चित करना है। बैठक में मत्स्य पालन से संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनका सदस्य द्वारा गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए तथा समस्याओं के समाधान हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया।

बैठक के दौरान शिवम पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी प्राची पाण्डेय, जिला कृषि रक्षा अधिकारी सलीमुद्दीन, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक (सहकारिता) राकेश प्रभाकर, अपर जिला कृषि अधिकारी शिवम सहित मत्स्य एवं पशुपालन विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट का फैसला संविधान की जीत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **श्रावस्ती के मदरसों को लेकर फैसले का किया गया स्वागत**
- **मौलाना अमीनुल हक बोले, इस फैसले से मदद का वादा पूरा**

अमृत विचार। मदरसों की कानूनी लड़ाई में अहम भूमिका निभाने वाले जमीअत उलमा उत्तर प्रदेश के महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा स्वतंत्र और गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के संरक्षण (बचाव) में दिए गए ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया है।

उन्होंने इसे भारतीय संविधान की सर्वोच्चता और पीड़ित मदरसों की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि यह फैसला उन प्रशासनिक अधिकारियों और सांप्रदायिक मानसिकता वाले लोगों के लिए एक संवैधानिक चेतावनी है जो मदरसों को बंद करने को अपनी कामयाबी मान रहे थे। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने कहा कि जब श्रावस्ती और बहराइच में मदरसों को बंद करने और नोटिस भेजने के मामले सामने आए थे तो मदरसों के जिम्मेदारों में भारी बेचैनी थी। उस वक्त जमीअत उलमा के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मैंने भी इन जिलों का दौरा किया था और मदरसा संचालकों से मिलकर भरोसा दिलाया था कि जमीअत उलमा इस नाइंसाफी के खिलाफ पूरी ताकत से कानूनी लड़ाई लड़ेगी और आपको अकेला नहीं छोड़ेगी।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के इस फैसले ने हमारे उस वादे की लाज रख ली और यह साबित कर दिया कि आखिर सच्चाई और कानून की जीत होती है। मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह ने जमीअत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के बयान का हवाला देते हुए प्रदेश महासचिव ने कहा कि यह फैसला भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30(1) के तहत अल्पसंख्यक संस्थानों के अधिकारों की पुष्टि है। मौलाना मदनी के अनुसार, यह फैसला उन सरकारों के लिए एक सबक है जो मदरसों की बंदी को अपनी उपलब्धि समझ रही थीं, हालांकि ऐसे कदम खुद उनके लिए शर्मिंदगी का कारण बने हैं। हाई कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल 'मान्यता न होने के आधार पर किसी मदरसे को बंद या सील नहीं किया जा सकता और न ही यूपी रेगुलेशन एक्ट में प्रशासन के पास ऐसा कोई अधिकार मौजूद है।

स्ट्रीट वेंडर ने शहर में मांगे 5 वेंडिंग जोन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मोतीझील में राजीव वाटिका के बाहर हिंद महिला सभा, कानपुर स्ट्रीट वेंडर्स ने राष्ट्रीय वेंडर्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय शामिल हुए।

महिला सभा से आभा चुतर्वेदी ने बताया कि वर्ष 2025 में टीवीसी का गठन होने के बावजूद एक भी बैठक नहीं बुलाई गई। नियमानुसार एक वर्ष में कम से कम 4 बैठकें अवश्य बुलाई जाएं। शहर की आबादी को देखते हुए कम से कम पांच वेंडिंग जोन होने चाहिए। स्ट्रीट वेन्डर्स स्थल चयन के लिए सर्वे होना चाहिए। स्ट्रीट फूड वेन्डर्स को प्रशिक्षण दिया जाए। पथ विक्रेताओं का शेषण बंद किया जाए। नगर आयुक्त ने कहा कि शासनादेश के तहत कार्य किए जाएंगे, ताकि स्ट्रीट वेन्डर्स के हितों की पूरी रक्षा हो और उनका ख्याल रखा जाए। समस्याओं का हल एक्ट तहत पूरा विचार करते हुए किया जाएगा।

डिजाइन फाइनल | एनएचएआई ने हादसे रोकने के लिए लिया फैसला, टेंडर के बाद फरवरी में शुरू होगा निर्माण

कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर बनेंगे 7 फुट ओवरब्रिज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-अलीगढ़ हाइवे पर सड़क हादसों की रोकथाम के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने जिले में सात फुट ओवर ब्रिज बनाने का फैसला लिया है। ताकि हाइवे पर दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्रियों को उल्टी दिशा में न चलना पड़े और सुरक्षित तरीके से वह हाइवे को पार कर सकें। एनएचएआई इन सात फुट ओवर ब्रिजों का निर्माण करीब 36 करोड़ रुपये से करेगा, जिसकी डिजाइन फाइनल हो गई है।

कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर अगस्त 2024 से दिसंबर 2025 के बीच 12 लोग हादसे में अपनी जान गवां चुके हैं। इसके अलावा हाईवे पर 50 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं। इसकी मुख्य वजह अधिक स्पीड के अलावा हाइवे पर उल्टी दिशा पर वाहनों का चलना और डिवाइडर पार कर लोगों का दूसरी साइड जाना है। पैदल यात्रियों की सहूलियत के लिए एनएचएआई ने हाईवे पर सात फुट ओवरब्रिज बनाने का निर्माण लिया है। इसके लिए एनएचएआई ने स्थान भी चिह्नतनि कर लिए हैं और उनकी डिजाइन भी तैयार कर ली है। यह फुट ओवरब्रिज की तीन मीटर चौड़े और 55 मीटर लंबे होंगे। एनएचएआई के परियोजना प्रबंधक पंकज यादव के मुताबिक सातों फुट ओवर ब्रिज का डिजाइन स्वीकृत हो गया है। डिजाइन के तहत एक तरफ पैदल पार करने के लिए सीढ़ियां होंगी और दूसरी तरफ दोपहिया वाहन चालकों के लिए रैंप का निर्माण किया जाएगा, ताकि वह आसानी से एक साइड से दूसरी साइड पर जा सकें। एनएचएआइ के मुताबिक सातों फुट ओवरब्रिज का निर्माण 36 करोड़ रुपये से किया जाएगा। कानपुर के अलावा दो फुट ओवरब्रिज का निर्माण कन्नौज जिले में भी किया जाएगा। इनके निर्माण के लिए टेंडर को अंतिम मंजूरी मिल गई है। अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही टेंडर फाइनल होने के बाद फरवरी में ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू होगा।

हाईवे में उल्टी दिशा पर गुजरते वाहन। अमृत विचार

जान जोखिम में डालकर हाईवे का डिवाइडर पार करते बाइक सवार। अमृत विचार

कन्नौज तक हाईवे के 13 कट बंद किए जाएंगे

कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर कल्यानपुर आईआईटी से कन्नौज की 70 किलोमीटर का एरिया कानपुर एनएचएआई के अंतर्गत आता है। लोगों को हाईवे पार करने के लिए एनएचएआई ने 13 कट बनाए हैं, इसके बाद भी लोग सीधे हाईवे पार कर रहे हैं। एनएचएआई ने फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के बाद 13 कट पूरी तरह से बंद करने की तैयारी की है।

यहां बनेंगे फुट ओवरब्रिज

- एल्मिको क्रासिंग, नारामऊ
- चौबेपुर इंडस्ट्रियल एरिया
- पीपरी गांव, चौबेपुर
- मरियानी, चौबेपुर
- धौरसला रेलवे स्टेशन
- एक्सप्रेसवे टर्न, बिल्हौर
- अरौल रेलवे स्टेशन
- मानीमऊ, कन्नौज,
- कन्नौज बाईपास

सिटी ब्रीफ

मसीही समाज में एकता की पहल

कानपुर। मसीही समाज ने आपसी एकता को बढ़ावा देने के लिए कैथलिक-प्रोटेस्टियन के बीच दूरियां कम करने और एकजुटता के लिए सात दिवसीय समिट की शुरुआत की है। अब तक सेंट फ्रांसिस जेवियर्स चर्च, मेथाडिस्ट चर्च किदवई नगर, चर्च आफ गॉड में समिट हो चुकी है। इस एकजुटता को मजबूत करने के लिए विशेष तौर पर छोटे भाई नरोना, पास्टर संतोष पांडेय, जितेंद्र सिंह, नितिन लाल आदि शामिल हैं।

वीएसएसडी कॉलेज में आज संस्थापक दिवस

कानपुर। नवाबगंज स्थित विक्रमाजीत सिंह सनातन धर्म कॉलेज में बुधवार को संस्थापक दिवस का आयोजन होगा। मंगलवार को प्राचार्य प्रो .नीरू टंडन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो . विनय कुमार पाठक, मुख्य वक्ता शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ .अतुल कोठारी बैरिस्टर नरेन्द्रजीत सिंह स्मृति पर व्याख्यान देंगे, जिसका विषय उच्च शिक्षा 2030 : भारतीय मूल्य वैश्विक प्रतिमान होगा। अंतराष्ट्रीय रिसर्च जनरल यात्री का विमोचन भी होगा। इसके अलावा महाविद्यालय के न्यूज लेटर व कैलेंडर का लोकार्पण भी होगा। बताया कि समारोह में महाविद्यालय की प्रबंध समिति, पुरातन छात्र, शहर के प्रबुद्ध, प्रतिष्ठित लोग, प्रो . आनंद शुक्ला व सह-संयोजक डॉ . अंशु सिंह सेंगर समेत आदि लोग मौजूद रहेंगे।

चोरी करने पर मां ने पीटा तो बेटी चली गई

चकेरी। चकेरी के नेताजी नगर कुम्हार मंडी निवासी महिला अपने पति की मौत के बाद 14 वर्षीय बेटी के साथ मायके के पास किराए में रहती है। बीते रविवार सुबह बेटी पास की परचून दुकान से सामान लेने गई थी। दुकान में मौजूद महिला के अंदर जाने पर वह गुल्लक उठाकर भागी थी। फिर पैसे निकालकर गुल्लक फेंकने के बाद घर चली आई। दुकान मालकिन ने जब गुल्लक गायब देखा तो उन्होंने सीसीटीवी कैमरा चेक किया। कैमरे में किशोरी गुल्लक ले जाते हुए दिखी। इस पर दुकान मालिक फुटेज लेकर उसके घर पहुंचा और शिकायत की। मां के पूछने पर किशोरी ने पूरी सच्चाई कबूल ली। इसके बाद किशोरी की नानी और मां ने उसको मारा तो वह आहत होकर घर के बाहर ईट लेकर अपने सिर पर मार लिया। फिर कुछ देर बाद वह घर से भाग गई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि तहरीर पर मामला दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

पुराने एयरपोर्ट से उड़ान भरते थे तीन विमान, नया बनने के बाद भी विमानों में बढ़ोतरी नहीं

मुंगेरीलाल के सपनों के समान टर्मिनल से उड़ान भर रहे विमान

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर में एयरपोर्ट का नया टर्मिनल तो बन गया, लेकिन देश-विदेश की उड़ान भरने के ख्वाब मुंगेरीलाल के हसीन सपने बनकर रह गए हैं। यूं कह सकते हैं कि नए टर्मिनल का कानपुरवासियों को कोई लाभ नहीं मिला। हर साल कुछ ऐसे सुर्रा छोड़ा जाता है, जिससे शहरवासी खुश हो जाते हैं, लेकिन सच्चाई इसके विपरीत है।

बीते वर्ष कानपुर एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट की सुविधाओं के लिए 40 एकड़ जमीन मांगी थी, लेकिन अभी तक नहीं मिली। अब एयरपोर्ट का दायरा बढ़ाने के लिए 100 एकड़ जमीन की मांग की गई है। यानी एक बार फिर शहरियों को मुंगेरी लाल के सपने दिखाए जा रहे हैं। जब चकेरी में पुराना एयरपोर्ट था, तब भी 3 विमान उड़ान भरते थे और अब चकेरी से 3 किमी आगे नया टर्मिनल बन गया है, तब भी 3 ही विमान उड़ान भर रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि कानपुर का चकेरी एयरपोर्ट अब लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट (चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा) की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, जिसमें आधुनिक सुविधाएं जैसे यात्री प्रतीक्षालय में बढ़ोतरी, यात्रियों के लिए बहुद्देश्यीय शॉपिंग मॉल और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने की तैयारी है, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि पहले शासन से स्वीकृत को मिले, फिर कब केडीए भूमि उपलब्ध कराएगा और उसके बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण कब नक्शा बनाएगा? ये सारी बातें दूर की कौड़ी हैं।

40 एकड़ जमीन मिली नहीं, अब 100 एकड़ की हुई मांग

- **नया टर्मिनल बनने के बाद भी शहरियों को कोई लाभ नहीं**

मौजूदा उड़ानों पर एक नजर

- कानपुर से मुंबई डेली फ्लाइट
- कानपुर से दिल्ली डेली फ्लाइट
- कानपुर से हैदराबाद सप्ताह में तीन दिन
- कानपुर से बेंगलुरू सप्ताह में तीन दिन

विमानों से जुड़ीं कुछ यादें

- अर्चना एयरवेज का चार्टर्ड प्लेन कानपुर में नीलगाय को बचाने के चक्कर में दीवार से टकराया था।
- स्पाइस जेट का 186 सीटर दिल्ली-कानपुर-कोलकाता विमान कानपुर में उतरते समय रनवे से फिसलकर बालू में धंस गया था।
- तत्कालीन यूपी के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के चार्टर्ड प्लेन को नीलगायों ने 10 मिनट उड़ने नहीं दिया।
- दिल्ली-कानपुर-कोलकाता की फ्लाइट कुछ माह चलने के बाद

बंद हो गई।

- बेंगलुरु-कानपुर विमान डेली हुआ, फिर सप्ताह में तीन दिन हो गया।
- आकाशा एयरलाइंस के कानपुर से उड़ान की घोषणा हुई, लेकिन राम मंदिर खुलते ही उड़ान अयोध्या से शुरू की।
- एयर इंडिया ने कानपुर एयरपोर्ट का सर्वे किया, लेकिन आज तक एयर इंडिया कानपुर नहीं आ सकी।

ये वादे, वादे ही रह गए

- 2014 में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने कानपुर में फ्लाइट शुरू करने के दौरान पत्रकारों से कहा था कि कानपुर को देश के 15 शहरों से हवाई कनेक्टिविटी दी जाएगी।
- कानपुर के व्यापारियों की सुविधा के लिए सुबह एक फ्लाइट दिल्ली जाएगी और शाम को वापस आएगी।
- कानपुर से फ्लाइट का समय ऐसे होगा कि दिल्ली, मुंबई से विदेशों फ्लाइट की कनेक्टिविटी मिल जाएगी।
- कानपुर से कोलकाता, चंडीगढ़ और अहमदाबाद की फ्लाइट शुरू होगी।
- कानपुर के रनवे पर छह विमानों के ठहरने का हैंगर बनेगा।

> कानपुर एयरपोर्ट ने 8 माह पहले 40 एकड़ जमीन मांगी थी। अब 100 एकड़ जमीन की दरकार है। जमीन उपलब्ध होने पर ही आगे की योजनाएं तय होंगी। अभी कोई नई फ्लाइट भी प्रस्तावित नहीं है।
>
> -प्रदीप यादव, निदेशक कानपुर एयरपोर्ट

नितिन नबीन के पार्टी अध्यक्ष बनने पर जश्न मनाते भाजपाई। अमृत विचार

नितिन की ताजपोशी पर भाजपा ने मनाया जश्न

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की ताजपोशी पर मंगलवार को शहर में भाजपाइयों ने खुशी मनाई। पोस्टर लेकर कार्यकर्ता नवीन मार्केट स्थित जिला कार्यालय से परेड चौराहे पहुंचे और 'भाजपा जिंदाबाद', 'नरेंद्र मोदी जिंदाबाद', 'नितिन नबीन को बधाई हो' जैसे गगनभेदी नारे लगाए।

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि भाजपा ही युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने का दूरदर्शी निर्णय लेती है। पार्टी सशक्त होगी, संगठन को नई दिशा मिलेगी। यहां महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता, अनूप अवस्थी, सुनील तिवारी, अनुराग शर्मा, अवधेश सोनकर, अभिनव दीक्षित, शिवांग मिश्रा, संतोष शुक्ला, पूनम कपूर, सीमा एमबीए, सत्यम गुप्ता, आनंद मिश्रा, जन्मेजय सिंह, पूनम कपूर, सरोज सिंह, सतेंद्र पांडेय, पारस मदान, किरन तिवारी, अनुप्रिया दोषी, गौरव पांडे, अभिमन्यु सक्सेना, योगेश पांडे, रमा शंकर अग्रहरि, नीता मिश्रा, चंद्रमणि चौबे, ऋचा सक्सेना, सुनीता गौड़, सुमन सक्सेना रहीं।

मंडलीय सांस्कृतिक उत्सव में हुनर का कमाल दिखाते प्रतिभागी। अमृत विचार

संस्कृति उत्सव में बिखरे हुनर के रंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुरुदेव चौराहा स्थित एक होटल में मंगलवार को संस्कृति उत्सव-2026 के अंतर्गत मंडलीय सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। जनपद स्तरीय संस्कृति उत्सवों के विजयी प्रतिभागियों के मध्य विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रतिभागियों के बीच गायन, वादन व नृत्य की प्रतियोगिताएं हुई। प्रतिभागियों ने लोक संस्कृति, शास्त्रीय व समकालीन कला विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृष्णा, वैभव कुमार प्रजापति व केपीएस समूह ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। द्वितीय स्थान शम्भावी वर्मा, वैभव व खुशी कुमारी ने हासिल किया। तृतीय स्थान केपीएस समूह, आयुष शुक्ला व समृद्धि चौधरी को प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को निर्णायक मंडल ने प्रशस्ति पत्र व सम्मान प्रदान किया। इस दौरान कानपुर जिला सूचना अधिकारी, पर्यटन अधिकारी अर्जिता ओझा, संस्कृति विभाग के अधिकारी संयोजक दिवाकर निगम, संस्कार भारती, विभिन्न सांस्कृतिक विशेषज्ञ, कलाकार आदि लोग रहे।

महंगाई और बचत की जानकारी दी

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट ने मंगलवार को उसके धन को सशक्त बनाएं, उसके भविष्य को सशक्त बनाएं शीर्षक के तहत चल रहे राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता अभियान के दूसरे सत्र का आयोजन किया। 26 जनवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम का लक्ष्य पूरे भारत में 30 हजार महिलाओं तक वित्तीय जागरूकता पहुंचाना है।

उद्योग विशेषज्ञ निहारिका गुप्ता ने बचत के महत्व, महंगाई का प्रभाव, म्यूचुअल फंड, सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), चक्रवृद्धि ब्याज की शक्ति और लक्ष्य आधारित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। लाइव क्विज, चर्चा और उदाहरणों के जरिए प्रतिभागियों को समझाया गया कि वह अपने वित्तीय भविष्य को कैसे सुरक्षित कर सकते हैं। एसबीएम के निदेशक प्रो.सुधांशु पांडिया ने कहा कि यह अभियान आत्म विश्वास विकसित करने में भूमिका निभा रहा है।

भारतीय भाषाओं व एआई को लेकर होगा गहन मंथन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **30 और 31 जनवरी को शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी**

अमृत विचार। भारतीय भाषा समिति नई दिल्ली व सीएसजेएमयू के भाषा संकाय द्वारा सेनानायक तात्या टोपे सभागार में 30 और 31 जनवरी को भारतीय भाषा परिवार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर 21वीं सदी की चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाते हुए शिक्षा, अनुसंधान, अनुवाद, लोक साहित्य व डिजिटल नवाचार के क्षेत्रों में उनके उपयोग और विस्तार पर ठोस संवाद स्थापित करना है। वहीं, भारतीय भाषाओं व एआई को लेकर गहन मंथन किया जाएगा।

संगोष्ठी के समन्वय व स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज के निदेशक डॉ.सर्वेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भारतीय भाषाओं की भूमिका, संभावनाओं और चुनौतियों पर गंभीर अकादमिक विमर्श किया जाएगा। संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों व अकादमिक मंचों से जुड़े भाषाविद, शिक्षक, शोधार्थी और नीति-विशेषज्ञ सहभागिता करेंगे।

भारतीय भाषाओं की अंतर्निहित एकता, मातृभाषा में शिक्षा की आवश्यकता, औपनिवेशिक भाषा-वर्गीकरण से मुक्ति और भारतीय भाषाओं की वैश्विक पहचान जैसे विषयों पर विचार होगा। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में 200 से अधिक शोध-पत्रों पर तकनीकी सत्र, पैनल चर्चाओं व संवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से मंथन किया जाएगा। चयनित शोध-पत्रों को आईएसबीएन सहित पुस्तकाकार रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जिससे भारतीय भाषा अध्ययन व कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े शोध को नया वैचारिक आयाम मिलेगा।

उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी भारतीय भाषाओं को केवल अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि तकनीकी और बौद्धिक भविष्य की आधारशिला के रूप में देखने का प्रयास है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ भारतीय भाषाओं का समन्वय 21वीं सदी की सबसे बड़ी शैक्षणिक आवश्यकता है। हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ. श्रीप्रकाश ने कहा कि हमारा उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीक नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को वैश्विक मंच तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन सकती है।

धर्म ध्वजा फहराने में एकता जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आरएसएस कानपुर पश्चिम भाग के गीता नगर स्थित सर्वोदय नगर बस्ती द्वारा भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। साथ ही लोगों को खिचड़ी भी बांटी गई। इस अवसर पर हिंदुओं की एकता पर बल दिया गया। सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी व संघ के पदाधिकारियों ने लोगों को सम्मानित किया।

आरएसएस के विभाग विभाग प्रचारक वैरिस्टर ने कहा कि संगठन में शक्ति है जो संगठित रहेगा उसका ही समाज में शक्ति है। जो असंगठित हैं वे बिखर जाते हैं। उनकी कोई पूछ नहीं होती। सनातन धर्म की ध्वजा फहराती रहे इसके लिए हमें संगठित होना होगा। संगठन में ही शक्ति है। कार्यक्रम में मातृशक्ति का प्रतिनिधित्व समाज सेविका स्वर्ण सचदेवा ने किया। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि हमें संगठित होकर सनातन धर्म की ध्वजा को फहराना है। सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी ने लोगों को खिचड़ी बांटी और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण किया। अध्यक्षता मनोज कुमार, आशुतोष, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा, सर्वोदय नगर गीता नग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजय सिंह, महामंत्री पवन सिंह, चेयरमैन विजयदत्त शुक्ल, अशोक कुमार, मीडिया प्रभारी सिराज, कोषाध्यक्ष राजू शर्मा, प्रहलाद, अखिलेश आदि उपस्थित रहे।

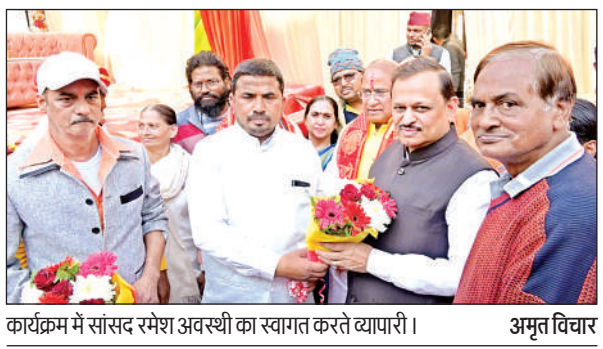

कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी का स्वागत करते व्यापारी। अमृत विचार

- **सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी ने बांटी खिचड़ी**

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप थीसिस लेखन जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के एलटी वन सभागार में मंगलवार को इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स ने इफेक्टिव मेडिकल थीसिस राइटिंग विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मेडिकल शोध से जुड़े युवा फैकल्टी सदस्यों और पीजी स्कॉलर्स को थीसिस लेखन की सूक्ष्मताएं समझाईं।

संगोष्ठी का उद्देश्य मेडिकल शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, नैतिक व अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप थीसिस लेखन के लिए सक्षम बनाना रहा। शोध के दौरान डाटा का विश्लेषण, उनकी गहनता से अध्ययन और उसके महत्व पर जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने जूनियर डॉक्टरों द्वारा पूछे गए सवालों का उत्तर भी दिए। बीएचयू में मेडिकल सोशियोलॉजी डॉ.मनुषी श्रीवास्तव ने फ्रेमिंग ए स्ट्रॉन्ग थीसिस फ्रेमवर्क विषय पर थीसिस की पृष्ठभूमि, उद्देश्य, साहित्य समीक्षा व शोध पद्धति पर चर्चा की। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार थीसिस लिखने की समझ को अपने अंदर विकसित करने और शोध प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों का समाधान बेहतर ढ़ग से करने के लिए जूनियर डॉक्टरों को प्रेरणा दी। हरियाणा, रोहतक स्थित पीबीडी शर्मा पीजीआईएमएस में मनोरोग विभाग में प्रोफेसर डॉ. हितेश खुराना ने स्टैटिस्टिकल एनालिसिस एवं रिजल्ट राइटिंग विषय पर आंकड़ों के समुचित विश्लेषण, उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षणों और परिणामों की वैज्ञानिक प्रस्तुति पर जानकारी दी। अनुसंधान की गुणवत्ता, संरचना, साहित्य समीक्षा और निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। ताकि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान को बढ़ावा मिले और छात्रों को अपने शोध कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद मिले। प्रभावी ढंग से डिजाइन और डेटा एकत्र करने, प्रासंगिक स्रोतों को खोजने और व्यवस्थित रूप से लिखने पर जोर दिया। साथ ही शुरूआत से ही थीसिस की संरचना के परिणाम, चर्चा और निष्कर्ष को व्यवस्थित करने की बेहतर जानकारी दी। डॉ. पदम सिंह रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम के नेशनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शुभम पांडेय ने लेखों को चिकित्सा पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के तरीके बताए। डिस्कशन से डॉक्यूमेंटेशन में निष्कर्ष लेखन, अध्ययन की सीमाएं, सिफारिशें, संदर्भ शैली और प्लेजरिज्म से बचाव जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। इस दौरान अस्थि रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.संजय कुमार, कम्युनिटी मेडिसिन की विभागाध्यक्ष डॉ.सुनीति पांडेय, आयोजन सचिव डॉ.सीमा द्विवेदी, आईटी प्रमुख ई.अमित तिवारी आदि रहे।

डॉ .मानुषी श्रीवास्तव। डॉ .हितेश खुराना। राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल फैकल्टी व जेआर। अमृत विचार

दिव्यांगों को दुकानें दे बनाएंगे आत्म निर्भर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जो दिव्यांगजन रोजगार स्थापित कर आत्म निर्भर बनना चाहते हैं, वह दुकान निर्माण एवं संचालन योजना में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। दिव्यांगता प्रदर्शित फोटो, जन्मतिथि सहित आयु प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, बैंक में संचालित खाते का विवरण तथा दो जमानतदारों का विवरण आवश्यक होगा।

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने बताया कि दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन आवेदन करने के पात्र होंगे जिनके नाम पर न्यूनतम 110 वर्ग फीट की स्वयं की भूमि उपलब्ध हो तथा वह भूमि ऐसे स्थान पर स्थित हो जहाँ दुकान का निर्माण कराया जा सकता हो। इस योजना के अंतर्गत कुल 20,000 रुपये की धनराशि दो किश्तों में स्वीकृत की जाती है, जिसमें 15,000 रुपये का ऋण चार प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर तथा 5,000 रुपये की अनुदान राशि सम्मिलित है। दुकान संचालन योजना में 10,000 रुपये की धनराशि स्वीकृत की जाती है, जिसमें 7,500 रुपये का ऋण 4 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर तथा 2,500 रुपये की अनुदान राशि दी जाती है। योजना का लाभ वही दिव्यांगजन प्राप्त कर सकेंगे जो किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामले में दंडित न हों तथा जिनके विरुद्ध किसी प्रकार की सरकारी धनराशि देय न हो।

तैयारी | 1950 में पहले गणतंत्र दिवस पर मेस्टन रोड से निकाली गई थी रैली, 25 को दक्षिण में रैली, 26 को तिलक हाल से जुलूस

75 साल की अनूठी परंपरा जीवंत रखेगी कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर महानगर कांग्रेस की 75 साल से चली आ रही अनूठी परम्परा को जीवंत रखने के लिए कांग्रेस की 25 जनवरी को कानपुर दक्षिण में पदयात्रा निकलेगी जबकि 26 जनवरी को पारंपरिक जुलूस का आयोजन किया जाएगा।

मंगलवार को तिलक हाल में कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें महानगर अध्यक्ष ने बताया कि 1950 में पहली गणतंत्र दिवस की तरह ही कानपुर में इस वर्ष भी खूबसूरत गरिमामय आयोजन 26 जनवरी को होगा जिसमें भव्य शोभायात्रा, झांकी, जुलूस और जनसभा आयोजित की जाएगी। साथ ही 25 जनवरी को कानपुर दक्षिण में पदयात्रा का आयोजित की जाएगी।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि 26 जनवरी, 1950 के ऐतिहासिक दिन पहले गणतंत्र दिवस पर ऐतिहासिक रैली कानपुर के मेस्टन रोड से निकल कर फूलबाग मैदान पहुंची थी।उस परम्परा का लगातार निर्वाह कानपुर महानगर कांग्रेस करती रही। तब से अब तक इस रैली का रूट और वक्त नहीं बदला। संविधान लागू होने की खुशी में हाथों में संविधान की प्रस्तावना का पत्र लेकर शामिल हुए शहरियों के जज्बे के यह रास्ते और चौराहे गवाह रहे हैं। इस वर्ष भी कानपुर महानगर कांग्रेस देश की इस अनूठी परम्परा को कायम रखेगी। बैठक में हरप्रकाश अग्निहोत्री, शंकर दत्त मिश्रा, रितेश मिश्रा, इकबाल अहमद, चंद्रमणि गौतम, हरीश यादव, राजेश बाजपई, पदम मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव शीलू, अमिताभ दत्त मिश्रा आदि थे।

तिलक हाल में कांग्रेसियों ने बैठक कर रूपरेखा तैयार की। अमृत विचार

पंडित गोविंद वल्लभ पंत फूलबाग पहुंचे थे

- कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष भी 26 जनवरी को तिलकहाल के श्रद्धानंद पार्क में सुबह 10 बजे राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के बाद रैली तिलक हाल से उठकर मूलगंज चौराहा, बादशाहीनाका, कलक्टरगंज, शक्कर पट्टी, नयागंज, बिरहाना रोड, फूलबाग चौराहा होते हुए फूलबाग गांधी प्रतिमा पर समाप्त होगी।अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि पहली शोभा यात्रा भी 1950 में दोपहर एक बजे मेस्टन रोड से निकलकर दोपहर 3 बजे फूलबाग पहुंची थी। आज भी कांग्रेसियों ने यही समय तय कर रखा है। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि 1950 में तत्कालीन मनोनीत मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत फूलबाग पहुंचे थे।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि 26 जनवरी को पूर्व मंत्री पूर्व सांसद जफर अली नकवी मुख्य अतिथि होंगे।

रघुवर दयाल की अगुवाई में निकली थी पहली रैली

- कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और वयोवृद्ध नेता शंकरदत्त मिश्रा बताते हैं कि वह उस वक्त करीब 12 साल के थे। गणतंत्र दिवस की पहली रैली तत्कालीन कांग्रेस शहर अध्यक्ष रघुवर दयाल भट्ट की अगुवाई में निकाली गई थी और इस बार वर्तमान महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुआई में दोपहर 1 बजे तिलक हाल से निकाली जाएगी।

डीबीएस चौराहे से शुरू होगी रैली

- महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि इस बार 25 जनवरी को पदयात्रा कानपुर दक्षिण के डीबीएस कॉलेज के नीचे कच्ची बस्ती से दोपहर 1 बजे उठेगी। त्याग और बलिदान के कांग्रेस के 140 वर्ष पर आधारित पदयात्रा में संविधान को बचाने का संकल्प लिया जाएगा। डीबीएस चौराहा से रामलीला मैदान होते हुए राधा स्वामी मंदिर के पास समापन होगा।25 जनवरी को कानपुर दक्षिण की पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पदयात्री की संयोजक राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्य प्रतिभा अटल पाल होंगी।

न्यूज ब्रीफ

दुष्कर्म का आरोपी धरा गया, अपहृता बरामद

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : अजगैन कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित युवक को गिरफ्तार कर अपहृता को सकुशल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, बीती 10 नवंबर 2025 को वादिनी की तहरीर पर अजगैन कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान 19 जनवरी की शाम मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने चकलवंशी चौराहे से अपहृता को सुरक्षित बरामद कर वांछित युवक को भी दबोचा लिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान राजू पुत्र राम स्वरूप निवासी उनवा सफीपुर के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई कर कोर्ट भेज दिया गया है।

युवती का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव, अमृत विचार : हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के छीतेपुर गांव निवासी मुन्ना की 19 वर्षीय बेटी लक्ष्मी मंगलवार सुबह घर पर थी। परिजनों के मुताबिक वह सुबह खाना खाकर कमरे में चली गई। थोड़ी देर बाद किसी काम से कमरे में पहुंचे पिता को उसका शव साड़ी के फंदे से लटका मिला। पिता ने सूचना पर पुलिस को बताया कि बेटी बीते एक महीने से मानसिक रूप से परेशान थी। लेकिन कई बार पूछने पर भी उसने इसका कारण नहीं बताया। बेटी की मौत से मां मोहिनी, भाई राज कुमार, रंजीत, मंजीत व बहन शांति का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि परिजनों ने आत्महत्या की तहरीर दी गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पीएम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत, 3 घायल

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा, घटनाओं से घरवालों में कोहराम

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: अलग-अलग थानाक्षेत्र में हुए सड़क हादसों में दो बाइक सवार युवकों की जान चली गई। वहीं तीन युवक घायल हो गए। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किये हैं।

बिहार थानाक्षेत्र के हिंदूखेड़ा (भाटन खेड़ा) गांव निवासी संदीप कुमार (35) पुत्र रामलाल ईंट भट्ठा पर मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह वह गांव निवासी दोस्त उमेश पुत्र राम गुलाम व सुमित के साथ अपनी बाइक से थानाक्षेत्र के मवैया गांव निवासी रिश्तेदार के घर गया था। लौटते समय गांव के पास निकले गंगा एक्सप्रेस-वे के अंडर पास पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे संदीप की मौके पर मौत हो गई।

वहीं उमेश व सुमित गंभीर घायल हो गये। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को बीघापुर 100 बेड अस्पताल में भर्ती कराया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। संदीप की चार वर्ष पूर्व शादी हुई थी। पारिवारिक कलह के चलते पत्नी रिंकी एक साल बाद ही मायके चली गई थी। उसकी मौत से छोटे भाई मनीष, प्रदीप, दिलीप, सुजीत, बहन सरोज, रानू व मां विशुनदेवी रो-रोकर बेहाल हैं। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, साथी घायल

सफीपुर उन्नाव : सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के हमजापुर गांव निवासी महेंद्र (25) पुत्र स्व. रामशंकर खेती करता था। सोमवार देरशाम वह गांव निवासी रामदुलारे पुत्र राजा राम के साथ सकहन गांव की साप्ताहिक बाजार गया था। जहां से देरशाम लौटते समय सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के ददलहा मार्ग पर गहोली नहर पुलिया पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई जिससे दोनों घायल हो गए। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लाए। जहां से दोनों को हैलट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया। लेकिन परिजनों ने महेंद्र को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देररात उसकी मौत हो गई। वहीं रामदुलारे का इलाज जारी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। अभी तहरीर नहीं मिली है।

खंती में पलटा दूध लदा कंटेनर

उन्नाव : हरदोई जिला के कस्बा संडीला निवासी दयाराम सफीपुर स्थित पारस कंपनी से कंटेनर मे दूध लादकर संडीला जा रहा था। आसीवन थानाक्षेत्र के चकलवंशी मार्ग स्थित हैदराबाद कस्बा की मछली मंडी के सामने कोहरे के कारण कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में पलट गया। इससे कंटेनर में लदा करीब 30 हजार लीटर दूध तालाब में बह गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें भी आ गईं।

डिलेवरी बॉय ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मचा कोहराम

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बिंदा नगर चौकी अंतर्गत कंचन नगर बी मोहल्ले में सोमवार रात एक डिलेवरी बॉय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कंचन नगर बी निवासी स्वर्गीय रामू कुशवाहा का 25 वर्षीय पुत्र शुभांशु उर्फ गोलू डिलेवरी बॉय का कार्य करता था। परिजनों के अनुसार वह बीते कई दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। करीब एक सप्ताह पूर्व उसकी मां ने उसे डिलेवरी के काम पर जाने से मना किया था, जिसके चलते वह तनाव में रहने लगा था। सोमवार रात उसकी मां व बहन किसी काम से घर से बाहर गई थीं। इसी दौरान शुभांशु ने घर के आंगन में लगे लोहे के जाल के सहारे साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। कुछ समय बाद जब परिजन घर लौटे तो उसे फंदे से लटका देख उनके होश उड़ गए। परिजनों ने तत्काल डॉयल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिंदा नगर चौकी पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीओ जीआरपी ने लिया थाने का जायजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: रेलवे स्टेशनों पर अपराध नियंत्रण व यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चल रहे अभियान के तहत मंगलवार को जीआरपी सीओ ऋषिकेश यादव ने जंक्शन का निरीक्षण किया। करीब दो घंटे के इस निरीक्षण में सीओ के कड़े तेवर देखने को मिले। अभिलेखों के रखरखाव में मिली खामियों पर उन्होंने संबंधित को फटकार लगाई और सुधार के निर्देश दिए।

मंगलवार सुबह 11 बजे सीओ ऋषिकेश यादव जीआरपी थाने पहुंचे। जीआरपी एसओ धर्मेंद्र सिंह की मौजूदगी में पूरे स्टाफ की परेड ली और अनुशासन का पाठ पढ़ाया। इसके बाद उन्होंने थाने के मालखाने व कार्यालय में रखे रजिस्टर देखे। वहीं, हवालात रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर व उपस्थिति रजिस्टर की जांच के दौरान विशेष रूप से ड्यूटी रजिस्टर में अस्पष्टता मिलने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ड्यूटी चार्ट पारदर्शी व व्यवस्थित होना चाहिए ताकि हर सिपाही की जिम्मेदारी तय हो सके। निरीक्षण में सीओ ने

जीआरपी थाने में अभिलेख चेक करते सीओ। ● अमृत विचार

● अभिलेखों के रखरखाव में मिलीं खामियों पर संबंधितों को फटकार लगाते हुए सुधार के दिए निर्देश

सुरक्षा तंत्र को और अधिक सक्रिय करने पर जोर दिया। उन्होंने एसओ को निर्देशित किया कि प्लेटफार्म व खड़ी ट्रेनों में केवल औपचारिकता के लिए नहीं बल्कि सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला यात्रियों की सुरक्षा व सहायता में कोई कमी न रहे।

किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी को 3 साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार : किशोरी से छेड़छाड़ करने के आरोपी को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही कोर्ट ने उस पर 4 हजार जुर्माना भी लगाया है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी नाबालिग बेटी कक्षा 12 की छात्रा थी। जिससे ऊगू कस्बा के मो. गढ़ी मोहल्ला निवासी सुधीर अक्सर छेड़छाड़ करता था। लोकलाज के भय से वह शांत था। इससे सुधीर का हौसला बढ़ गया और वह छेड़छाड़ करता रहा। तब उसने पुलिस को तहरीर दी जिस पर रिपोर्ट दर्ज आरोपी को जेल भेजा था। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी होने के बाद न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने शासकीय अधिवक्ता कविता सिंह की दलील व साक्ष्य के आधार पर सुधीर को दोषी ठहराते हुए 3 साल की सजा सुनाई है।

दूसरे दिन भी देर से पहुंचे प्रभारी डॉक्टर

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन प्रभारी चिकित्साधिकारी के देरी से पहुंचने के कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह अस्पताल खुलने के बाद ओपीडी के लिए बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे, लेकिन निर्धारित समय पर प्रभारी डॉक्टर के न पहुंचने से व्यवस्था बिगड़ गई।

न्यू पीएचसी में वर्तमान में तीन डॉक्टर तैनात हैं जिनमें प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. रश्मि वर्मा व डॉ. अक्षय कुमार शामिल हैं। मंगलवार को डॉ. रश्मि वर्मा समय से अस्पताल पहुंचीं और

डॉक्टर के न होने पर अस्पताल में लगी मरीजों की लाइन। ● अमृत विचार

● न्यू पीएचसी में बदहाली से मरीजों को हो रही परेशानी

ओपीडी शुरू की, जबकि डॉ. अक्षय कुमार अस्पताल नहीं पहुंचे। वहीं प्रभारी चिकित्साधिकारी भी निर्धारित समय पर नहीं आए। सुबह करीब दस बजे से ही डॉक्टर के कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी लाइन लग गई, जिसमें बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चे शामिल थे। एक ही डॉक्टर के भरोसे ओपीडी चलने से अस्पताल परिसर में भीड़ बढ़ती चली गई और व्यवस्थाएं पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गईं। मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। करीब 11:30 बजे प्रभारी डॉ. राजेश चंद्रा अस्पताल पहुंचे, जिसके बाद ओपीडी की गति कुछ तेज हुई।

बीएलओ से अभद्रता व मारपीट करने के आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के संभरखेड़ा गांव में सोमवार को निर्वाचन से जुड़े एसआईआर कार्य के दौरान एक ग्रामीण द्वारा बीएलओ से गाली-गलौज, अभद्रता और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। बीएलओ की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट व धमकी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को पकड़कर जेल भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम संभरखेड़ा स्थित बूथ पर सोमवार को बीएलओ एसआईआर का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गांव का ही राकेश पुत्र महावीर, नशे की हालत में वहां पहुंचा और कार्य कर रहे बीएलओ कृष्णप्रकाश मिश्रा से गाली-गलौज करते हुए अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, निर्वाचन से संबंधित प्रपत्रों को छीनने का भी प्रयास किया गया। बीएलओ कृष्णप्रकाश मिश्रा, भाग संख्या 356 प्राथमिक विद्यालय देवाराकला ने मामले की शिकायत एसडीएम सदर उन्नाव से की, जिसके निर्देश पर गंगाघाट कोतवाली में तहरीर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट और धमकी देने पर केस पंजीकृत किया है।

दो माह बाद खुला शुक्लागंज-उन्नाव मार्ग

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: मरहला चौराहे पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते बीते नवम्बर माह में शुक्लागंज से उन्नाव जाने वाले मार्ग को बंद किया गया था। 25 नंबर पिलर पर स्लैब ढालने के लिए लगाए गए डायवर्जन के कारण वाहन चालकों को दूसरी लेन से आवागमन करना पड़ रहा था। करीब दो माह में कार्य को पूरा कर लिया गया, जिसके बाद मंगलवार को शुक्लागंज से उन्नाव जाने वाला मार्ग पुनः खोल दिया गया।

कार्यदायी संस्था द्वारा निर्धारित समय में स्लैब ढालने का कार्य पूर्ण करने के बाद मार्ग पर लगाए गए बैरिकेड्स और डायवर्जन को हटा

आरओबी की स्लैब ढलने के बाद खोला गया शुक्लागंज उन्नाव मार्ग। ● अमृत विचार

दिया गया। मार्ग खुलते ही वाहन चालक राहत महसूस करते नजर आए और यातायात सामान्य हो गया। अब तक बंद रहने के कारण व्यापारियों और आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इधर आरओबी निर्माण कार्य के अगले चरण में पिलर नंबर 26 के बीच स्लैब ढालने का कार्य किया जाना है। इसके चलते अब उन्नाव से शुक्लागंज आने वाली लेन को अस्थायी रूप से बंद किया जाएगा। कार्यदायी संस्था द्वारा इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

नाले में डूबने से हुई थी हलवाई की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : 10 दिन से लापता हलवाई का शव नाले में पड़ा मिलने पर पत्नी ने उसकी मौत पर शक जता हत्या किए जाने की आशंका जताई थी। इस पर 2 डॉक्टरों ने वीडियो ग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। इसमें डूबने से उसकी मौत होने की पुष्टि हुई। बता दें कि अजगैन कोतवाली व कस्बा के मोहल्ला कुशुमहार निवासी राजेश (45) पुत्र गंगाराम लोधी हलवाई था। करीब 12 दिन पूर्व वह एक मांगलिक कार्यक्रम में खाना बनाने गया था। लेकिन वहां से आने के बाद वह घर नहीं पहुंचा था। परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन पता नहीं चला। 10 दिन बाद बीते सोमवार उसका शव अजगैन के मोहल्ला निखउड़ा स्थित एक नाले में पड़ा मिला था। पत्नी शैलेंद्री ने पति की हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। पीएम रिपोर्ट में डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है।

स्मार्ट क्लास के लिए दिया गया प्रशिक्षण

उन्नाव, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में समग्र शिक्षा पीएम श्री योजना के तहत विद्यालय में स्थापित कराए गए स्मार्ट क्लास व आईसीटी लैब के प्रयोग हेतु शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण डायट प्रेक्षागृह में हुआ जिसमें एआई आधारित एप्पस का प्रयोग, शिक्षा योजना का निर्माण व डिजिटल बोर्ड के प्रयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षक अमित तिवारी, कुलदीप शर्मा, राघवेन्द्र सिंह आदि ने बताया कि कार्यशाला में ओ लेबल, जेमनी एआई, गूगल फार्म आदि की जानकारी बहुत ही सरल तरीके से बताई गई। जो बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अध्ययन कर रहे बच्चों की शिक्षा में बहुत उपयोगी साबित होगी। प्रशिक्षणकर्ताओं में डायट प्रवक्ता बृजेश यादव, शिखा मिश्रा, प्रदीप पाल, देवेश अग्रवाल, रवि किरण आदि ने सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

अमित को प्रमाणपत्र देते डायट प्रवक्ता बृजेश यादव।

रोटरी क्लब गंगाघाट को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : नगर व आसपास क्षेत्रों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों के चलते रोटरी क्लब गंगाघाट को पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। रोटरी इंटरनेशनल ने मंडल 3110 की गंगाघाट इकाई द्वारा बाढ़ पीड़ितों की सहायता में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को अंतरराष्ट्रीय पत्रिका रोटरी न्यूज में प्रकाशित किया है। इस उपलब्धि पर मंगलवार को राजमार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मंडल के पूर्व गवर्नर ने क्लब अध्यक्ष रो. अवनीश शुक्ला, सचिव रो. आनंद पांडेय सहित पदाधिकारियों को सम्मानित किया। गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने पर कटरी क्षेत्र के गायत्री नगर व भातू फार्म में नावों के माध्यम से 136 बाढ़ प्रभावित परिवारों को राशन सामग्री वितरित की गई थी। अध्यक्ष ने इसे पूरे नगर के लिए गौरव बताया। इसी कड़ी में फरवरी के प्रथम सप्ताह में सरकारी विद्यालयों की लगभग 40 जरूरतमंद छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में रो0 अंकुर शुक्ला, रवि शुक्ला, कमल वर्मा, आशुतोष शुक्ला, विवेक शुक्ला, रितेश मिश्रा मौजूद रहे।

जानकारी देते रोटरी क्लब के अध्यक्ष व पदाधिकारी।

निर्विरोध अध्यक्ष बने शैलेंद्र सिंह

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : उप्र सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष पद के चुनाव में हसनगंज के भाजपा समर्थित प्रत्याशी शैलेंद्र सिंह का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। उनके इस निर्वाचन पर भाजपा कार्यकर्ताओं व विधायक बृजेश रावत ने नव निर्वाचित अध्यक्ष का माला पहनाकर व लड्डू खिलाकर बधाई दी। तहसीलदार अविनाश चौधरी व चुनाव अधिकारी सहायक निर्वाचन अधिकारी विपिन वर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन पत्र दाखिल हुआ था। जिस पर शैलेंद्र सिंह को ग्राम विकास बैंक अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री नूतन सिंह, कपिल निगम, मिलन पांडे, राजन शर्मा, आनंद पंडित, जितेंद्र सिंह व सविता रावत आदि मौजूद रहे।

नव निर्वाचित अध्यक्ष के साथ मौजूद विधायक व अन्य। ● अमृत विचार

शबरी प्रसंग सुनकर भक्त हुए भावविभोर

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: पोनी रोड स्थित श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर में मंगलवार को चल रही श्री राम कथा में कथा व्यास संजीव कृष्ण दुबे ने भगवान राम के वनवास प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि वनवास के दौरान भगवान राम प्रयाग होते हुए महर्षि वाल्मीकि के आश्रम पहुंचे और निवास के लिए स्थान पूछा।

इस पर त्रिकालदर्शी मुनि वाल्मीकि ने कहा कि ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां प्रभु आप नहीं हैं। आपके स्वरूप और मर्म को ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी पूर्ण रूप से नहीं जान सकते। कथा व्यास ने चित्रकूट के कामदगिरि पर्वत का

कथा का बखान करते व्यास संजीव कृष्ण दुबे। ● अमृत विचार

उल्लेख करते हुए बताया कि यह भगवान के सारंग धनुष का प्रतीक है, जिसे जिस दिशा से देखा जाए वह धनुषाकार दिखाई देता है। उन्होंने इंद्र पुत्र जयंत का प्रसंग सुनाया, जिसने सीता-राम में भेद समझकर प्रभु की शक्ति की परीक्षा ली, जिसके परिणामस्वरूप उसकी भेद दृष्टि नष्ट हो गई। इसके साथ ही शबरी की प्रतीक्षा और भक्ति का वर्णन करते हुए बताया कि धैर्य व प्रतीक्षा से ही भगवत प्राप्ति होती है। इस अवसर पर सुषमा, सुशील, संजय, अजीत, पवन गुप्ता, प्रसून दोसर, विदर्भ दोसर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोल्ट्स ने आइडियल क्लब को दी पटखनी

उन्नाव, अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित अंडर-16 डॉ. सुखदेव प्रसाद गुप्ता जनपदीय क्रिकेट लीग का आयोजन हुआ। सप्रू क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए उद्घाटन मैच में कोल्ट्स क्लब ने आइडियल क्लब को हराकर जीत दर्ज की। प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व रणजी खिलाड़ी राहुल सप्रू ने किया। टॉस जीतकर आइडियल क्लब के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोल्ट्स क्लब की टीम ने 30 ओवरों में सभी विकेट खोकर 155 रन बनाए। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आइडियल क्लब की टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 133 रन ही बना सकी। हालांकि, आइडियल क्लब के प्रिंस यादव ने 50 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर संघर्ष किया। लेकिन दूसरे छोर से सहयोग न मिलने के कारण टीम लक्ष्य से दूर रह गई।

पशुओं को बीमारी से बचाने को 22 से लगेगा सुरक्षा कवच

उन्नाव, अमृत विचार : जिले के पशुधन को खुरपका-मुंहपका एफएमडी जैसी घातक व संक्रामक बीमारी से बचाने के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 22 जनवरी से पूरे जिले में टीकाकरण का सातवां चरण शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 10 मार्च तक चलेगा। उन्होंने जानकारी दी कि जिले को अब तक 3,40,000 एफएमडी वैक्सीन मिल चुकी हैं। इस महाअभियान के तहत जिले के सभी गोवंशीय व महिषवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य जिले से इस संक्रामक बीमारी को जड़ से खत्म करना है। जिससे पशुपालकों को होने वाला आर्थिक नुकसान रोका जा सके। अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए सीवीओ ने बताया कि पशुपालन विभाग की टीमें गांव की हर गली और हर खूंटे तक पहुंचेंगी। विभाग ने शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य रखा है ताकि कोई भी पशु इस जानलेवा विषाणुजनित बीमारी की चपेट में न आए। इस अभियान की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टीकाकरण पूरी तरह से निःशुल्क है। पशुपालकों को टीका लगवाने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि खुरपका-मुंहपका एक छुआछूत की बीमारी है जो तेजी से फैलती है, सीवीओ ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि इस सरकारी महाअभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। जब विभाग की टीम आपके द्वार पहुंचे, तो अपने पशुओं को टीका अवश्य लगवाएं। यह आपके पशुओं के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा के लिए अनिवार्य है।

निर्देश | **जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में हुई जिला टास्क फोर्स की बैठक**

खनन पर डीएम सख्त, बार-बार उल्लंघन करने वालों पर दर्ज हो केस

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: जिले में अवैध खनन व खनिजों के अवैध परिवहन पर लगाम कसने के लिए डीएम गौरांग राठी ने कलक्ट्रेट के पन्नालाल सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक की। इसमें डीमए ने निर्देश दिए कि अब केवल चालान से काम नहीं चलेगा बल्कि बार-बार नियम तोड़ने वालों पर जेल भेजने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

डीएम ने खनन व परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि जिन वाहनों का दो से अधिक बार चालान हो चुका है उन्हें चिन्हित कर उनके स्वामियों पर लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धारा में रिपोर्ट दर्ज की जाए। कहा कि अवैध खनन में संलिप्त आदतन अपराधियों पर कोई नरमी न बरती जाए। प्रशासन अब अवैध खनन की निगरानी के लिए डिजिटल माध्यमों का सहारा लेगा। एमचेक एप वाहनों की वैधता की रियल-टाइम जांच के लिए इस ऐप का अनिवार्य उपयोग किया जाएगा। तहसील स्तर पर विशेष ग्रुप बनाए जाएंगे और एक तय प्रारूप पर रोज रिपोर्ट साझा की जाएगी। डीएम ने जिला खनन अधिकारी को निर्देश दिए कि किसी भी खनन पट्टे या परमिशन को जारी करने से पहले सभी दस्तावेजों की गहनता से जांच

पन्नालाल सभागार में बैठक करते डीएम गौरांग राठी।। ● अमृत विचार

करें। एआरटीओ को निर्देश दिये कि वे ऐसे पंजीकृत वाहनों की सूची पेश करें जो ब्लैक लिस्टेड हैं या लंबे समय से चालान जमा नहीं कर रहे हैं। पकड़े गए अवैध वाहनों को मुर्तजा नगर स्थित व्हीकल डिटेंशन यार्ड में खड़ा किया जाएगा।

बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, एएसपी व जिला खनन अधिकारी मनीष कुमार मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में हुई ई-लॉटरी, किसानों को निःशुल्क मिलेंगे मूंग व मूंगफली के बीज

उन्नाव : विकास भवन सभागार में डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में राज्य सहायतित निःशुल्क दलहन व तिलहन बीज मिनीकिट वितरण कार्यक्रम के तहत ई-लॉटरी का आयोजन हुआ। उप कृषि निदेशक रविचंद्र प्रकाश ने बताया कि विभाग को मूंग व मूंगफली के मिनीकिट के लिए किसानों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दर्शन पोर्टल 2.0 के माध्यम से मूंग 40 मिनीकिट के लक्ष्य के सापेक्ष 95 किसानों ने बुकिंग कराई। मूंगफली 50 मिनीकिट के लक्ष्य के सापेक्ष 187 किसानों ने आवेदन किया। निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन आने से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डीएम की उपस्थिति में ई-लॉटरी प्रणाली से लाभार्थियों का चयन किया गया। उप कृषि निदेशक ने स्पष्ट किया कि ई-लॉटरी की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है। जिन किसानों का चयन सूची में कन्फर्म हुआ है उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर विभाग से विजेता होने का संदेश भेजा जाएगा। इसके बाद किसान अपनी मिनीकिट प्राप्त कर सकेंगे। डीएम ने निर्देश दिए कि बीज वितरण का कार्य पूरी निष्पक्षता के साथ किया जाए ताकि वास्तविक पात्र किसानों को सरकार की इस योजना का सीधा लाभ मिल सके।

गोपीनाथपुरम के पास हुआ खिचड़ी वितरण

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : मंगलवार को राजधानी मार्ग स्थित गोपीनाथपुरम के पास श्री दुर्गा मोटर्स की ओर से खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राहगीरों और आसपास के लोगों ने गर्मागर्म खिचड़ी का आनंद लिया। खिचड़ी वितरण दोपहर से शुरू होकर शाम तक लगातार चलता रहा, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद रूप में खिचड़ी ग्रहण की। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामाजिक सेवा के उद्देश्य से खिचड़ी वितरण कराया गया है। ठंड के मौसम में गर्म भोजन मिलने से जरूरतमंदों और राहगीरों को काफी राहत मिली। इस अवसर पर राजन सिंह, विपिन सिंह, मनोज, सार्थक, गौरी, शिवकांत मौजूद रहे।

राजधानी मार्ग पर वितरित की गई खिचड़ी।

अमृत विचार

बुधवार, 21 जनवरी 2026

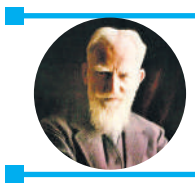

सफलता कभी गलती न करने में निहित नहीं होती, बल्कि एक ही गलती दोबारा न करने में निहित होती है।

–जॉर्ज बर्नार्ड शा, विचारक

चांदी की चकाचौंध

अनुमान बताते हैं कि इस वर्ष चांदी के भाव 4 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंचेंगे। चांदी के दाम में अभूतपूर्व तेजी अब केवल निवेश या कमोडिटी बाजार का विषय नहीं, यह देश में मध्यम वर्ग के घरेलू बजट और सामाजिक जीवन पर सीधा असर डालने वाला मुद्दा बन चुका है। जब महंगाई पहले से ही आम परिवार की क्रय-शक्ति को दबाव में रखे हुए है। ऐसे में चांदी की बढ़ती कीमतें हमारे लिए एक गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौती बन चुकी है। चांदी के बर्तन, दीवाली और विवाह जैसे अवसरों पर उपहार, पूजा-पाठ, देवमूर्ति, अनुष्ठान और आभूषण भारतीय जीवनशैली के अभिन्न हिस्से हैं। इसलिए हमारे यहां चांदी का महत्व सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। ऐसे में चांदी का महंगा होना परंपराओं और रीति-रिवाजों को भी अतिशय महंगा बना देता है। मध्यम वर्ग, जो इन परंपराओं को निभाने के लिए सीमित बचत पर निर्भर रहता है, सबसे अधिक प्रभावित है। चांदी की कीमतों में इस भारी उछाल के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं, उन पर हमारा हस्तक्षेप नहीं के बराबर है। वह चाहे लैटिन अमेरिकी देशों में इसकी खदानों का पुराना पड़ना और इसका उत्पादन घटना हो अथवा भू-राजनीतिक तनाव और व्यापारिक विवादों का बढ़ना। अनिश्चितता और महंगाई के माहौल में देशों व निवेशकों का चांदी का संग्रह हो या फिर चांदी की औद्योगिक मांग का वैश्विक स्तर आसमान छूना। पर्यावरण बचाने की मांग पर प्लांड माइनिंग हो अथवा ज्यादातर देशों का ग्रीन एनर्जी पर ज्यादा केंद्रित होना। यह मांग संरचनात्मक है और निकट भविष्य में घटने वाली नहीं। चूंकि चांदी अक्सर तांबे और जिंक की खुदाई के साथ सह-उत्पाद के रूप में निकलती है, इसलिए जब तक इन धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ेगा, चांदी की वैश्विक आपूर्ति में भी तेजी आना मुश्किल है।

भारत की स्थिति इस संदर्भ में कुछ ज्यादा संवेदनशील है। देश में सालाना चांदी का उत्पादन करीब 800 टन है, जबकि खपत 7,000 टन से अधिक। यानी भारत दुनिया की कुल चांदी मांग का 20-25 प्रतिशत अकेले खींच लेता है और इसका बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। यह आयात निर्भरता न केवल कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है, बल्कि चालू खाते के घाटे पर भी दबाव डालती है। बेशक हमें इसका समाधान घर में ही तलाशना होगा। सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करने की बात कर रही है, लेकिन अब तक इसका असर सीमित दिखता है। पुरानी चांदी की रीसाइक्लिंग, ई-वेस्ट से रिकवरी और खनन में निजी निवेश बढ़ाने जैसे कदम अब और तेज करने होंगे। कीमतें अंतर्राष्ट्रीय भाव, डॉलर रेट, आयात शुल्क, जीएसटी और स्थानीय लागत से तय होती हैं। सरकार के पास सीमित गुंजाइश है, लेकिन आयात शुल्क या कर ढांचे में अस्थायी छूट देकर घरेलू बाजार को कुछ हद तक राहत दी जा सकती है। हालांकि दीर्घकालिक समाधान आयात निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन और रीसाइक्लिंग बढ़ाने तथा उद्योगों में वैकल्पिक तकनीकों को बढ़ावा देने में ही निहित है। तभी आम आदमी के लिए चांदी की चमक बरकरार रह सकेगी अन्यथा उसकी चौंध कष्ट का कारक बनी रहेगी।

प्रसंगवश

खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज

निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनिश्चित मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपनाकर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई क्रांति का सूत्रपात कर सकते हैं?

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिंता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वर्षीय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एंबेसडर' कहा जाता है, लेकिन वे उस पारंपरिक ज्ञान की प्रतिनिधि हैं, जिसे आधुनिक खेती ने हाशिए पर डाल दिया है। ऐसा ही एक उदाहरण पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव के किसान अमृत चहल का है। वे देसी बीजों और प्राकृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल विकसित कर रहे हैं, जो आर्थिक रूप से भी टिकाऊ है। सहकारी ज्ञान और मार्केटिंग के सहारे उन्होंने यह दिखाया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला नहीं, बल्कि अपने बीज और बाजार का मालिक भी हो सकता है। 2023 में उन्होंने देसी बीज बैंक की स्थापना की, जहां अनाज, सब्जियों और चारे सहित 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्में संरक्षित हैं। यह फसल विविधता उस खेती की याद दिलाती है, जो कभी स्थानीय जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप थी।

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिह्नित करती हैं। कभी उन पर राखी बांध दी जाती है, कभी उन्हें अलग कपड़े में सुरक्षित रखा जाता है, ताकि कटाई के समय उनकी अलग से पहचान संभव हो सके। सहेज कर रखे गए यही दाने अगले मौसम के बीज बनते हैं। ऐसे और भी उदाहरण हैं। यह सच है कि पारंपरिक बीज कोई चमत्कारी समाधान नहीं हैं, लेकिन वे खेती को कम जोखिम वाला और अधिक आत्मनिर्भर बना सकते हैं। ये बीज स्थानीय जलवायु के अनुरूप होते हैं, कम पानी में टिकते हैं और किसान इन्हें खुद सहेज सकता है। इससे बीज, खाद और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च घटता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार मोटे अनाज कम पानी में उगते हैं और स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हैं। जब देश की 60 प्रतिशत खेती बारिश पर निर्भर है, तब यह पहलू और महत्वपूर्ण हो जाता है। पारंपरिक देसी बीज केवल खेती या पर्यावरण का विषय नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा से भी जुड़े हैं। देसी बीजों को सहेज रहे किसान केवल अतीत नहीं बचा रहे, बल्कि आने वाले समय की राह तैयार कर रहे हैं। जरूरत है कि सरकार, वैज्ञानिक, किसान संगठन और समाज मिलकर पारंपरिक बीजों को भविष्य की आवश्यकता के रूप में स्वीकार करें, क्योंकि अगर बीज बचेंगे, तभी जीवन बचेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव में क्या भाजपा को मिलेगा बहुमत?

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

बिहार के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय के चुनाव परिणाम ने लोगों को फिर चौकाया है। बीजेपी के प्रति इतना जबरदस्त समर्थन अब विरोधियों को भी यह कहने पर मजबूर कर रहा है कि भगवा पार्टी कमाल कर रही है। उसका संगठन अब इतना मजबूत हो चुका है कि कोई अन्य पार्टी उसके आसपास भी खड़ी नहीं हो पा रही है। जाहिर है बीजेपी में जिस प्रोफेशनल एक्सेलेन्स की बात अखिलेश यादव ने की है, उसे पार्टी में लाने का श्रेय किसी को जाता है, तो वह गृह मंत्री अमित शाह हैं और अब उन्हीं गृह मंत्री के हाथों में बीजेपी ने बंगाल और तमिलनाडु का चुनाव प्रभार सौंप दिया है। अब लोगों में यह उम्मीद बंध गई है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भी इस बार बीजेपी को दो-तिहाई बहुमत लेकर आएगी।

बंगाल से जुड़े कई स्वतंत्र टिप्पणीकार यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 50 सीटों से भी नीचे चली जाएगी और आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी सीट भवानीपुर को भी बचाने में बड़े पापड़ बेलने पड़ सकते हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ता से यदि टीएमसी बाहर होती है, तो इसके पीछे बीजेपी के उत्थान के साथ ममता बनर्जी के ध्रुवीकरण वाली राजनीति का पतन भी एक बड़ा कारण होगा। क्योंकि अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति से प्रदेश की 70 फीसदी जनता ऊब चुकी है और इस बार बदलाव की आवाज साफ सुनाई दे रही है। जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने 29 से 31 दिसंबर तक की कोलकाता की यात्रा की स्थानीय लोगों और बीजेपी कार्यकर्त्ताओं में इसी तरह का जज्बात साफ दिखाई दिया था। यह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान की एक तरह से शुरुआत थी।

अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

अमित शाह ने अपने चिरपरिचित अंदाज में मैराथन संगठनात्मक बैठकें कीं, पार्टी कार्यकत्ताओं के साथ-साथ आरएसएस के पदाधिकारियों को भी जाग्रत कर दिया और लगे हाथ, उन्होंने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए दो-तिहाई बहुमत की भविष्यवाणी भी कर दी। अमित शाह जिस भी विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी लेते हैं, वहां सबसे पहले संगठन को कसने से ही शुरुआत करते हैं। विधायकों, सांसदों के साथ-साथ नगर निगम पार्षदों तक के साथ लगातार बंद कमरे में बात करते हैं और कहीं भी किसी गफलत की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं।

पश्चिम बंगाल में भी अमित शाह ने ममता सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार, चिट फंड घोटाला, नौकरी घोटाला, कोयला घोटाला और पशु तस्करी के मुद्दे चिह्नित कर लिए हैं और उसमें संलिप्त तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों के नाम भी उजागर कर दिए हैं। सबसे ऊपर बीजेपी जिस मुद्दे को लेकर चुनाव जितने के प्रति आश्वस्त है, वह है बांग्लादेश से घुसपैठ का मुद्दा। ममता बनर्जी इस मुद्दे पर घिर चुकी हैं। अमित शाह के इस आरोप का उनके पास जवाब नहीं है कि आखिर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने बीएसएफ को जमीन देने से क्यों इनकार किया?

बीजेपी ने यह रिकार्ड पेश किया है कि असम और त्रिपुरा से घुसपैठ की घटनाएं लगभग बंद हो गई हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में अब भी जारी है। इस कारण बंगाल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। खड़गपुर से कोलकाता और बर्धमान से सिलीगुड़ी तक का पूरा इलाका डेमोग्राफिक रूप से बदल गया है। स्थानीय लोग ही बताते हैं कि ये सारे इलाके अब बांग्लादेशी निवासियों से भर गए हैं। ये पश्चिम बंगाल के मूल निवासी नहीं हैं, लेकिन संसाधनों पर इनका कब्जा हो चुका है। वे बेहतर पैसे और अच्छी जिंदगी के लालच में आए थे, लेकिन बंगाल के राजनीतिज्ञों ने उनका यहीं बसेरा बना दिया। बीजेपी के इस वायदे में बंगाली समुदाय को एक विश्वास दिखता है कि घुसपैठ पर लगाम के लिए एक नेशनल ग्रिड बनना चाहिए और गृह मंत्री इसको चुनावी अभियान का हिस्सा बनाना चाहते हैं।देखा जाए तो बीजेपी की चुनावी राजनीति की कमान जब से अमित शाह संभाल रहे हैं, तब से लगातार पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की स्थिति सुधर रही है। 2016 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को केवल में 3 विधानसभा सीटों में ही जीत हासिल हुई थी, लेकिन 2021 में 77 सीटों को जीतने में बीजेपी सफल रही। उसी तरह से 2014 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में बीजेपी को 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 39 प्रतिशत वोटों का सहारा मिला। बीजेपी अमित शाह के नेतृत्व में बिहार की ही तरह बूथ-केंद्रित रणनीति अपनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल के कुल 81,000 मतदान बूथों में से बीजेपी ने 65,000 के लिए बूथ समितियां बना ली हैं और सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारक तैनात कर दिए हैं।

दूसरी तरफ ममता बनर्जी के शासन काल में अपराध और अपराधियों की मौजूदगी बढ़ती जा रही है। खुद मुख्यमंत्री अराजकता की लाइन पार करती दिखाई देती हैं। वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी अक्सर उल्लंघन करती दिखाई देती हैं। केंद्र के साथ बैठकों में भी कागज फेंकने, झल्लाने और घमंड दिखाने से बाज नहीं आतीं। पीएम मोदी लगातार धैर्य और सहिष्णुता से पेश आते रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में ईडी के अधिकारियों के साथ ममता के असंवैधानिक व्यवहार उनकी सरकार को बर्खास्त करने का कारण बन सकता था। फिर भी बीजेपी नेतृत्व इसकी मांग से बच रहा है।

बीजेपी संभवतः यह मान रही है कि 2026 में बंगाल की सीएम ममता नहीं होंगी और टीएमसी के लिए खुद को बचाए रखना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि मुस्लिम वोट के लिए हिंदुओं के साथ भेदभाव का यह दौर अब आगे नहीं चल सकता। अमित शाह ज्यादातर मामलों में अपनी बात पर खरे उतरे हैं, बंगाल भी उनके लिए उनके वायदे के साथ खड़ा होगा क्या?

आमने

पीर पंजाल क्षेत्र के लोगों को अपनी प्रशासनिक समस्याओं के लिए बार-बार जम्मू और श्रीनगर नहीं जाना चाहिए। इस इलाके को डिविजन का दर्जा और डिविजनल कमिश्नर स्तर का अधिकारी मिलने से आम जनता को बड़ी राहत मिल सकती है।

–महबूबा मुफ्ती, पीडीपी चीफ

सामने

ऐसे सुझाव जम्मू-कश्मीर को कमजोर करने वाले हैं न कि मजबूत करने वाले। लद्दाख के लोगों को आज तक कोई ठोस फायदा नहीं मिला। इस तरह के फैसलों में भावनाओं या राजनीतिक एजेंडे से ज्यादा जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है।

–फारूक अबदुल्ला, नेता, नेशनल कॉन्फ्रेंस

संकीर्ण सोच और गोद लेने की सामाजिक विडंबना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक

यह हमारे समाज की एक गहरी और पीड़ादायक विडंबना है कि एक ओर अनेक दंपती संतान सुख के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा करते हैं, मंदिरों-अस्पतालों के चक्कर लगाते हैं, तरह-तरह के उपचार कराते हैं, तो दूसरी ओर हमारे ही समाज में असंख्य ऐसे बच्चे हैं, जो माता-पिता के स्नेह से वंचित, अनाथालयों और बाल संरक्षण गृहों में बड़े हो रहे हैं। यह विरोधाभास केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि उस संकीर्ण सोच का परिणाम भी है, जो आज भी गोद लेने जैसी मानवीय प्रक्रिया को संदेह, शर्तों और पूर्वाग्रहों से घेर देती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े इस सच्चाई को उजागर करते हैं कि गोद लेने की प्रक्रिया में प्रतीक्षा सूची लगातार लंबी होती जा रही है। इसके बावजूद अनेक बच्चे ऐसे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है और वे अब भी किसी परिवार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दुखद तथ्य यह है कि अधिकांश दंपती नवजात शिशु या अधिकतम चार-पांच वर्ष तक के बच्चों को ही गोद लेना चाहते हैं। जैसे-जैसे बच्चे की उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके लिए परिवार मिलने की संभावनाएं क्षीण होती जाती हैं। यह चयन केवल उम्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि रंग-रूप, स्वास्थ्य और कभी-कभी जातीय पृष्ठभूमि तक फैल जाता है।

इस सोच के पीछे भय और असुरक्षा की भावना गहराई से जमी हुई है। लोग यह मान लेते हैं कि बड़ा बच्चा आसानी से परिवार में घुल-मिल नहीं पाएगा, उसके स्वभाव में जिद या मानसिक जटिलताएं होंगी या वह माता-पिता से भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाएगा। जबकि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन बताते हैं कि स्नेह, धैर्य और अपनत्व मिलने पर बड़े बच्चे भी उतनी ही सहजता से नए परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। वे पहले से समझदार होते हैं, भावनाओं को पहचानते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता के साथ गहरा रिश्ता बना लेते हैं। गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं। इस दौरान उन्हें भोजन, शिक्षा और सुरक्षा तो मिल जाती है, पर वह अपनापन नहीं मिल पाता, जो किसी परिवार का हिस्सा होने से मिलता है। समय के साथ जब वे देखते हैं कि छोटे बच्चों को गोद ले लिया जाता है और वे स्वयं पीछे छूट जाते हैं, तो उनके मन में हीनता, उपेक्षा और अस्वीकृति की भावना घर कर जाती है।

यह प्रश्न गंभीर है कि क्या संतान सुख पाने के लिए केवल अपनी सुविधा और सामाजिक छवि को ही प्राथमिकता देना सही है। क्या उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करना स्वस्थ सामाजिक सोच का प्रमाण है। सच तो यह है कि बच्चा किसी भी उम्र का हो, उसकी सबसे बड़ी आवश्यकता प्रेम, सुरक्षा और पहचान होती है। जब उसे यह एहसास होता है कि कोई उसे अपनाना चाहता है, उसकी जिम्मेदारी लेना चाहता है, तो उसका जीवन नई दिशा पा लेता है। यदि निःसंतान दंपती अपनी सोच में थोड़ा-सा बदलाव लाएं और बड़े उम्र के बच्चों को अपनाने का साहस करें, तो न केवल उन बच्चों का भविष्य संवर सकता है, बल्कि स्वयं दंपती का जीवन भी अर्थपूर्ण बन सकता है।

बड़े बच्चे अक्सर अपनी स्थिति को समझते हैं और माता-पिता के प्रयासों की कद्र करते हैं। वे पढ़ाई, व्यवहार और जिम्मेदारियों को लेकर अधिक सजग होते हैं। सही मार्गदर्शन और प्रेम मिलने पर वे परिवार की मजबूती का आधार बन सकते हैं। समाज की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज भी गोद लेने को लेकर तरह-तरह की फुसफुसाहटें, सवाल और शंकाएं उठती हैं। लोग यह भूल जाते हैं कि परिवार खून के रिश्तों से नहीं, भावनात्मक जुड़ाव से बनता है, जब समाज इस सच्चाई को स्वीकार करेगा, तभी गोद लिए गए बच्चों को भी वही सम्मान और समानता मिलेगी, जो जैविक संतान को मिलती है।

अनाथ बच्चों के लिए परिवार मिलना केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सकारात्मक बदलाव है। परिवार में शामिल होने पर ये बच्चे स्वयं को मूल्यवान महसूस करते हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं। इससे सामाजिक असमानता, अपराध और उपेक्षा की प्रवृत्तियों में भी कमी आ सकती है। इस दिशा में सरकार, सामाजिक संगठनों और मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। गोद लेने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और संवेदनशील बनाया जाना चाहिए, ताकि दंपतियों का भय कम हो और वे आगे आने के लिए प्रेरित हों। साथ ही समाज में ऐसे उदाहरणों को सामने लाना आवश्यक है, जहां बड़े उम्र के बच्चों को गोद लेकर उन्हें प्रेम, शिक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन दिया गया हो।

विद्यालयों और सामाजिक मंचों पर गोद लेने को लेकर सकारात्मक संवाद होना चाहिए, जिससे यह भावना विकसित हो कि हर बच्चा अपनाए जाने योग्य है, जब संवेदना, जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टि हमारी सोच का हिस्सा बनेंगी, तभी गोद लेने की प्रक्रिया एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकेगी और असंख्य बच्चों का सूना जीवन आशा से भर उठेगा। अनाथ बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जीवन देने के लिए सोच में परिवर्तन अनिवार्य है, क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति उसके व्यवहार से होती है।

गोद लेने की प्रक्रिया में लंबी प्रतीक्षा और जटिल शर्तों का सबसे बड़ा खामियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। अनाथालयों में बिताए गए ये वर्ष उनके बचपन के सबसे संवेदनशील क्षण होते हैं।

सोशल फोरम

एक साथ नहीं मिल सकते सुखभोग और आत्मगौरव

आज समाज में भोगी और कामी (स्त्री और पुरुष दोनों) का इतना महिमामंडन क्यों किया जाने लगा है? महिमामंडन तो त्यागी और संयमी का होना चाहिए न? भोगी और कामी ने वैसी कौन-सी उपलब्धि पाई है, जिसके लिए वह गौरव से भरना चाहता है, समाज से मान्यता चाहता है? जैसे जल नीचे की ओर रिस जाता है, वैसे ही मनुष्य की चेतना मूलाधार के सुखों में अटकी रहती है। कोई मनुज इससे मुक्त नहीं। यश तो उसका है, जिसने अपनी चेतना को ऊर्ध्वगामी बनाया, जो जितेन्द्रिय हुआ या जिसने इसके लिए यत्न किए। कामनाओं के सम्मुख घुटने टेक देने वालों को किस बात के आत्मगौरव की चाह है? कामना मनुष्य की प्राथमिक, मूलभूत और आदिम वृत्ति है। मनुष्य सुख का लोभी है। प्रायः पूरा जीवन ही सुख की टोह में रहता है। इसमें भी बहुधा यह सुख भौतिक ही रहता है- जिह्वा और जननेन्द्रिय की क्षणचपल उत्फुल्लता। सुख के इस अनवरत शोध से मनुष्य क्या अर्जित करना चाहता है, ये उसे स्वयं ही नहीं पता। किंतु यदि कोई व्यक्ति आजीवन अपनी कामनाओं की ही पूर्ति करता रहे, तो वह खंख होकर रह जाएगा, निरा भौतिकवादी भोग-पुतुल बनकर रह जाएगा, उसके भीतर सरणियां नहीं होंगी, कोई आत्मसंघर्ष न होगा।

सुशोभित

लेखक

व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण आत्मसंघर्ष से होता है। इन्द्रिय-दमन की बात नहीं कर रहा हूं, कामनाओं के शमन की ओर भी संकेत नहीं है। संकेत उस विषाद की ओर है, रिक्तता और क्षोभ की ओर है, जो हर निरे इन्द्रिय-सुख की पूर्ति के बाद मनुष्य के भीतर उठता है, उठना ही चाहिए। अपने सुखों के प्रति एक मूक-विद्रोह मनुष्य होने की बुनियादी पहचानों में से है। फिर यह युग तो यों भी भोग का ही है। भोग की कीच में सभी सूरमा अपनी तलवारों की टूटी मूंठों के साथ निरुपाय पड़े हैं। कोई इसे अपनी विजय बताता हो, तो यह उसकी मूढ़ता ही कहलाएगी। स्मरण रहे, वर्तमान कालखंड में क्रांतिकारी वह है, जो कहता है मैंने त्यागा, वह नहीं, जो कहता है मैंने भोगा। आज की तारीख में विद्रोही वह है, जो पूछता है मैं कब तक अपनी इन्द्रियों का अनुचर बना रहूंगा, कब तक इसकी तृष्णा पूरी करने के लिए खटता रहूंगा? आज की तारीख में वह विद्रोही नहीं है, जो कहता है मैंने छककर खाया और फिर अघाया और कल फिर उठा और फिर से सुखों की टोह में निकल पड़ा- निष्प्रयोज्य, दिशाहारा। जो वैसा करते हैं, उनसे विरोध नहीं है, उनकी निंदा भी नहीं है, किंतु उसमें आत्मगौरव नहीं है। उन्मुक्त सुखभोग और आत्मगौरव दोनों एक साथ नहीं मिल सकते, मित्र। कोई एक चुन लो।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

हाइड्रोजन ट्रेनः भारत की हरित परिवहन क्रांति

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और आधुनिक परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर ली है। हाल ही में भारतीय रेलवे ने विश्व की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन का सफल परीक्षण कर यह सिद्ध कर दिया है कि देश अब केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का नेतृत्वकर्ता बनता जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे के लिए गर्व का विषय है, बल्कि भारत के उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को केंद्र में रखा गया है। हाइड्रोजन आधारित यह ट्रेन आने वाले समय में भारतीय परिवहन व्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदलने की क्षमता रखती है। उत्तर रेलवे के अनुसार हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच इस अत्याधुनिक ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। इसके लिए जींद में विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ा एक प्लांट स्थापित किया गया है, जिसे निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति से जोड़ा गया है।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

यह व्यवस्था दर्शाती है कि हाइड्रोजन आधारित परिवहन केवल प्रयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे व्यावहारिक स्तर पर लागू करने की ठोस तैयारी की जा चुकी है। परीक्षण के दौरान रेलवे विशेषज्ञों ने पावर कार, सुरक्षा प्रणालियों, स्पीड सेंसर, ब्रेकिंग सिस्टम और नियंत्रण तंत्र की गहन जांच की, ताकि किसी भी स्थिति में ट्रेन का सुरक्षित और स्थिर संचालन सुनिश्चित किया जा सके। यह भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है, जिसे 'जीरो आवाज, जीरो पॉल्यूशन' के सिद्धांत पर विकसित किया गया है। इसकी अनुमानित गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा के बीच होगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ आधुनिक डीजल ट्रेनों के बराबर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। परीक्षण के दौरान ट्रेन को धीमी और मध्यम गति पर चलाकर कोचों की ऊंचाई, पायदान और संरचनात्मक मजबूती की भी बारीकी से जांच की गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भविष्य में यह ट्रेन ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श मॉडल बन सकती है।

हाइड्रोजन को ऊर्जा स्रोत के रूप में अपनाने की दिशा में भारत पहले से ही व्यापक प्रयास कर रहा है। 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन' के तहत सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा जरूरतों को स्वदेशी और स्वच्छ संसाधनों से पूरा करना तथा भारत को वैश्विक हरित हाइड्रोजन हब के रूप में स्थापित करना है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा से पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है, जिसमें उत्सर्जन के नाम पर केवल पानी निकलता है। परिवहन क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग को लेकर भारत में कई स्तरों पर प्रयोग हो रहे हैं। दिल्ली में इंडियन ऑयल द्वारा सौर ऊर्जा से संचालित ग्रीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल बसों का परीक्षण किया जा रहा है। हाइड्रोजन ईंधन को बढ़ावा देने के पीछे सरकार का उद्देश्य केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, ऊर्जा आयात घटाना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है। कुल मिलाकर, हाइड्रोजन की पटरी पर दौड़ती यह ट्रेन केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन साधने की भारतीय सोच का प्रतीक है। यदि यह प्रयोग सफलतापूर्वक विस्तारित होता है, तो भारत स्वच्छ परिवहन के साथ-साथ वैश्विक हरित ऊर्जा नेतृत्व की दिशा में भी एक मजबूत कदम बढ़ाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

हस्तशिल्प और कला इन दोनों के बीच बहुत महीन विभाजन रेखा है और यह दोनों ही एक-दूसरे में रूपांतरित हो सकते हैं। ठीक वैसे ही जैसे पानी और भाप। एक निश्चित तापमान के बाद पानी स्वतः ही भाप में परिवर्तित हो जाता है और उस निश्चित तापमान से नीचे आते ही भाप पुनः पानी में बदल जाती है। अनेक हस्तशिल्पी अपने हस्तशिल्प कार्य को अपनी कल्पनाशीलता और शिल्प कौशल के संतुलित संयोजन से, उसे कलात्मकता के स्तर तक ले जाते हैं। तब उनका बनाया वह हस्तशिल्प एक कलाकृति के रूप में स्वीकार्य हो जाता है। फिर वह मात्र हस्तशिल्प न रहकर एक कलात्मक कलाकृति कहलाता है, परंतु यह अपवाद स्वरूप ही देखने में आता है, सामान्य हस्तशिल्प इस श्रेणी तक कभी नहीं पहुंच पाते।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

समझना होगा कला और हस्तशिल्प के अंतर को

अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण का महत्व

हस्तशिल्प के कई कलाकार भी अपनी कलाकृति को इतना भावहीन एवं यांत्रिक बना देते हैं कि उन्हें कला की श्रेणी में रखना कठिन हो जाता है। हस्तशिल्प की मान्यता प्राप्त परिभाषा के अनुसार, पावर द्वारा चालित मशीनों के कम से कम उपयोग से मुख्यतः हाथों द्वारा बनाई गई कोई भी सुंदर, उपयोगी एवं टिकाऊ वास्तु हस्तशिल्प कहलाती है। इस परिभाषा के अनुसार हस्तशिल्प में उपयोग एवं टिकाऊ पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि हस्तशिल्प का सुदर्शन होना। हस्त शिल्प का यही पक्ष उसे कला के क्षेत्र से बाहर करता है, क्योंकि कला में उपयोग एवं टिकाऊ होने की कोई शर्त नहीं है। कला की अनेक परिभाषाओं में उसे आत्म अभिव्यक्ति से जोड़ा गया है, वहां दृष्टि, संप्रेषण और सृजन की बात की गई है। हस्तशिल्प और कला की परिभाषाओं में यह अंतर ही उनके वास्तविक चरित्र को उजागर करता है। हस्तशिल्प में सौंदर्य के साथ उपयोगिता पक्ष का बाहुल्य है, जबकि कला में सौंदर्य सृजन के साथ अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण महत्व रखता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन और दक्षता

कला के सृजन का कोई निश्चित नियम या पूर्वनिर्धारित फार्मूला नहीं होता। कला को जबरन गढ़ा नहीं जा सकता, वह तो स्वयं अपनी अभिव्यक्ति का मार्ग खोज लेती है। कलाकार केवल माध्यम होता है, सृजन की प्रक्रिया उसके भीतर स्वतः घटित होती है। इसके विपरीत हस्तशिल्प एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित होता है, जहां निर्माण के स्पष्ट नियम, तकनीक और तयशुदा ढांचे मौजूद होते हैं। हस्तशिल्प में यह लगभग निश्चित रहता है कि अंत में उत्पाद कैसा होगा, जबकि कला में अंतिम परिणाम सृजन की यात्रा पूरी होने के बाद ही सामने आता है। कला की यही अनिश्चितता उसे रोमांचक और जीवंत बनाती है। यह अनपेक्षित मोड़, आकस्मिक अनुभूतियां और भावनात्मक गहराई ही कला को विशिष्ट बनाती हैं। कला-सृजन के लिए उन्मुक्त चिंतन, कल्पनाशीलता और आत्म-विस्मृति अत्यंत आवश्यक होती है। जब कलाकार अपने अहं और चेतन नियंत्रण से मुक्त होकर सृजन में डूब जाता है, तभी कला का वास्तविक रूप प्रकट होता है।

हस्तशिल्प में अनुशासन, हस्तकौशल और दक्षता का विशेष महत्व होता है। वहां अभ्यास, परंपरा और तकनीकी निपुणता ही प्रमुख आधार हैं। किंतु हस्तशिल्प में भावनाओं का गहन संप्रेषण, अंतर्मन की अभिव्यक्ति या किसी अनदेखे, अमूर्त संसार की रचना का उद्देश्य नहीं होता। यही तत्व कला को हस्तशिल्प से अलग और उच्चतर आयाम प्रदान करते हैं। कला केवल रूप या संरचना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह संवेदना, अनुभूति और विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनती है। उसमें भाव, कल्पना और स्वतंत्रता का समन्वय होता है, जो दर्शक या श्रोता के भीतर भी एक नई चेतना का संचार करता है। इस प्रकार कला और हस्तशिल्प के बीच मूल अंतर तकनीक का नहीं, बल्कि भाव, स्वतंत्रता और सृजनात्मक अनिश्चितता का है और यही कला की आत्मा है।

अनोखी परंपरा

कोरबा : जहां बेटी को दहेज में दिए जाते हैं जहरीले सांप

शादी-विवाह में दहेज की प्रथा भारतीय समाज की एक कड़वी सच्चाई रही है। आमतौर पर दुल्हन के पिता अपनी बेटी को दहेज के रूप में महंगे तोहफे, कीमती सामान, सोने-चांदी के गहने और नकदी देते हैं। कई परिवार तो इस सामाजिक दबाव के कारण कर्ज तक ले लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी शादी में पिता अपनी बेटी को दहेज में गहने या नकदी नहीं, बल्कि जहरीले सांप देता हो? यह बात सुनकर भले ही अचरज हो, लेकिन यह परंपरा वास्तव में भारत के एक हिस्से में आज भी जीवित है।

दहेज की यह अनोखी परंपरा छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पाई जाती है। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित मुकुंदपुर गांव में रहने वाला संवरा जनजाति समुदाय इस परंपरा का पालन करता है। इस समुदाय में बेटी की शादी के समय दूल्हे को दहेज के रूप में 21 जहरीले सांप दिए जाते हैं। यदि यह शर्त पूरी नहीं होती, तो विवाह संपन्न नहीं माना जाता।

यह परंपरा कोई हाल की नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही है। दरअसल संवरा जनजाति के लोगों का पारंपरिक और पुश्तैनी पेशा जहरीले सांप पकड़ना है। ये लोग सांपों को पकड़कर उन्हें दिखाने का काम करते हैं और इसके बदले लोगों से पैसे लेते हैं। इसी से उनके परिवार का भरण-पोषण होता है। समुदाय की मान्यता है कि बेटी के पिता द्वारा दामाद को सांप देना, दरअसल उसकी आजीविका सुनिश्चित करना है। यह दहेज लालच या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि बेटी के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि इन सांपों के माध्यम से दामाद कमाई कर सकेगा, जिससे उसकी पत्नी यानी बेटी को जीवनभर खाने-पीने या गुजर-बसर की कोई कमी न हो। आज भले ही आधुनिक समाज दहेज प्रथा को सामाजिक बुराई मानता हो, लेकिन संवरा जनजाति की यह परंपरा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हर परंपरा का अर्थ एक जैसा नहीं होता। यह प्रथा दिखाती है कि कुछ समुदायों में दहेज भी सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ा हुआ एक सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका है।

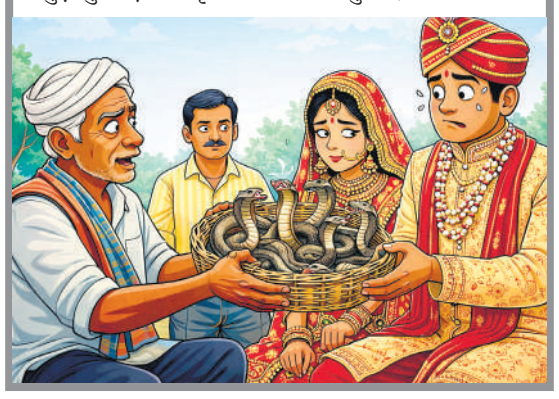

आर्ट गैलरी

समकालीन कला के विशिष्ट चित्रकार

जोगेन चौधरी के चित्रों में ग्रामीण जीवन और कोलकाता के विभिन्न पक्षों का चित्र दिखाई देता है। उनकी निजी चित्र शैली में क्रमशः परिवर्तन होता हुआ दिखाई देता है। बाद में उनकी चित्र शैली में मछली, तितली, सांप आदि को व्यंजक रूप में प्रस्तुत किया गया। वनस्पतियों के चित्रण में कहीं-कहीं खिला हुआ दिखाया गया, तो कहीं वनस्पतियों को तरोताजा दिखाया गया और कहीं उन्हें मुरझाया हुआ भी दिखाया गया है। जोगेन चौधरी ने गणेश जी के अनेक चित्र बनाए हैं। इन्होंने गणेश जी को दुबला-पतला और व्यंग्यात्मक पद्धति में दिखाया गया है। जहां तक नारी आकृतियों की बात है, तो जोगेन चौधरी ने नारी को सुंदर मांसल दिखाने के साथ-साथ नारी आकृति को दुखी रूप में भी चित्रित किया है। क्योंकि जोगेन चौधरी का जीवन प्रकृति के साथ घुला-मिला था, इसलिए इन्होंने अपने चित्रों में पुरुषों के चित्रों को कहीं-कहीं पत्तों की तरह, लता की भांति दिखाया और अंगों के उभार को फूलों की तरह दर्शाया। इनके चित्रों में चित्रित आकृतियों की अंकन शैली से व्यंग्य-विनोद के भाव उभरते हैं। स्थूल-स्थूल आकारों और तुनक मिजाज भंगिमाओं को भोले लगते चेहरे, नेताओं, व्यापारियों को देखकर आज के परिवेश और आज की यथार्थता दिखाई देती है। जोगेन चौधरी उन महत्वपूर्ण चित्रकारों में हैं, जिन्होंने समकालीन भारतीय कला में अपनी सशक्त अभिव्यक्ति से कला और समाज के रिश्ते को अच्छी तरह परिभाषित किया है।

जोगेन चौधरी के बारे में

जोगेन चौधरी का जन्म 19 फरवरी 1939 को पूर्वी बंगाल (आज का बांग्लादेश) के फरीदपुर कस्बे में हुआ था। इनके पिता प्रमथ नाथ चौधरी ब्राह्मण जमींदार थे। इनके पिता ने गांव में होने वाले नाटकों में कई पौराणिक आख्यानों को दीवारों में पेंट किया था और बहुत से हिंदू आइकॉन के चित्र भी बनाए थे। जोगेन चौधरी की माता अल्पना ड्राइंग में दक्ष थीं। 1947 तक जोगेन चौधरी गांव के परिवेश में ही रहे। 1947 में भारत विभाजन के ठीक पहले जोगेन और उनके पिता कोलकाता शिफ्ट हो गए और 1948 के बाद पूरा परिवार कोलकाता में आकर बस गया। 1951 तक उनका पूरा परिवार अपने चाचा के पुलिस डिपार्टमेंट के क्वार्टर में ही रहता रहा। इसी मकान में जोगेन ने दीवारों पर अपनी पहली पेंटिंग बनाई। 1951 में जोगेन चौधरी का परिवार शहीद नगर कॉलोनी, ढाकुरिया, कोलकाता के दूसरे घर में शिफ्ट हो गया।

लोकायन

लावणी: महाराष्ट्र की जीवंत लोक कला

लावणी अपने जोरदार लयबद्ध अंदाज के कारण भारत के सबसे लोकप्रिय लोक नृत्यों में से एक है। यह महाराष्ट्र में विशेष रूप से प्रसिद्ध है और इसमें संगीत, गीत और नृत्य का अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है। लावणी की पहचान इसकी तेज-तर्रार ढोलक की ताल और नर्तकियों के नटखट, आकर्षक हाव-भाव से होती है। यह नृत्य दक्षिणी मध्य प्रदेश में भी प्रचलित है और मराठी लोक रंगमंच के विकास में इसका बड़ा योगदान माना जाता है। लावणी को एक रोमांटिक गीत के रूप में भी देखा जाता है, जिसमें एक महिला प्रेमी के आने का इंतजार करती है और अपनी भावनाओं को गीत के माध्यम से व्यक्त करती है।

नृत्य का इतिहास

लावणी शब्द का मूल "लावण्य" शब्द से माना जाता है, जिसका अर्थ है सौंदर्य। इसमें नारी की सुंदरता, शक्ति और भावनात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर मेल दिखाई देता है। हालांकि लावणी की उत्पत्ति की सटीक तिथि स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह एक मनोरंजक कला के रूप में विकसित हुई थी और युद्धग्रस्त समय में सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता था। 18 वीं और 19 वीं शताब्दी में महाराष्ट्र युद्धों से जूझ रहा था और उस समय लावणी का महत्व बढ़ गया। यह नृत्य थके हुए सैनिकों के मनोरंजन का प्रमुख स्रोत बन गया। पेशवा शासन के दौरान लावणी को शाही संरक्षण मिला और यह और भी अधिक लोकप्रिय हुई। मराठी कवि जैसे माननीय बाला, रामजोशी, प्रभाकर आदि ने इसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया और इस कला को साहित्यिक तथा सांस्कृतिक रूप से समृद्ध किया।

प्रदर्शन

लावणी का प्रदर्शन एक संगीत-संवाद जैसा होता है, जिसमें गीत, नृत्य, ताल और परंपरा का संयोजन होता है। ढोलक की तेज धुनों के साथ नर्तकियां अपने लयबद्ध कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। लावणी के गीतों में समाज, धर्म, राजनीति और रोमांस जैसे विषयों को सहजता से प्रस्तुत किया जाता है। महाराष्ट्र की कई जातियां, जैसे महार, कोल्हाती, कुंभार और मतंग, लावणी के प्रमुख कलाकार माने जाते हैं। लावणी मुख्यतः दो प्रकार की होती है- फडाची लावणी और बैठकी लावणी। फडाची लावणी बड़े मंच पर नाटकीय रूप में प्रस्तुत की जाती है, जबकि बैठकी लावणी निजी समारोहों में, अधिक शास्त्रीय शैली में गाई जाती है।

नर्तकियों की वेशभूषा

लावणी की नर्तकियां 9 गज की नौवारी साड़ी पहनती हैं और अपने बालों को सख्ती से बांधकर रखती हैं। वे भारी गहनों जैसे हार, झुमके, पायल, कमरपट्टा, चूड़ियां आदि से सजती हैं। लावणी में बिंदी का भी विशेष महत्व है, जो नृत्य की सौंदर्यात्मकता को और बढ़ाती है।

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन: चुनौतियां और संभावनाएं

हिंदी भाषा में कला विषयक लेखन आज भी एक सहज और स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं बन पाया है। जबकि हिंदी भारत की सबसे व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है, फिर भी कला विमर्श के क्षेत्र में उसका स्थान अपेक्षाकृत सीमित दिखाई देता है। इसके पीछे ऐतिहासिक, संस्थागत, सामाजिक और बाजार से जुड़ी अनेक जटिल वजहें हैं, जिन पर विचार करना आवश्यक है।

इस मामले में एक बड़ी चुनौती भाषा और शब्दावली से जुड़ी है। आधुनिक कला विमर्श में जिन अवधारणाओं-जैसे मॉडर्निज्म, कन्सेप्चुअल आर्ट, इंस्टीच्युश्नल क्रिटिक, एस्थेटिक, क्युरोटोरियल प्रैक्टिस का व्यापक उपयोग होता है, उनके लिए हिंदी में या तो सर्वमान्य शब्द नहीं हैं या जो अनुवाद उपलब्ध हैं, वे प्रचलन में नहीं आ सके। परिणामस्वरूप हिंदी में कला लेखन करने वाला लेखक या तो अंग्रेजी शब्दों का सहारा लेने को विवश होता है या फिर अत्यधिक व्याख्यात्मक भाषा अपनाता है, जिससे लेखन का प्रवाह बाधित होता है।

ऐसे में एक सुझाव तो यही है कि इन शब्दों को ज्यों का त्यों प्रयोग किया जाए। क्योंकि इस तरह के शब्द अब सहजग्राह्य हो चुके हैं और इसका धड़ल्ले से प्रयोग कला जगत में आम बातचीत में होता है। दूसरी बड़ी चुनौती कला संस्थानों और अकादमिक ढांचे से जुड़ी है। भारत में कला शिक्षा, कला इतिहास और कला आलोचना से संबंधित अधिकांश पाठ्यक्रम, शोध और प्रकाशन अंग्रेजी में केंद्रित रहे हैं। ललित कला अकादमियां, विश्वविद्यालय, संग्रहालय और गैलरियां भी लंबे समय तक अंग्रेजी को ही 'गंभीर विमर्श' की भाषा मानती रही हैं। इस संस्थागत झुकाव का सीधा प्रभाव हिंदी लेखन की संख्या, गुणवत्ता और दृश्यता पर पड़ा।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

तीसरा पहलू कला बाजार से जुड़ा है। यह सच है कि भारतीय कला बाजार पर आज भी एक अभिजात्य वर्ग का प्रभुत्व है, जो अंग्रेजी को अपनी बौद्धिक और सामाजिक पहचान से जोड़कर देखता है। चूंकि अधिकांश कला संग्राहक, क्यूरेटर और गैलरी संचालक इसी वर्ग से आते हैं, इसलिए प्रदर्शनी कैटलॉग, प्रेस रिलीज और आलोचनात्मक लेखन में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हिंदी पट्टी के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति में अंग्रेजी को अनिवार्य मान लेते हैं, चाहे उनका सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव हिंदी का ही क्यों न हो। हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ सकारात्मक बदलाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पिछले एक-दो दशकों में हिंदी में कला विषयक पुस्तकों की संख्या बढ़ी है, चाहे वे कला इतिहास, लोक एवं आदिवासी कला, आधुनिक भारतीय कला या समकालीन विमर्श पर आधारित हों। इसके साथ ही आलेखन डॉट इन जैसी वेबसाइटों और अन्य डिजिटल मंचों ने हिंदी कला लेखन को एक नया विस्तार दिया है। ये मंच न केवल लेखकों को अभिव्यक्ति का अवसर दे रहे हैं, बल्कि एक ऐसे पाठक वर्ग का निर्माण भी कर रहे हैं, जो कला को अपनी भाषा में समझना चाहता है। डिजिटल माध्यमों की भूमिका यहां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन पत्रिकाएं और ब्लॉग्स ने उस दूरी को कुछ हद तक पाटा है, जो पहले कला और आम हिंदी पाठक के बीच थी।

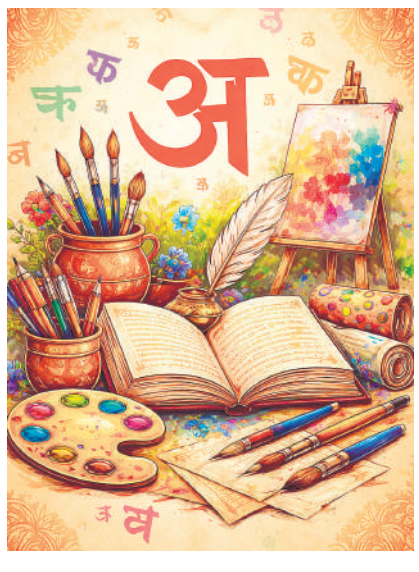

आज युवा लेखक, कलाकार और समीक्षक बिना किसी बड़े संस्थागत समर्थन के भी हिंदी में सार्थक कला विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं, किंतु इन सबके बावजूद आवश्यकता इस बात की भी है कि हिंदी के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में नियमित रूप से कला विषयक लेख, समीक्षा, परिचर्चा और साक्षात्कार का प्रकाशन होता रहे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि हिंदी में कला विषयक लेखन की चुनौती केवल भाषा की नहीं, बल्कि दृष्टि और संरचना की भी है। जब तक कला विमर्श को अभिजात्य दायरे से बाहर निकालकर व्यापक सांस्कृतिक संवाद का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक हिंदी को उसका वाजिब स्थान नहीं मिल पाएगा। हाल के प्रयास यह संकेत देते हैं कि हिंदी कला लेखन धीरे-धीरे अपनी जमीन तलाश रहा है और यही भविष्य के लिए सबसे आशाजनक संकेत है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,180 .47	25,232 .50
गिरावट	1,065 .71	353
प्रतिशत में	1.28	1.38

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,23,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, बुधवार, 21 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

बाजार में 7,000 करोड़ निवेश करेगी एम्बेसी

मुंबई। रियल्टी क्षेत्र की कंपनी एम्बेसी डेवलपमेंट्स ने मंगलवार को कहा कि वह मुंबई के बाजार में 7,000 करोड़ का निवेश करेगी। मजबूत मांग के बीच तीन नई लक्जरी आवासीय परियोजनाएं और तीन मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने के लिए ये निवेश होगा। एम्बेसी डेवलपमेंट्स लिमिटेड (ईडीएल) जल्द मुंबई महानगरीय क्षेत्र के जुहू, वर्ली और अलीबाग में तीन परियोजनाएं शुरू करेगी। ईडीएल का नाम पहले इंडियाबुल्स रियल एस्टेट लिमिटेड थी और यह शेयर बाजारों में सूचीबद्ध अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी के चेयरमैन जीतू विरवानी ने कहा कि हम मुंबई में वृद्धि के अगले अध्याय के लिए तैयार हैं। आवास की मांग में मजबूती बनी हुई है।

फोनपे को आईपीओ की सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। फोनपे को बाजार नियामक सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है और कंपनी दस्तावेज (यूडीएचआरपी) दाखिल करेगी। इससे बहुप्रतीक्षित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के लिए आईपीओ लाने का मंच तैयार होगा। यह आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगी। कंपनी आईपीओ से कोई अतिरिक्त प्राथमिक पूंजी नहीं जुटाएगी। यूपीआई लेनदेन में 45% से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ फोनपे भारत के डिजिटल भुगतान बाजार में अग्रणी है। एनपीसीआई के अनुसार, दिसंबर 2025 में कंपनी ने 9.8 अरब लेनदेन किए। कंपनी ने 2024-25 में 7,115 करोड़ का राजस्व कमाया था।

एचपीसीएल ने एडनॉक गैस से किया सौदा

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी गैस (एडनॉक गैस) से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) खरीदने के लिए तीन अरब डॉलर का सौदा किया। कंपनी ने बताया कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सबसे बड़ी ग्राहक बन गई है। दोनों कंपनियों ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत की दो घंटे की यात्रा के दौरान बिक्री और खरीद समझौता किया। यूएई के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत के लिए आए थे।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 4 माह के उच्चतम स्तर 3.7 प्रतिशत पर

उर्वरक-सीमेंट में आया उछाल और कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पाद घटे

नई दिल्ली, एजेंसी

उर्वरक और सीमेंट उत्पादन में उछाल से बीते महीने देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही। यह चार महीने का उच्चतम स्तर है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2024 में यह दर 5.1 प्रतिशत थी। इस तरह बीते महीने के आंकड़े में सालाना आधार पर गिरावट है। पिछले साल नवंबर में यह आंकड़ा 2.1 प्रतिशत था।

समीक्षाधीन महीने के दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार घट गई। इस दौरान उर्वरक के उत्पादन में 4.1 प्रतिशत और सीमेंट के उत्पादन में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दिसंबर 2025 में कोयला उत्पादन 3.6 प्रतिशत, इस्पात उत्पादन 6.9 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। बिजली उत्पादन में नवंबर 2025 के मुकाबले बढ़ोत्तरी हुई, क्योंकि नवंबर में इसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान इन आठ क्षेत्रों के उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.5 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख उद्योगों की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि आईआईपी वृद्धि दर नवंबर 2025 के 6.7 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2025 में लगभग 4.5-5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है।

फिक्की विनिर्माण सूचकांक तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंचा

आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का किया आकलन

नई दिल्ली। उत्पादन लागत अधिक रहने के बावजूद फिक्की विनिर्माण सूचकांक चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। इसमें 91% कंपनियों ने स्थिर या उससे अधिक उत्पादन दर्ज किया है जो जुलाई-सितंबर के 87 प्रतिशत से अधिक है। फिक्की के विनिर्माण पर तिमाही सर्वेक्षण (क्यूएसएम) के 68वें संस्करण में तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में आठ प्रमुख क्षेत्रों के विनिर्माताओं के प्रदर्शन एवं बाजार की स्थिति का आकलन किया गया। इनमें मोटर वाहन कलपुर्जों, पूंजीगत सामान, रसायन, उर्वरक तथा दवा, इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल, मशीन उपकरण, धातु व धातु उत्पाद, वस्त्र, परिधान तथा प्रौद्योगिकी वस्त्र तथा विविध वस्तुएं शामिल हैं। लघु एवं मझोले उद्यम दोनों क्षेत्रों की विनिर्माण इकाइयों से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई हैं, जिनका वार्षिक कारोबार संयुक्त रूप से तीन लाख करोड़ से अधिक है। 57% उत्तरदाताओं ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत में वृद्धि की जानकारी दी जो पिछली तिमाही के निष्कर्षों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि लागत अब भी अधिक है। उद्योग मंडल ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन लागत में वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे माल की उच्च लागत, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और लॉजिस्टिक, बिजली एवं यूटिलीटी लागत में वृद्धि के कारण हुई है। तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में विनिर्माण सूचकांक का प्रदर्शन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि एवं बढ़ते आशावाद को दर्शाता है।

चीनी उत्पादन 22 प्रतिशत बढ़कर हुआ 159 लाख टन : इस्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

- उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन पहुंचा, कर्नाटक ने भी दर्ज की बढ़ोतरी
- उद्योग निकाय ने कहा- गन्ने की बढ़ती और चीनी के गिरते दाम से मिलों को हानि, किसानों के भुगतान में देरी

गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22% बढ़कर 1.59 करोड़ टन हो गया है। उद्योग संगठन इस्मा ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारतीय चीनी एवं बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि पिछले साल इसी अवधि में उत्पादन 1.3 करोड़ टन था। इस साल 15 जनवरी तक 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51% बढ़कर 64.5 लाख टन हो गया। उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन हो गया। कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर 27.5 लाख टन से बढ़कर 31 लाख टन हो गया।

इस्मा ने कहा कि गन्ने की पर्याप्त उपलब्धता, बेहतर पैदावार और प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में सुचारू कामकाज के कारण 2025-26 के सत्र में भारत के चीनी क्षेत्र ने अब तक स्थिर प्रगति की है। उद्योग निकाय ने चेतावनी दी कि गन्ने की बढ़ती कीमतों और चीनी की कीमतों में गिरावट से मिलों की वित्तीय स्थिति खराब हो रही है और किसानों को गन्ने के भुगतान में देरी हो रही है।

इस्मा ने बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में मिलों से निकलने वाली चीनी की कीमतें गिरकर 3,550 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गई हैं, जो उत्पादन लागत से काफी कम है। संस्था ने कहा कि चीनी का भंडार बढ़ रहा है और संकेत मिल रहे हैं कि गन्ने के भुगतान का बकाया बढ़ना शुरू हो गया है। अगर मौजूदा हालात बने रहे तो यह और बढ़ सकता है। इस्मा ने वित्तीय स्थिरता बहाल करने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में जल्द संशोधन की मांग की है।

कर राहत, ऋण कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभ बहाल करे केंद्र सरकार : एम्फी

नई दिल्ली, एजेंसी

- निकाय ने की एलटीसीजी पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की मांग

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने सरकार से आगामी बजट 2026-27 में ऋण (बॉण्ड) कोष के लिए इंडेक्सेशन लाभों को बहाल करने की मांग की। एम्फी ने साथ ही म्यूचुअल फंडों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समान कर लाभों के साथ पेंशन आधारित योजनाएं पेश करने की अनुमति देने का आग्रह भी किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में आम बजट पेश करेंगी।

इंडेक्सेशन वह तरीका है, जिससे निवेश पर होने वाले मुनाफे में महंगाई को समायोजित किया जाता है, जिससे कर का बोझ कम हो जाता है। म्यूचुअल फंड निकाय ने खुदरा और दीर्घकालिक निवेशकों को अधिक राहत देने के लिए इक्विटी निवेश से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर मुक्त छूट की सीमा बढ़ाने की भी मांग की है। वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट के लिए अपनी सिफारिशों में एम्फी ने सरकार से इक्विटी एलटीसीजी (एलटीसीजी) के लिए कर मुक्त छूट की सीमा को 1.25 लाख से बढ़ाकर दो लाख रुपये करने का आग्रह किया है। उसने कहा कि एमएफ उद्योग में स्थिर दीर्घकालिक पूंजी को प्रोत्साहित करने को पांच वर्ष से अधिक समय तक रखी गई इकाइयों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से छूट की सिफारिश की है। इससे सुनिश्चित होगा कि निवेशक लंबी अवधि तक निवेशित रहें। एम्फी ने एमएफ की ऋण योजनाओं के लिए दीर्घकालिक इंडेक्सेशन लाभ को बहाल करने का अनुरोध किया है, जिसे बजट 2024 में वापस ले लिया गया था।

सोना 1.5 लाख के पार, चांदी 20,400 रुपये उछली

नई दिल्ली, एजेंसी

- विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में रही तेजी

सोना मंगलवार को मजबूत मांग के कारण 5,100 रुपये की छलांग लगाते हुए पहली बार 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया जबकि चांदी ने 20,400 रुपये के उछाल के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि सोना 5,100 रुपये की बढ़त के साथ 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर) पर पहुंच गया। साथ ही सोने ने 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का अहम मनोवैज्ञानिक स्तर भी पार कर लिया। सोना सोमवार को 1,48,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों ने भी सर्राफा बाजार में मजबूती दिखाते हुए नया उच्चतम स्तर छू लिया। सफेद धातु 20,400 रुपये यानी 7% बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर) पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी की कीमतों में 10,000 रुपये की तेजी देखी गई थी, जिससे यह तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई थी।

विदेशी बाजारों में भी सोना और चांदी की मांग में तेजी रही। फॉरेक्स डॉटकॉम के आंकड़ों के मुताबिक, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना पहली बार 4,700 डॉलर प्रति औंस का स्तर के पार पहुंचा। सोने में 66.38 डॉलर यानी 1.42% की बढ़त के साथ कीमत 4,737.40 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और 95.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, सुरक्षित निवेश की मांग और आभूषणों एवं निवेशकों से आने वाली लगातार मांग से कीमती धातुओं में यह तेजी देखी जा रही है।

वायदा में भी पीले-सफेद धातु की चमक बढ़ी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से सोने का वायदा भाव मंगलवार को 1.5 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के पार पहुंचा। चांदी भी 3.27 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पहुंची। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में फरवरी में आपूर्ति वाले सोने का भाव 6,861 रुपये यानी 4.7% चढ़कर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि और रुपये के कमजोर होने से सोने की कीमत में वृद्धि हो रही है। आपूर्ति वाले चांदी के अनुबंधों का वायदा भाव 6% चढ़कर 3,27,998 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंचा।

राष्ट्रीय

क्या न्यायिक इकाई के तौर पर ईडी कर सकती है रिट दायर

न्यायालय ने केरल-तमिलनाडु की अपीलों पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- संविधान के अनुच्छेद 226 से संबंधित मुद्दे पर सुनवाई के लिए जताई सहमति

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सुनवाई करने पर सहमति जताई कि क्या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत एक न्यायिक इकाई (ज्यूरिस्टिक पर्सन) के रूप में अपने अधिकारों के प्रवर्तन के लिए उच्च न्यायालयों में रिट याचिका दायर कर सकती है। ज्यूरिस्टिक पर्सन वह गैर-इंसानी कानूनी इकाई होती है, जिसे कानून द्वारा मान्यता दी जाती है और जिसे मानव की तरह अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केरल और तमिलनाडु सरकारों की अपीलों पर ईडी को नोटिस जारी किया। इन अपीलों में केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें ईडी को अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करने का अधिकार होने की पुष्टि की गई थी। अनुच्छेद 226 हाईकोर्ट को कुछ रिट जारी करने की शक्ति से संबंधित है। केरल हाईकोर्ट ने गत वर्ष 26 सितंबर को पारित आदेश में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 2020 में राजनयिक माध्यम से हुए सोना तस्करी मामले में ईडी की जांच से संबंधित न्यायिक जांच पर रोक लगाई थी। यह न्यायिक जांच आयोग उन आरोपों के बाद गठित हुआ था, जिनमें कहा गया था कि ईडी अधिकारियों ने आरोपियों पर दबाव डालकर मुख्यमंत्री समेत नेताओं को सोना तस्करी मामले में फंसाने की कोशिश की। हाईकोर्ट ने केरल सरकार की उस अपील को खारिज किया था, जिसमें एकल पीठ के अंतरिम स्थगन आदेश को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने कहा था कि अपील में कोई दम नहीं है और ईडी की याचिका पर सुनवाई कर जांच पर रोक लगाने में एकल पीठ ने कोई त्रुटि नहीं की। यह मामला 7 मई 2021 की राज्य सरकार की अधिसूचना से उत्पन्न हुआ था, जिसमें आयोग जांच अधिनियम, 1952 के तहत ईडी अधिकारियों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश दिया गया था। ईडी के उप निदेशक ने हाईकोर्ट का रुख करते हुए सवाल उठाया था कि क्या राज्य सरकार को किसी केंद्रीय जांच एजेंसी के खिलाफ जांच का आदेश देने का अधिकार है। एकल पीठ ने यह माना कि ईडी को अधिकार प्राप्त है और 11 अगस्त 2021 को अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसके खिलाफ अपील दायर की।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : संबंधित याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाला से जुड़ीं 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मंगलवार को 28 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। इन याचिकाओं में आरोपियों की जमानत याचिकाएं भी हैं। उच्चतम न्यायालय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को जमानत देने के खिलाफ दायर ईडी की याचिका पर भी अगले बुधवार को सुनवाई करेगा। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल पंचोली की पीठ ने पूर्व नौकरशाह सौम्या चौरसिया की अलग याचिका पर राज्य सरकार और जांच एजेंसी को नोटिस जारी किए। चौरसिया छत्तीसगढ़ कैडर की लोकसेवक थीं। वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव और विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) थीं। कोयला घोटाला मामले में शीर्ष अदालत से जमानत मिलने के बाद जांच एजेंसियों ने शराब घोटाले में उन्हें फिर से गिरफ्तार किया था। चौरसिया के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह प्राथमिकी को निरंतर बनाए रखने का मामला है और उच्चतम न्यायालय की पूरी तरह से अनदेखी है।

रिट अदालतें सभी समस्याओं का समाधान नहीं

उच्चतम न्यायालय ने एक यूट्यूबर की उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने फिल्म निर्माता के आरोपों को लेकर चेन्नई में सील किये उसके कार्यालय को खोलने और जब्त उपकरण लौटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। फिल्म निर्माता ने यूट्यूबर पर मारपीट और वसूली का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली सावुक्कू शंकर की याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उसे न्यायिक मजिस्ट्रेट का रुख करने को कहा। पीठ ने शंकर के अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन से कहा कि यह मत सोचिए कि रिट अदालत सभी समस्याओं का रामबाण इलाज है। याचिका खारिज की जाती है। उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के लिये रिट अदालत शब्द का भी इस्तेमाल किया जाता है। मद्रास हाईकोर्ट ने 30 दिसंबर 2025 को सीलिंग आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था और यूट्यूबर को संबंधित मजिस्ट्रेट का रुख करने का निर्देश दिया था।

एआईबीई में एलएलबी के अंतिम सेमेस्टर के छात्र हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि उसने कानून के अंतिम वर्ष के छात्रों के अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) में शामिल होने के लिए नियम तैयार किये हैं और यह वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। एआईबीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। विधि स्नातकों के वकालत करने के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के वास्ते इसमें शामिल होना आवश्यक है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को एआईबीई में शामिल होने की अनुमति देने के निर्देश का अनुरोध किया गया था। पीठ ने दलीलें दर्ज कीं और याचिका का निस्तारण कर दिया।

नितिन ने 12वें अध्यक्ष के रूप में संभाला पदभार

नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा मुख्यालय में आयोजित सभा को मोदी ने किया संबोधित

नितिन नवीन के मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के साथ पार्टी के एक नये अध्याय की शुरूआत हो गई। उन्होंने जेपी नड्डा की जगह ली है। नवीन ऐसे समय में भाजपा अध्यक्ष बने हैं जब वह देश की राजनीति पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर रही है और पार्टी संगठन में पीढ़ीगत बदलाव के जरिए अपना प्रभाव विस्तारित करना चाहती है।

इस अवसर पर भाजपा मुख्यालय की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब बात पार्टी के विषयों की आती है, तब वह एक कार्यकर्ता हैं। नवीन के नाम की घोषणा के बाद, प्रधानमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता उन्हें पार्टी मुख्यालय स्थित उनके नये कार्यालय में ले गए, जहां उन्होंने आधिकारिक तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष नड्डा और पार्टी महासचिव बीएल संतोष मौजूद थे। नवीन की पत्नी, बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी वहां उपस्थित थे। इससे पहले, पार्टी मुख्यालय की सभा में मोदी ने नवीन को युवा ऊर्जा और संगठन में व्यापक अनुभव वाला मिलेनियल बताया, जो पार्टी के लिए मददगार साबित होगा। मिलेनियल शब्द आमतौर पर ऐसे व्यक्ति के लिए उपयोग किया जाता है, जिसका जन्म 1980 से लेकर 1990 के मध्य हुआ हो। नवीन ने अपने संबोधन में लोगों, खासकर युवाओं से राजनीति में आने की अपील की ताकि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके।

असम में हिंसा, आरएएफ तैनात और इंटरनेट बंद

कोकराझार/गुवाहाटी, एजेंसी

असम के कोकराझार में हिंसा के बाद तैनात सुरक्षाकर्मी।

- हिंसा के बाद बोडो और आदिवासी समुदाय आमने-सामने, एक व्यक्ति की मौत
- मुख्यमंत्री सरमा ने की शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील

असम के कोकराझार जिले में मंगलवार को भीड़ की हिंसा के बाद बोडो और आदिवासियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को तैनात किया गया और इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गईं।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि सेना की तैनाती के लिए प्रक्रिया जारी है और कोकराझार में झड़पों और हिंसा के बाद आरएएफ तैनात है। कोकराझार और पड़ोसी चिरांग जिले में इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और सरकार की मदद करने की अपील की। मुख्यमंत्री अभी विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में भाग लेने के लिए दावोस में हैं।

उन्होंने एक्स पर कहा कि वह राज्य और जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थिति सामान्य हो जाए। उन्होंने राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के नेताओं से जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग की अपील की। पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ कोकराझार रवाना हो गए हैं। गृह विभाग के अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात कोकराझार में तीन बोडो लोगों को ले जा रहे वाहन से दो आदिवासियों को टक्कर लगी। ग्रामीणों ने तीनों बोडो से मारपीट की और वाहन को आग लगा दी। इसमें एक की मौत हो गई।

एसआईआर सुनवाई के लिए भारतीय गेंदबाज शमी हुए पेश

कोलकाता। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत अपनी निर्धारित सुनवाई के लिए कोलकाता में चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए। अधिकारी ने बताया कि शमी दक्षिण कोलकाता के बिक्रमगढ़ इलाके के स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए।

सुनवाई पूरी होने के बाद शमी ने कहा कि एसआईआर हर किसी की ज़िम्मेदारी है और इस प्रक्रिया के दौरान सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे कोई परेशानी नहीं हुई और चुनाव अधिकारियों ने इसे अच्छे से संभाला। मैं 25 सालों से यहीं रह रहा हूं। वे मुझे दोबारा बुलाते हैं, तो मैं आऊंगा। राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि शमी द्वारा भरे गणना प्रपत्र में कुछ स्थानों पर विसंगतियां थीं, जिससे उन्हें सुनवाई के लिए तलब किया गया था।

बंगाल में एसआईआर के दौरान उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

- सही दस्तावेज के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस देने का लोगों ने लगाया आरोप

प. बंगाल के विभिन्न जिलों में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान लोगों के कथित उत्पीड़न के कारण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और कई स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं तथा टायर जलाए गए। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण और उत्तर 24 परगना, झाड़ग्राम और पूर्व मेदिनीपुर जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद पुलिस को इन क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ानी पड़ी। इससे एक दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने आदेश में कहा था कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इससे कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को यह निर्देश भी दिया कि तर्कसंगत विसंगतियों वाली सूची में शामिल लोगों के नाम उन ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित किए जाएं, जहां दस्तावेज और आपत्तियां प्रस्तुत की जाएंगी।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सही दस्तावेज होने के बावजूद बुजुर्ग और मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कई क्षेत्रों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध किया।

मुर्शिदाबाद में बार-बार हो रही हिंसा से हाईकोर्ट चिंतित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बार-बार हो रही हिंसा और अशांति पर चिंता व्यक्त करते हुए, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस और प्रशासन को वहां शांति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार आवश्यकता पड़ने पर केंद्रीय बल की मांग कर सकती है।

- पुलिस और प्रशासन को शांति बनाए रखने का दिया निर्देश

अदालत ने मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करने का निर्देश दिया कि वहां हिंसा या अशांति की कोई और घटना न हो। पड़ोसी राज्यों में प्रवासी श्रमिकों पर कथित हमलों के संबंध में पिछले सप्ताह मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में हुई हिंसा के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करते हुए अदालत में दो जनहित याचिकाएं दायर की गईं। झारखंड में बेलडांगा निवासी एक प्रवासी मजदूर की मौत के विरोध में 16 जनवरी को प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को लगभग छह घंटे तक अवरुद्ध रखा।

इस्लामिक स्टेट ने ली काबुल में चीनी रेस्टोरेंट में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी

काबुल, एजेंसी

● चीनी नागरिक समेत सात लोगों की हुई थी मौत, 25 लोग घायल

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है और धमाके के कारणों की जांच अब भी जारी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विस्फोट में चीन के एक नागरिक समेत सात लोग मारे गए।

आतंकवादी समूह ने सोमवार देर रात समाचार एजेंसी अमाक पर जारी एक बयान में कहा कि एक आत्मघाती हमलावर शहर के एक रेस्तरां में घुस और विस्फोट कर दिया। इस रेस्तरां में अक्सर चीनी नागरिक आते-जाते थे। हमले में तालिबान के सुरक्षाकर्मियों समेत 25 लोग हताहत हुए। इन विवरणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। अफगान प्राधिकारियों ने सोमवार को हुए विस्फोट के कारण की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है और गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन क़ानी ने मंगलवार को कहा कि इसकी अब भी जांच की जा रही है। तालिबान ने 2021 में काबुल पर कब्जा कर लिया था और सभी देशों ने अफगानिस्तान से अपनी सेना वापस बुला ली थीं, लेकिन चीन ने आर्थिक उपस्थिति बनाए रखी है।

चीनी नागरिकों की सुरक्षा का आग्रह

बीजिंग। चीन ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से अपने नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का मंगलवार को आग्रह किया। यह अपील काबुल में एक चीनी रेस्तरां में हुए घातक विस्फोट के बाद की गई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां बताया कि इस विस्फोट में एक चीनी नागरिक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, जान गंवाने वाले लोगों के प्रति चीन गहरी संवेदना व्यक्त करता है ।

दावोस में बर्फ की परतें क्या पिघलेंगी

विश्व आर्थिक मंच की दावोस में होने वाली वार्षिक बैठक हमेशा से वैश्विक अर्थव्यवस्था और नीतिगत बदलावों का केंद्र रही है। लेकिन साल 2026 की इस बैठक में ग्रीनलैंड का मुद्दा गरमाया हुआ है जो न केवल पर्यावरण से जुड़ा है, बल्कि वैश्विक सत्ता के संतुलन को भी बदल सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड वर्तमान में जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। बर्फ पिघलने के साथ इसके नीचे दबे अकूत खनिज भंडार और दुर्लभ पृथ्वी तत्व दुनिया की नजरों में आ गए हैं। दावोस 2026 में यह सवाल प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या यह द्वीप भविष्य की ग्रीन इकोनॉमी का इंजन बनेगा या महाशक्तियों के बीच नए शीत युद्ध का अखाड़ा? बहरहाल इस वैश्विक मंच से ग्रीनलैंड की बर्फ की परतों के नीचे दबी भू-राजनीति के पिघलने की उम्मीद ही की जा सकती है।

ग्रीनलैंड पर महासंग्राम

अमेरिका-ईयू के साथ अन्य दावेदार

● अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा और आर्कटिक रणनीति के लिए अनिवार्य मानता है, जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) इसे अपनी ग्रीन डील के लिए कच्चे माल का सबसे भरोसेमंद स्रोत देख रहा है। दूसरी ओर, रूस और चीन की बढ़ती सक्रियता ने पश्चिमी देशों की नींद उड़ा दी है। रूस जहां आर्कटिक में अपने सैन्य प्रभुत्व को ग्रीनलैंड के करीब तक ले जाना चाहता है, वहीं चीन पोलर सिल्क रोड के जरिए यहां भारी निवेश कर रहा है। दावोस का मंच इन विरोधाभासों को सुलझाने का एक आखिरी कूटनीतिक प्रयास हो सकता है, जहां व्यापारिक हितों और संप्रभुता के बीच एक महीन रेखा खींचने की कोशिश की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप तो किसी भी की कीमत पर ग्रीनलैंड को हासिल कर लेना चाहते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल किया जाना बहुत जरूरी है और हम इसके लिए सैन्य प्रयास भी कर सकते हैं।

रक्षा बनाम संसाधन

● अमेरिका : अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड का मुद्दा केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक है। आर्कटिक में रूस की बढ़ती मिसाइल क्षमता को देखते हुए ग्रीनलैंड में मौजूद थ्यूल एयर बेस का महत्व बढ़ गया है।

● यूरोपीय संघ : ईयू के लिए ग्रीनलैंड एक रणनीतिक साझेदार है। चूंकि डेनमार्क ईयू का हिस्सा है और ग्रीनलैंड उसका स्वायत्त क्षेत्र है, इसलिए ब्रुसेल्स यहां से लिथियम, कोबाल्ट और जिंक की आपूर्ति चाहता है।

ग्रीनलैंड कीमती क्यों

● दुर्लभ खनिज : यहां दुनिया के 25% दुर्लभ पृथ्वी तत्व होने का अनुमान है, जो स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक कारों के लिए जरूरी हैं।

● नए व्यापारिक मार्ग : बर्फ पिघलने से जहाजों के लिए एशिया से यूरोप का रास्ता 40% छोटा हो जाएगा।

● रणनीतिक स्थिति : उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच होने से महत्वपूर्ण।

रूस और चीन का रुख

● रूस : रूस का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र केवल पश्चिमी देशों की जागीर नहीं है। दावोस में रूसी प्रतिनिधियों का तर्क है कि ग्रीनलैंड के आसपास के जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता होनी चाहिए। रूस अपनी 'नॉर्दर्न सी रूट' परियोजना को ग्रीनलैंड के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है।

● चीन : चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट घोषित कर चुका है। दावोस में चीन का पक्ष स्पष्ट है कि वे ग्रीनलैंड के बुनियादी ढांचे और खनन क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। चीन का तर्क है कि आर्थिक विकास पर किसी एक देश का एकाधिकार नहीं होना चाहिए, जो सीधे तौर पर अमेरिका को चुनौती है।

आगे की राह

दावोस में ग्रीनलैंड मुद्दे का समाधान रातों-रात नहीं निकलेगा, लेकिन यह मंच संवाद की शुरुआत जरूर कर सकता है। 2026 तक ग्रीनलैंड की सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी जमीन को भू-राजनीतिक मोहरा नहीं बनने देगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

इस्तीफा देंगे बुल्गारिया के राष्ट्रपति रादेव

सोफिया। बुल्गारिया के वामपंथी झुकाव वाले राष्ट्रपति रूमेन रादेव ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। रादेव ने संकेत दिया है कि वह आगामी चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं, जिसकी व्यापक उम्मीद की जा रही है क्योंकि हालिया विरोध प्रदर्शनों के बाद मध्य-दक्षिणपंथी सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। रादेव ने कहा कि वह मंगलवार को अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय को सौंपेंगे। संविधान के तहत मौजूदा उपराष्ट्रपति इलियाना योतोवा को संसद द्वारा शपथ दिलाई जाएगी और वह राष्ट्रपति कार्यकाल की शेष अवधि तक इस पद पर रहेंगी।

मत्स्य पालन गोलमेज सम्मेलन आज

नई दिल्ली। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग की ओर से द्विपक्षीय व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से 21 जनवरी को यहां समुद्री खाद्य निर्यात संवर्द्धन के विषय में राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से मंगलवार को बताया गया कि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

जासूसी में नौ की मौत की सजा बरकरार

सना। हूती समूह द्वारा संचालित राजधानी सना स्थित एक अदालत ने सोमवार को जासूसी के आरोप में दोषी ठहराए गए नौ यमनियों की मौत की सजा को बरकरार रखा। हूती-संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि अदालत ने नौ आरोपियों के खिलाफ मूल फैसले को बरकरार रखा है, जिन पर हूती समूह अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब सहित विदेशी देशों के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। चैनल ने यह भी बताया कि इनमें से आठ आरोपी हिरासत में हैं और एक फरार है।

कोलंबिया में झड़पों में 26 लोग मारे गए

बोगोटा। कोलंबिया के गुआवियारे प्रांत में सशस्त्र गुटों के बीच हुई भीषण झड़पों में 26 लोग मारे गए। कोलंबियाई सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेना के चौथे प्रभाग के कमांडर रिकार्डो रोके ने स्थानीय मीडिया को बताया कि प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र गुटों के बीच हुई लड़ाई के बाद सैनिकों ने एल रेटोर्नो नगर पालिका से 26 शव बरामद किए।

ग्रीनलैंड पर शुल्क की धमकी से ट्रंप की विश्वसनीयता पर उठे सवाल

दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में ईयू शीर्ष अधिकारी ने बताया ट्रंप की भूल

दावोस, एजेंसी

यूरोपीय संघ की शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वर्ष यूरोपीय संघ के सदस्य देशों पर नए शुल्क नहीं लगाने पर सहमति जताई थी। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच जुलाई में एक व्यापार समझौता हुआ था। राजनीति में भी, जैसे व्यापार में समझौता मतलब समझौता होता है। और जब मित्र हाथ मिलाते हैं, तो उसका कुछ अर्थ होना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान दावोस में दिए गए अपने संबोधन में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए शुल्क खासतौर पर लंबे समय से सहयोगी रहे देशों के बीच एक भूल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि ऐसे कदम ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और आपसी भरोसे को कमजोर कर सकते हैं।

ट्रंप बोले, अब शांति रखने की जिम्मेदारी मेरी नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर पूर्ण और संपूर्ण नियंत्रण की अपनी मांग को लेकर नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे को एक पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला है इसलिए अब वह शांति के बारे में सोचने के लिए बाध्य नहीं हैं। स्काई न्यूज द्वारा प्रकाशित पत्र में ट्रंप ने लिखा, प्रिय जोनास, यह देखते हुए कि आपके देश ने आठ से अधिक युद्ध रुकवाने के बावजूद मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने का निर्णय लिया, अब मैं केवल शांति के बारे में सोचने के लिए स्वयं को बाध्य नहीं मानता। शांति हमेशा प्रमुख रहेगी, लेकिन अब मैं यह भी सोच सकता हूं कि अमेरिका के लिए क्या उचित है। पत्र में कहा गया, डेनमार्क उस भूमि को रूस या चीन से सुरक्षित नहीं रख सकता, और वैसे भी उनके पास 'स्वामित्व का अधिकार' क्यों है? कोई लिखित दस्तावेज नहीं हैं। सिर्फ यह कहा जाता है कि सैकड़ों साल पहले वहां एक जहाज उतरा था, लेकिन हमारे जहाज भी वहां उतरे थे। मैंने नाटो के गठन के बाद से किसी भी व्यक्ति से अधिक योगदान दिया है। अब नाटो को अमेरिका के लिए कुछ करना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र के अंत में लिखा, दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक हमारे पास ग्रीनलैंड का पूर्ण और सम्पूर्ण नियंत्रण न हो। धन्यवाद! राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोएरे से प्राप्त एक संदेश के जवाब में भेजा गया था। यह संदेश प्रधानमंत्री स्टोएरे ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब की ओर से भी भेजा था।

अमेरिका के साथ यूरोप के संबंध अब भी मजबूत : बेसेंट

दावोस। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध अब भी मजबूत बने हुए हैं। साथ ही उन्होंने अपने व्यापारिक साझेदार देशों से अपील की कि वे ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की नई शुल्क (टैरिफ) धमकियों से उत्पन्न तनाव को समय के साथ शांत होने दें और धैर्य रखें। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर कहा, मुझे लगता है कि हमारे संबंध कभी इतने घनिष्ठ नहीं रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया जाएगा। ये वही देश हैं जिन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका के अधीन लेने की ट्रंप की बढ़ती मांगों के बाद डेनमार्क के समर्थन में एकजुटता दिखाई है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका को सुरक्षा कारणों से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है, ताकि चीन और रूस से संभावित खतरों का मुकाबला किया जा सके।

ईडी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में की छापेमारी

● शबरिमला सोना चोरी मामले में केंद्रीय एजेंसी ने की कार्रवाई

कोच्चि/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला में कथित सोने की चोरी के मामले में धन शोधन की जांच के तहत तीन राज्यों में मंगलवार को छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। संघीय जांच एजेंसी ने बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार के अलावा आभूषण विक्रेताओं से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

ईडी ने केरल पुलिस की प्राथमिकियों का संज्ञान लेते हुए नौ जनवरी को पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। आरोपों में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोने की चोरी भी शामिल है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि सोने से मढ़ी पवित्र कलाकृतियों को आधिकारिक अभिलेखों में जानबूझकर तांबे की प्लेट के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया और 2019 तथा 2025 के बीच मंदिर परिसर से गैरकानूनी रूप से हटा दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, चेन्नई और कर्नाटक में निजी प्रतिष्ठानों में रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से कथित तौर पर सोना निकाला गया था, जिससे अपराध की आय अर्जित हुई और इस आय को अपने पास रखा गया, हस्तांतरित तथा छिपाया गया।

फर्जी जीएसटी मामले में कई राज्यों में तलाशी

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में 658 करोड़ रुपये के कथित फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले के संबंध में कई राज्यों में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में इस मामले से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के कई परिसरों की तलाशी ली जा रही है। 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' (आईटीसी) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में एक कानूनी प्रावधान है जो व्यावसायिक संस्थाओं को व्यवसाय से संबंधित खरीद पर भुगतान किए गए जीएसटी पर क्रेडिट का दावा करके अपनी कर देनदारी को कम करने की अनुमति देता है। अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में स्थित ईडी कार्यालय विभिन्न राज्य पुलिस बलों के समन्वय से इस अभियान का संचालन कर रहा है। धन शोधन का यह मामला ईटानगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा नामक व्यक्तियों ने बिना किसी वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति किए फर्जी रसीद के जरिए धोखाधड़ी करके इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया। मामले में सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नाम की एक फर्जी कंपनी भी शामिल बताई गई है।

रूस-भारत में एसजे-100 यात्री विमान की बिक्री पर समझौता

मॉस्को, एजेंसी

● रूस के उद्योग-व्यापार उपमंत्री गेनाडी ने दी जानकारी

रूस और भारत के बीच रूसी निर्मित यात्री विमान एसजे-100 की खरीद और स्थानीय उत्पादन पर प्रारंभिक समझौते हो चुके हैं और बातचीत जारी है। यह जानकारी रूस के उद्योग और व्यापार उप मंत्री गेनाडी अब्रामेनकोव ने मंगलवार को दी।

अब्रामेनकोव ने कहा साझेदारों के साथ खरीद की संभावना पर एक प्रारंभिक समझौता हो चुका है, जिसके बाद भारत में इस प्रकार के विमान का स्थानीय उत्पादन किया जाएगा। फिलहाल, बातचीत चल रही है। अक्टूबर के अंत में यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एसजे-100 विमान के उत्पादन पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यूएसी के प्रमुख वादिम बदेहा ने बाद में कहा कि भारत ने एसजे-100 विमान की उच्च दक्षता को ध्यान में रखा है। एसजे-100 एक अल्प दूरी का नैरो-बॉडी विमान है जिसे आयातित प्रणालियों को बदलने के कार्यक्रम के तहत विकसित किया जा रहा है। यह विमान वर्तमान में संचालित सुपरजेट प्रकार के विमानों के परिवार में एक और मॉडल बनेगा। एसजे विमान ने रूसी पीडी-8 इंजन के साथ पहली उड़ान 17 मार्च, 2025 को कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर शहर में भरी।

रूस का यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर ड्रोन से हमला

कीव। रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाते हुए 300 से अधिक ड्रोन तथा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि मॉस्को की ओर से युद्ध समाप्त करने की कोई इच्छा फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के अनुसार, सोमवार रात हुए इस हमले के कारण राजधानी में 5,600 से अधिक अपार्टमेंट इमारतों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि प्रभावित इमारतों में से लगभग 80 प्रतिशत में, हाल ही में 9 जनवरी को हुए बड़े रूसी हमले के बाद बिजली बहाल की गई थी। उस दौरान हजारों लोग कई दिनों तक बिजली गुल रहने से प्रभावित हुए थे। यूक्रेन हाल के वर्षों के सबसे सर्द मौसम का सामना कर रहा है। कीव में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। इसी बीच, रूस ने बिजली ग्रिड पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिनका उद्देश्य यूक्रेनवासियों को गर्मी प्रदान करने वाले उपकरणों के उपयोग और पेयजल आपूर्ति से वंचित करना तथा 24 फरवरी 2022 को शुरू किए गए आक्रमण के प्रतिरोध को कमजोर करना है।

ट्रंप ने दी फ्रांस की वाइन पर 200% टैरिफ की धमकी

वाशिंगटन/पेरिस, एजेंसी

● गाजा शांति योजना पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति पर दबाव का प्रयास

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फ्रांसिसी वाइन और शैंपेन पर 200 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस कदम को व्यापक रूप से फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि वे गाजा और अन्य वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के उद्देश्य से ट्रंप की प्रस्तावित शांति बोर्ड पहल का समर्थन करें।

ट्रंप ने संकेत दिया कि इन दंडात्मक आयात शुल्क का उपयोग फ्रांस को सहयोग के लिए मजबूर करने हेतु किया जा सकता है। यह बयान उन रिपोर्टों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि मैक्रों ने इस पहल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने में अनिच्छा जताई है। प्रस्तावित निकाय शुरू में गाजा युद्ध पर ध्यान केंद्रित करेगा और बाद में अन्य अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों तक विस्तार करेगा। हालांकि यह सवाल भी उठ रहे हैं कि यह निकाय संयुक्त राष्ट्र जैसे मौजूदा संस्थानों के साथ कैसे तालमेल बिठाएगा। ट्रंप से मैक्रों की कथित अनिच्छा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि क्या उन्होंने ऐसा कहा? वह बहुत जल्द पदच्यूत होने वाले हैं।

झड़पों के बीच आईएस के 120 सदस्य जेल से फरार

रक्का। सीरिया के गृह मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सरकारी बलों और जेल की रखवाली करने वाले कुर्दों के नेतृत्व वाले बल 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के बीच हुई झड़प के बीच उत्तर-पूर्वी सीरिया की एक जेल से इस्लामिक स्टेट के 120 सदस्य फरार हो गए। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने फरार हुए 81 कैदियों को फिर से पकड़ लिया है, जबकि बाकी कैदियों का पता लगाने के लिए गहन सुरक्षा प्रयास जारी हैं। शद्दादेह शहर की एक जेल से कैदियों के भागने की घटना को लेकर एसडीएफ और सरकार ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं, जबकि दोनों पक्षों के बीच संघर्ष विराम समझौता टूट चुका है। एसडीएफ ने मंगलवार को ही दमिश्क से जुड़े गुटों पर रक्का शहर के पास अल-अक्तान जेल में पानी की आपूर्ति बंद करने का आरोप लगाया और इसे मानवीय मानकों का घोर उल्लंघन बताया। सीरिया में आईएस से लड़ने वाले अमेरिका समर्थित मुख्य बल एसडीएफ उत्तर-पूर्वी सीरिया में 10 से अधिक जेलों को नियंत्रित करता है, जिनमें लगभग 9,000 आईएस सदस्यों को वर्षों से बिना मुकदमे चलाए रखा गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 22 जनवरी 02 .47 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

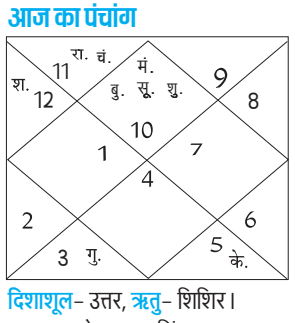

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 13 .58 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है। आप अपने शौकों को पूरा करने में लगे रहेंगे। संतान के आज्ञाकारी व्यवहार से प्रसन्नता होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ेगी। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण कार्य की चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज अटके हुए कार्यों को आप दोबारा शुरू कर सकते हैं। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। पुराने कर्जों से छुटकारा मिल सकता है। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन — आज यदि नई नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। पिता की सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। व्यापार में दोगुनी वृद्धि हो सकती है।

कर्क — आज आपके कार्यों की लोग सराहना करेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। मानसिक तनाव से बचने के लिए योग करें। अनावश्यक विचारों में अधिक समय बर्बाद न करें। व्यवसाय को लेकर परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। लोग आपसे अधिक अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी सामाजिक कार्य के लिए आपकी प्रशंसा हो सकती है। नव विवाहित लोग कहीं घूमने जा सकते हैं।

कन्या — आज आपके सामाजिक यश में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। करियर को लेकर उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे। मेहनत का उत्तम लाभ मिलेगा। सिर में थोड़ा भारीपन हो सकता है।

तुला — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक विशेष रहेगा। आयात-निर्यात से बड़ा धन लाभ हो सकता है। दूसरों के सामने अपने हितों को अनदेखा न करें। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्या हो सकती है, जिसे आप शाम तक सुलझा लेंगे।

वृश्चिक — आज यात्रा के दौरान थकान हो सकती है। शुगर के रोगी अपनी सेहत का ध्यान रखें। दूसरों पर अधिक ध्यान न दें। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अच्छा है। अनावश्यक कार्यों को अधिक समय देने के कारण आवश्यक कार्य छूट सकते हैं।

धनु — आज दिन के उत्तरार्ध भाग में रुका हुआ सरकारी काम बन सकता है। परिस्थितियां आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं।

मकर — आज व्यापार में नए लोगों से थोड़ा संभलकर व्यापार करें। बेरोजगार लोगों को जॉब मिल सकती है, किंतु आप अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है, तो चिकित्सक से परामर्श ले लें।

कुंभ — आज अचल संपत्ति के झगड़ों का निवारण होगा। कलात्मक विधाओं में आपकी रुचि बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में प्रसन्नता और संतुष्टि रहेगी। बड़ा काम करने का विचार बनेगा। शेयर और लॉटरी आदि से धन लाभ मिलने की संभावना बन रही है।

मीन — आज यात्राओं के दौरान सावधानी रखें। बुरे लोगों की संगत के कारण धन हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दिखावे के कारण आपकी छवि खराब हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है।

सुडोकू-38

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6		3			8		7	9
	9		6			3		
2			9					1
		2			5		1	
9		4		7			3	2
1			3			7		
	5			8			6	
7			1			4		3
		1			4		2	

सुडोकू - 37 का हल

1	3	8	5	4	6	9	2	7
4	2	5	9	7	3	1	8	6
6	9	7	1	8	2	3	4	5
9	5	6	8	2	4	7	1	3
3	4	2	6	1	7	8	5	9
7	8	1	3	9	5	2	6	4
8	1	4	7	5	9	6	3	2
2	6	9	4	3	1	5	7	8
5	7	3	2	6	8	4	9	1

मैंने अपने करियर के दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और मैं जानती हूं कि सही समय पर उचित मार्गदर्शन से कितना बदलाव आ सकता है। द नेक्स्ट सेट मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत है। भारतीय महिला टेनिस में अपार प्रतिभा है और सही मार्गदर्शन से उन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है।
-सानिया मिर्जा

स्टेडियम

कानपुर नगर, बुधवार, 21 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दक्षिण अफ्रीका जाएगी भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को घोषणा की कि भारतीय महिला टीम पांच मैचों की अंतर्राष्ट्रीय टी20 शृंखला खेलने अप्रैल में वहां पहुंचेगी। ये मैच 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहानिसबर्ग और बेनोनी में खेले जाएंगे। पहला और दूसरा मैच डरबन में 17 और 19 अप्रैल को होगा। इसके बाद तीसरा और चौथा मैच जोहानिसबर्ग में 22 और 25 अप्रैल को और आखिरी मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को खेला जायेगा। इंग्लैंड में 12 जून से होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व से पहले दक्षिण अफ्रीका टीम की यह आखिरी शृंखला होगी।

नॉर्वे शतरंज 2026 में खेलेंगे प्रज्ञानानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारतीय स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह तीसरी बार नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेंगे। नई पीढ़ी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल प्रज्ञानानंदा ने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा नॉर्वे शतरंज में वापसी को बेकरार हूं। मुझे 2024 में वहां खेलने में काफी मजा आया। बेहद रोमांचक प्रारूप। नॉर्वे शतरंज के सीओओ बेनेडिक्टे रेस्ट्रे एस ने कहा प्रज्ञानानंदा ने 2024 में यहां शानदार प्रदर्शन किया। उनका फिर स्वागत करना बेहतरीन होगा।

सातवीं बार असम में होगी संतोष ट्रॉफी

नई दिल्ली। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप संतोष ट्रॉफी बुधवार से असम में शुरू होगी जो सातवीं बार इसकी मेजबानी कर रहा है। पहली बार असम में 1959 .60 में संतोष ट्रॉफी खेली गई थी। टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर के लिये सभी राज्यों की टीमों को नौ समूहों में बांटा गया है और हर समूह की शीर्ष टीम फाइनल दौर में खेलेगी। मेजबान और पिछले सत्र की उपविजेता असम, पश्चिम बंगाल और केरल सीधे फाइनल दौर में खेलेंगे। नॉकआउट क्वार्टर फाइनल दो और तीन फरवरी को होंगे, जबकि सेमीफाइनल 5 फरवरी को और फाइनल 8 फरवरी को खेला जाएगा।

भारतीय महिला टीम की कोच बनीं अमेलिया

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई है। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप आस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही है। पंद्रह बरस पहले कोचिंग कैरियर की शुरूआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रही। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा : सूर्यकुमार

नागपुर। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में ईशान किशन को श्रेयस अय्यर से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा जाएगा क्योंकि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं और चोटिल तिलक वर्मा की तरह ही खब्बू बल्लेबाज हैं। तिलक के पेट का आपरेशन हुआ है और वह पहले तीन मैचों से बाहर हैं। इससे श्रेयस को पहले तीन मैचों के लिये वापसी का मौका मिला है। सूर्यकुमार ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ईशान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा क्योंकि वह हमारी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा है और उसे टीम में पहले चुना गया तो उसे मौका देना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा पिछले डेढ साल से वह भारत के लिए खेला नहीं है, लेकिन घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा ईशान को टी20 विश्व कप के लिये चुना गया है तो उसे श्रेयस से ऊपर भेजा जाना चाहिए।

न्यूजीलैंड से वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

कप्तान सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर, मुकाबला शाम 7 बजे से

नागपुर, एजेंसी

पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 शृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे शृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी।

सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का-दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं।

भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट शृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे शृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे शृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा। इस पृष्ठभूमि में केवल सूर्यकुमार ही ऐसे हैं, जिनकी खराब फॉर्म मजबूत टीम की कमजोर कड़ी साबित हुआ है।

अभ्यास सत्र के दौरान फुटबाल खेलते न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

टी20 विश्व कप विवाद

आईसीसी के दबाव में नहीं आएगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरूल ने मंगलवार को दोहराया कि उनकी टीम किसी भी हालत में टी20 विश्व कप के लिये भारत नहीं जायेगी हालांकि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भागीदारी पर फैसला लेने के लिये 21 जनवरी तक का समय दिया है। बीसीबी अगर 20 टीमों के टूर्नामेंट के लिये भारत टीम नहीं भेजता है तो मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को उतारा जा सकता है।

नजरूल ने पत्रकारों से कहा मुझे जानकारी नहीं है कि हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया है। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर बेतुकी शर्तें रखकर हम पर दबाव बनाने की कोशिश करता है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पहले भी ऐसा हुआ है कि पाकिस्तान ने कहा कि वे भारत नहीं जाएंगे तो आईसीसी ने वेन्यू बदल दिया।

अब भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे या नहीं : लिटन दास

बंगलादेश के टी20 के कप्तान लिटन दास ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एक पत्रकार को बीच सवाल में ही रोक दिया, जब उसका सवाल टी20 वर्ल्ड कप से पहले चल रहे गतिरोध की ओर जा रहा था। आपको नहीं पता, मुझे नहीं पता, हम एक ही नाव में हैं। वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

ए प्लस श्रेणी को हटाकर केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाएगा बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध को सरल बनाते हुए 2018 में शुरू की गई ए प्लस श्रेणी खत्म करने जा रहा है। मौजूदा नीति के तहत ए प्लस श्रेणी के क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रूपये, ए श्रेणी वालों को पांच करोड़, बी श्रेणी वाले को तीन करोड़ और सी श्रेणी में एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं। वर्ष 2025-26 के लिये खिलाड़ियों को ए, बी और सी श्रेणी में रखा जाएगा।

पिछले चक्र में सिर्फ चार खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए प्लस श्रेणी में थे। इनमें से सिर्फ बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं। कोहली और रोहित सिर्फ वनडे खेलते हैं जबकि जडेजा टेस्ट और वनडे खेलते हैं। केंद्रीय अनुबंध को शीर्ष परिषद की अगली बैठक में मंजूरी दी जायेगी। बोर्ड के एक अधिकारी ने हालांकि पीटीआई को बताया कि तीनों प्रारूपों में तेज आक्रमण की अगुवाई करने वाले बुमराह जैसे खिलाड़ी के पारिश्रमिक में कोई कटौती नहीं की जायेगी भले ही वह कार्यभार प्रबंधन के कारण कुछ मैचों से बाहर रहे हों। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का ए श्रेणी में रहना तय है।

आईपीएल के एआई प्रायोजन के लिए 270 करोड़ रुपये का करार

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले गूगल के एआई प्लेटफॉर्म जेमिनी के साथ 270 करोड़ रूपये का प्रायोजन करार किया है। जेमिनी की प्रतिद्वंद्वी कंपनी चैट जीपीटी महिला प्रीमियर लीग के प्रायोजकों में से एक है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया यह करार तीन साल के लिये है और आईपीएल की वैश्विक अपील की बानगी देता है।

चोटिल कमलिनी की जगह वैष्णवी मुंबई इंडियंस में शामिल

वडोदरा। भारतीय स्पिनर वैष्णवी शर्मा को मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग के शेष मैचों के लिए चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज जी कमलिनी की जगह मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल किया गया। सत्रह वर्षीय कमलिनी ने डब्ल्यूपीएल के इस सत्र में पांच मैचों में से चार में पारी की शुरुआत की जिसमें उन्होंने 97.40 के स्ट्राइक रेट से केवल 75 रन बनाए। डब्ल्यूपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा वैष्णवी शर्मा 30 लाख रुपये में मुंबई इंडियंस में शामिल होंगी।

वैष्णवी 2025 में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम की सदस्य थीं। उन्होंने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की शृंखला से टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जिसे भारत ने 5-0 से जीता था। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पिन गेंदबाजी से अच्छा प्रभाव डाला और पांच विकेट लिए।

जेमिमा के नाबाद अर्धशतक से दिल्ली जीती

वडोदरा, एजेंसी

जेमिमा रौड्रिग्स ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए नाबाद अर्धशतक लगाकर दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मंगलवार को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। धीमी पिच पर पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई मुंबई इंडियंस ने नेट स्किवेर ब्रंट के 45 गेंद में नाबाद 66 रन की सहायता से पांच विकेट पर 154 रन बनाए।

दिल्ली को लिजेले ली (28 गेंद में 46 रन) और शेफाली वर्मा (24 गेंद में 29 रन) ने अच्छी शुरूआत दी लेकिन बीच के ओवरों में टीम ने विकेट गंवा दिए। इसके बाद जेमिमा ने 37 गेंद में 51 रन की अविजित पारी खेलकर दिल्ली को जीत तक पहुंचाया। अनुभवी मरिजाने काप छह गेंद में 10 रन बनाकर नाबाद रही और छक्के के साथ विजयी रन पूरे किए।

दिल्ली कैपिटल्स की यह पांच मैचों में दूसरी जीत है जबकि मुंबई की छह मैचों में चौथी हार है। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हार के बाद स्वीकार किया कि टीम को पावरप्ले में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। दिल्ली ने पावरप्ले में शेफाली वर्मा का विकेट गंवाया जो बायें हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा का शिकार हुई। वहीं अमनजोत कौर ने 11वें ओवर में लिजेले ली का विकेट लिया। इससे पहले हीली मैथ्यूज के चोट से उबरने के बाद वापसी करने के बावजूद मुंबई इंडियंस पावरप्ले में अपने प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकी। वेस्टइंडीज की मैथ्यूज और उनकी सलामी जोड़ीदार साजीवन साजना सस्ते में आउट हो गई। दिल्ली कैपिटल्स के लिये मरिजाने काप ने सटीक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में आठ रन देकर मैथ्यूज का विकेट लिया। अब रन बनाने की जिम्मेदारी स्किवेर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर आ गई थी। हरमनप्रीत ने 33 गेंद में 41 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रौड्रिग्स। एजेंसी

- महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराया

मालासुक ने अंडर 19 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा

विंडहोक (नामीबिया)। आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के बल्लेबाज विल मालासुक ने आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के इतिहास का सबसे तेज शतक सिर्फ 51 गेंदों में लगाया जिसकी मदद से आस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में मंगलवार को जापान को आठ विकेट से मात दी। विल ने 55 गेंद में 102 रन बनाये और 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को आसान जीत दिलाई।

मैडिसन कीज।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

पिछले दो बार के विजेता हैं इटालवी स्टार, महिला सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने भी दूसरे दौर में बनाई जगह

सिनर के खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत

मेलबर्न, एजेंसी

मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर और मैडिसन कीज ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की।

विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था। सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही। कीज ने कहा मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा। कीज़ ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया। इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा।

इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे।

पूनाचा व इसारो की जोड़ी पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। पूनाचा और इसारो की वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी के सामने अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे और 51 मिनट में 6-7(3) 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों जोड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था, पर पूनाचा व इसारो तीन में से केवल एक ब्रेक प्वाइंट के मौके को ही भुना पाए और मैच में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे। युगल स्पर्धा में भारत की उम्मीदें बरकरार हैं। युकी भांबरी स्वीडन के साथी आंद्रे गोरान्सन के साथ चुनौती पेश करेंगे। उन्हें 10वीं वरीयता दी गई है।

सानिया ने 'द नेक्स्ट सेट' लॉन्च किया

हैदराबाद। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने मंगलवार को 'द नेक्स्ट सेट' नामक एक पहल की घोषणा की, जिसका उद्देश्य टेनिस सहित भारत की अग्रणी और उभरती महिला खिलाड़ियों को सलाह और समर्थन देना है।

सानिया ने खेल जगत को वापस कुछ देने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की है जिसमें शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत मुख्य रूप से एक समर्पित सहायता प्रणाली तक सहजता से पहुंच बनाना होगा जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट आदि शामिल होंगे जो पूरे सत्र में खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट में यात्रा कर सकते हैं ताकि पूरे सत्र में निरंतर तैयारी और समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम के तहत सानिया की अकादमी में उनके नेतृत्व में विशेष टेनिस शिविर और कोचिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।